RNI : JHAHIN/2014/54374

हिन्दी दैनिक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

Rashtria Mukhyadhara

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

https://rashtriyamukhyadhara.com/

mukhyadhara.daily@gmail.com

+91 8873 319 159

बोकारो, मंगलवार

17.3.2026

पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/

वर्ष : 12, अंक : 145

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

एलपीजी संकट पर राज्यसभा में सत्तापक्ष व विपक्ष में तीखी नोंकझोंक

एजेंसी। नई दिल्ली

देश में लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की उपलब्धता और कीमतों के मुद्दे सोमवार को राज्यसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच नोकझोंक देखने को मिली। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच देश में एलपीजी आपूर्ति प्रभावित होने का मुद्दा उठाया। इस दौरान संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने उन्हें टोका, जिसके बाद सदन में कुछ देर के लिए माहौल गर्म हो गया। खरगे ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण देश में एलपीजी संकट की स्थिति बन गई है। भारत अपनी कुल एलपीजी जरूरतों का लगभग 60 प्रतिशत आयात करता है और इसमें करीब 90 प्रतिशत आपूर्ति होर्मुज की खाड़ी के रास्ते से आती है। ऐसे में हालात बिगड़ने से देश के कई हिस्सों में आम जनता, होटल, रेस्टोरेंट और हॉस्टल सहित विभिन्न क्षेत्रों में परेशानी बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर एलपीजी सिलेंडर के दाम 5,000 रुपये से अधिक तक पहुंच गए हैं। पेट्रोलियम मंत्री ने

लोकसभा में दावा किया था कि देश में एलपीजी की कोई कमी नहीं है और अफवाहों से बचने को कहा था, लेकिन जमीनी हालात अलग दिखाई दे रहे हैं। खरगे ने आरोप लगाया कि जब पश्चिम एशिया में संघर्ष बढ़ा था, तब सरकार ने भारतीय नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की थी। उस समय से सरकार को यह मालूम था कि ऊर्जा आपूर्ति पर असर पड़ सकता है, इसके बावजूद पर्याप्त तैयारी नहीं की गई। उन्होंने कहा कि शहरों में एलपीजी सिलेंडर बुकिंग का वेटिंग पीरियड 25 दिन और ग्रामीण एवं दूरदराज क्षेत्रों में 45 दिन तक पहुंच गया है, जिससे पैनिक बुकिंग और जमाखोरी की आशंका बढ़ गई है। उन्होंने सरकार से इस विषय में तत्काल ठोस कदम उठाने और आम लोगों तथा छोटे व्यापारियों को किफायती दरों पर एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराने की मांग की। इस पर राज्यसभा में सदन के नेता जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि उन्हें दुख है कि विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस, विपत्ति के समय भी राजनीति करने से पीछे नहीं हटती। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्पन्न हुई समस्या भारत के कारण नहीं है और इस मुद्दे पर पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी पहले ही सदन में विस्तृत जानकारी दे चुके हैं। नड्डा ने आरोप लगाया कि गैस सिलेंडर की कालाबाजारी के मामले में कांग्रेस का एक नेता पकड़ा गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में सभी को मिलकर देश के साथ खड़ा होना चाहिए, लेकिन कांग्रेस इस मुद्दे पर राजनीति कर रही है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

सरकार ने फिर दोहराया देश में कुकिंग गैस की कोई किल्लत नहीं

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच देश में ऊर्जा सुरक्षा, व्यापारिक जहाजों के सुरक्षित निकासी और भारतीयों की स्वदेश वापसी के प्रयास कर रही है। सरकार ने फिर दोहराया कि देश में कुकिंग गैस की कोई किल्लत नहीं है और वितरण एजेंसियों के पास पर्याप्त स्टाक उपलब्ध है। एलपीजी से लदा एक जहाज भारतीय तट पर पहुंच रहा है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने सोमवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि घरेलू उपभोक्ताओं को सप्लाई लगातार मिल रही है और डिस्ट्रीब्यूटर-लेवल पर कहीं भी स्टॉक खत्म होने की कोई रिपोर्ट नहीं है। उन्होंने बताया कि अब लगभग 90 प्रतिशत एलपीजी बुकिंग ऑनलाइन ही की जाती हैं और 'डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड' का इस्तेमाल बढ़कर 72 प्रतिशत तक पहुंच गया है। राज्यों ने जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। साथ ही, जिन उपभोक्ताओं के पास पीएनजी और एलपीजी दोनों कनेक्शन हैं, उन्हें सलाह दी गई है कि वे अपना एलपीजी कनेक्शन सरेंडर कर दें और घबराहट में बुकिंग करने से बचें। इसके अलावा कच्चे तेल की सप्लाई पर्याप्त बनी हुई है और रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। पेट्रोल पंप भी सामान्य रूप से चल रहे हैं और कहीं भी तेल खत्म होने की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। प्राकृतिक गैस की सप्लाई भी बिना किसी रुकावट के जारी है और सीएनजी तथा पीएनजी उपभोक्ताओं के लिए 100 प्रतिशत उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। कमर्शियल एलपीजी इस्तेमाल करने वालों को पीएनजी पर स्विच करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके लिए सीजीडी कंपनियां इंसेंटिव दे रही हैं और नए कनेक्शन देने की प्रक्रिया को भी तेज कर रही हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोमवार को कहा कि तमाम मुश्किलों के बावजूद, तेहरान स्थित हमारा दूतावास पूरी तरह से काम कर रहा है।

ट्रंप का यूरोपीय देशों को कड़ा संदेश- नाटो ने 'होर्मुज' की सुरक्षा नहीं की तो भविष्य बहुत बुरा होगा

एजेंसी। वाशिंगटन/टोक्यो

अमेरिकी राष्ट्रपति राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अगर उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) देश होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित करने में मदद नहीं करते तो उनका भविष्य बहुत बुरा होगा। ट्रंप ने इस रणनीतिक जलमार्ग को लेकर यूरोपीय देशों को एक कड़ा संदेश दिया। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने फाइनेंशियल टाइम्स को रविवार को फोन पर दिए साक्षात्कार में कहा, "यह बिल्कुल सही है कि जो लोग इस जलडमरूमध्य से फायदा उठाते हैं, वे यह सुनिश्चित करने में मदद करें कि वहां कुछ भी बुरा न हो।" उन्होंने कहा, "अगर कोई जवाब नहीं आता है तो मुझे लगता है कि यह नाटो के भविष्य के लिए बहुत बुरा होगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस के खिलाफ युद्ध में यूक्रेन को अमेरिका से दी गई मदद का जिक्र करते हुए कहा, "हमें यूक्रेन के मामले में उनकी मदद करने की कोई जरूरत नहीं थी।अब हम देखेंगे कि क्या वे हमारी मदद करते हैं। मैं लंबे समय से कहता आ रहा हूं कि हम उनके लिए हमेशा मौजूद रहेंगे। यह पूछे जाने पर कि उन्हें नाटो से किस तरह की मदद चाहिए? राष्ट्रपति ने कहा, "जो भी

जरूरी हो। उसमें बारूदी सुरंग नष्ट करने वाले जहाज भी शामिल हो सकते हैं। नाटो यूरोपीय और उत्तरी अमेरिकी रक्षा गठबंधन है। इसे शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने और अपने सदस्य देशों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया है। इसका मकसद किसी ऐसे देश की मदद करना नहीं है, जब कोई सदस्य देश खुद ही युद्ध शुरू कर दे। फ्लोरिडा से एयर फ़ोर्स वन विमान से व्हाइट हाउस लौटते समय ट्रंप ने एक बार फिर दोहराया, "हम हमेशा नाटो के साथ खड़े हैं।" उन्होंने कहा, "यह देखना दिलचस्प होगा कि कौन सा देश एक बहुत ही छोटे से काम में हमारी मदद नहीं करता। राष्ट्रपति ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के प्रति अपनी नाराजगी एक बार फिर जहिर की। उनकी नाराजगी का कारण यह था रहा स्टारमर ने ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमलों को तुरंत अपना समर्थन नहीं दिया था। उन्होंने कहा, "ब्रिटेन को शायद हमारा सबसे महत्वपूर्ण सहयोगी माना जाता है। जब मैंने उनसे मदद मांगी तो वह साथ नहीं आए।

जापान अभी तटस्थ : इस मसले पर जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने सोमवार को कहा कि जापान की अभी होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित करने में मदद के लिए जहाज भेजने की कोई योजना नहीं है। यह बात प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने सोमवार को कही। इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सहयोगी देशों से मदद का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने टोक्यो से सीधा कोई अनुरोध नहीं किया है। बावजूद इसके उनकी सरकार जरूरी कदम उठाने के तरीकों पर विचार कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

जज बदलने की हाईकोर्ट में याचिका खारिज, अब केजरीवाल ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और आप नेता मनीष सिसोदिया ने दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश द्वारा सीबीआई के उत्पाद शुल्क नीति मामले की याचिका को न्यायमूर्ति स्वर्ण कांत शर्मा की पीठ से किसी अन्य न्यायाधीश को स्थानांतरित करने से इनकार करने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। दोनों ने 11 मार्च को मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय को दिए गए एक आवेदन के बाद निष्पक्षता को लेकर गंभीर आशंका व्यक्त की, जिसे मुख्य न्यायाधीश ने खारिज कर दिया और कहा कि मामला न्यायालय के कार्यसूची के अनुरूप है और पुनर्नियुक्ति के लिए कोई प्रशासनिक आधार नहीं है। सीबीआई की याचिका, जो सोमवार को न्यायमूर्ति शर्मा के समक्ष सूचीबद्ध है, शराब लाइसेंसधारियों को तरजीह देने से जुड़े घोटाले में केजरीवाल, सिसोदिया और 21 अन्य को निचली अदालत द्वारा 27 फरवरी को बरी किए जाने को चुनौती देती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 2021 की दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति, जिसे अब रद्द कर दिया गया है, का उद्देश्य राजस्व वृद्धि के लिए शराब की बिक्री का निजीकरण करना था, लेकिन अनियमितताओं, रिश्वतखोरी और सरकारी खजाने को हुए नुकसान के आरोपों का सामना करना पड़ा, जिसके चलते उपराज्यपाल के आदेश पर सीबीआई और ईडी ने जांच की।

कटक अस्पताल अग्निकांड पर राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने जताया शोक, प्रत्येक मृतक के परिजन को दो लाख की सहायता

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को ओडिशा के कटक स्थित अस्पताल में आग लगने की घटना में लोगों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिजनों को अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। राष्ट्रपति मुर्मु ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने संदेश में कहा कि कटक के एक अस्पताल में हुई दुखद अग्निकांड की घटना में लोगों की मौत से वे गहरे दुखी हैं। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने भी इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि कटक के अस्पताल में हुई दुखद आग की घटना में बहुमूल्य जिंदगियों के नुकसान से वे अत्यंत दुखी हैं। उन्होंने शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में कहा कि कटक स्थित अस्पताल में हुई दुर्घटना अत्यंत पीड़ादायक है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के आश्रित को दो लाख रुपये तथा प्रत्येक घायल को 50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। उल्लेखनीय है कि ओडिशा के कटक स्थित एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में आग लगने से 10 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए हैं।

डाक विभाग कल से शुरू करेगा '24 स्पीड पोस्ट' सेवा, छह बड़े शहरों में अगले दिन पार्सल डिलीवरी का दावा

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया डाक विभाग की '24 स्पीड पोस्ट' सेवा का मंगलवार, 17 मार्च को शुभारंभ करेंगे। इसके तहत जरूरी पार्सल अगले दिन पहुंचाने का वादा किया गया है। प्रथम चरण में यह सेवा देश के छह बड़े शहरों में शुरू की जाएगी। केंद्रीय संचार मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि '24 स्पीड पोस्ट' सेवा के तहत अत्यावश्यक और समयबद्ध पार्सल की अगले दिन गारंटीकृत डिलीवरी सुनिश्चित की जाएगी। नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में संचार राज्यमंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी भी मौजूद रहेंगे। सरकार के मुताबिक यह सेवा पहले चरण में दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद में शुरू की जाएगी। साथ ही '24' और '48 स्पीड पोस्ट' सेवाएं क्रमशः डी+1 (डिस्पैच के अलगे दिन डिलेवरी) और डी+2 (डिस्पैच के दो दिन में डिलिवरी) डिलीवरी टाइमलाइन सुनिश्चित करेंगी। इन सेवाओं को विशेष प्रोसेसिंग विंडो और प्राथमिकता वाली हवाई ट्रांसमिशन व्यवस्था के जरिए सक्षम बनाया गया है। नई सेवा में ओटीपी आधारित सुरक्षित डिलीवरी, एंड-टू-एंड ट्रैकिंग के साथ एसएमएस अलर्ट, बिजनेस ग्राहकों के लिए बाय नाउ पे लेटर (बीएनपीएल) सुविधा, बल्क बुकिंग के लिए मुफ्त पिकअप, एपीआई इंटीग्रेशन और केंद्रीकृत बिलिंग जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। यदि डिलीवरी में देरी होती है तो ग्राहकों को मनी-बैक गारंटी भी दी जाएगी।

चुनाव से पहले अधिकारियों के तबादले को टीएमसी ने बताया बंगाल के खिलाफ, तो गिरिराज बोले- यह चुनाव आयोग का अधिकार

एजेंसी। नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग द्वारा राज्य के मुख्य सचिव, गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और कोलकाता पुलिस कमिश्नर का तबादला किए जाने पर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद सौगत रॉय, सागरिका घोष और कीर्ति आजाद ने इसे चुनाव आयोग की शक्तियों का दुरुपयोग बताते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा, जबकि केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने इसे आयोग का संवैधानिक अधिकार करार दिया। टीएमसी सांसद सौगत रॉय ने कहा कि केंद्र सरकार का यह कदम बंगाल के खिलाफ है और इससे चुनाव कराना

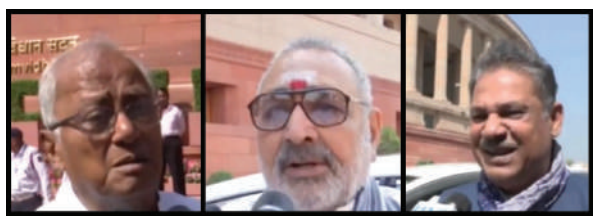

और भी मुश्किल हो जाएगा। चुनाव दो चरणों में हो रहा है, यह अच्छी बात है। टीएमसी सांसद सागरिका घोष ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने आधी रात को बंगाल के मुख्य सचिव और गृह सचिव का तबादला कर चुनी हुई सरकार को कमजोर करने की कोशिश की है। यह कदम लोकतांत्रिक अधिकारों को नुकसान पहुंचाने वाला है और हमारे संसद सदस्य डेरेक ओ ब्रायन ने इस मुद्दे को सदन में उठाया और इसी विरोध में टीएमसी सदस्यों ने संसद से वॉकआउट किया। उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग ने एसआईआर प्रक्रिया के जरिए राज्य के 50 लाख लोगों को मतदाता सूची से बाहर रखा है, जिससे उन्हें वोट देने का अधिकार नहीं मिल रहा। बंगाल के लोग चुनाव में भाजपा को जवाब देंगे। उन्होंने दावा किया कि टीएमसी राज्य में एकतरफा जीतेगी। टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद ने कहा कि चुनाव आयोग ने यह कदम भाजपा को खुश करने के लिए उठाया है। इससे पहले भी राज्य में कई चरणों में चुनाव कराए जा चुके हैं। इस बार दो चरणों में करा रहे हैं। यह लोग कितना भी प्रयास कर लें। कुछ बदलेगा नहीं। केंद्र सरकार चाहे जितना प्रयास कर ले, ममता को बंगाल के लोगों के दिल से नहीं निकाल पाएगी। वहीं केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि किसी अधिकारी को हटाना या रखना चुनाव आयोग का अधिकार है। टीएमसी ऐसे आरोप लगाकर संवैधानिक संस्था को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। बंगाल में जनता टीएमसी को जवाब देगी और इस बार तृणमूल कांग्रेस की खैर नहीं है। अब तक टीएमसी गुंडों के सहारे राज करती रही है लेकिन इस बार जनता उन्हें सबक सिखाएगी।

अच्छा स्वास्थ्य ही जीवन की सबसे बड़ी संपत्तिः मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वास्थ्य और व्यायाम के महत्व पर जोर देते हुए एक संस्कृत सुभाषित सोमवार को साझा किया। उन्होंने कहा कि अच्छा स्वास्थ्य जीवन का सबसे बड़ा धन है। इसे बनाए रखने में नियमित व्यायाम की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। प्रधानमंत्री ने सभी देशवासियों के स्वस्थ और सुखी जीवन की कामना करते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में संस्कृत में यह सुभाषित साझा किया-

"व्यायामाल्लभते स्वास्थ्यं दीर्घायुष्यं बलं सुखम्।
आरोग्यं परमं भाग्यं स्वास्थ्यं सर्वार्थसाधनम्॥"

इस सुभाषित का अर्थ बताते हुए उन्होंने कहा कि व्यायाम से उत्तम स्वास्थ्य, लंबी आयु, शक्ति और सुख की प्राप्ति होती है। अच्छा स्वास्थ्य सबसे बड़ा सौभाग्य है और जीवन में सभी कार्यों की सफलता का आधार भी स्वस्थ शरीर ही है। मोदी ने कहा कि अच्छा स्वास्थ्य ही जीवन की सबसे बड़ी संपत्ति है और इसमें व्यायाम की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी देशवासियों के लिए स्वस्थ और खुशहाल जीवन की कामना भी की।

नेपाल बस हादसे पर उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने जताया शोक

एजेंसी। नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने नेपाल में हुई बस दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। इस हादसे में तमिलनाडु के सात भारतीय तीर्थयात्रियों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए हैं। उपराष्ट्रपति ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर इस दुखद घटना पर शोक जताया। उन्होंने कहा कि नेपाल में हुई बस दुर्घटना के बारे में जानकर उन्हें गहरा दुख हुआ है, जिसमें तमिलनाडु के सात भारतीय तीर्थयात्रियों की जान चली गई और कई अन्य लोग घायल

हुए हैं। उन्होंने हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। उपराष्ट्रपति ने कहा, "मेरी संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं, जिन्होंने इस दुखद घटना में अपने प्रियजनों को खो दिया है। उपराष्ट्रपति ने इस हादसे से जुड़े अधिकारियों और नेपाल स्थित भारतीय दूतावास से घायलों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने और मृतकों के शवों को भारत लाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया है। उल्लेखनीय है कि यह हादसा शनिवार देर शाम नेपाल के गोरखा जिले में हुआ।

महायुद्धः ईरान ने दागी डांसिंग मिसाइल, सेजिल के प्रहार से दहला अमेरिका और इजरायल

एजेंसी। तेहरान

ईरान ने अमेरिका और इजरायल के साथ जारी भीषण संघर्ष में पहली बार अपनी सबसे खतरनाक सेजिल बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल कर युद्ध को एक नए और विनाशकारी मोड़ पर ला खड़ा किया है। जहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ईरान से बिना शर्त सरेंडर की मांग कर रहे हैं, वहीं तेहरान ने घुटने टेकने के बजाय अपने सबसे घातक हथियारों के मुंह खोल दिए हैं। ईरान के इस ताजा हमले में अरब देशों में स्थित कई अमेरिकी सैन्य ठिकानों को व्यापक नुकसान पहुंचने की खबरें हैं। ईरान की इस मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल सेजिल-2 को रक्षा गलियारों

में डांसिंग मिसाइल के नाम से जाना जाता है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह अत्यधिक ऊंचाई पर जाकर अपनी दिशा बदलने में सक्षम है, जिससे इजरायल के आयरन डोम जैसे उन्नत मिसाइल रक्षा प्रणालियों को चकमा देना इसके लिए आसान हो जाता है। दो चरणों वाले ठोस ईंधन (सॉलिड-फ्यूल) से चलने वाली यह मिसाइल लगभग 2000 किलोमीटर तक मार कर सकती है। ठोस ईंधन आधारित डिजाइन होने के कारण इसे बेहद कम समय में लॉन्च के लिए तैयार किया जा सकता है, जो इसे पुराने तरल ईंधन वाले सिस्टम की तुलना में रणनीतिक बढ़त देता है। मिसाइल के तकनीकी पक्ष को देखें तो लगभग 18 मीटर लंबी और 23,600 किलोग्राम वजनी यह मिसाइल करीब 700 किलोग्राम का पेलोड ले जाने में सक्षम है। इसकी रफ्तार मैक 4 से मैक 5 (6000 किमी प्रति घंटा से अधिक) तक पहुंच सकती है। तुलनात्मक रूप से देखें तो रेंज और मारक क्षमता के मामले में इसे कई मायनों में ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल से भी अधिक घातक माना जा रहा है। जहां अमेरिका टॉमहॉक जैसी मिसाइलों से ईरान पर हमले कर रहा है, वहीं ईरान के शाहेद ड्रोन और अब सेजिल मिसाइल ने सहयोगी सेनाओं की नाक में दम कर रखा है।

फरवरी में बढ़त के साथ 11 महीने में महंगाई शीर्ष पर पहुंची, खाने-पीने की चीजें हुई महंगी

एजेंसी। नई दिल्ली

खुदरा महंगाई के अब थोक महंगाई की दर में भी तेज उछाल दिख रहा है। फरवरी में यह बढ़त के साथ 11 महीने के शीर्ष पर पहुंच गई है। उपभोक्ता मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों में बताया गया है कि खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ने से थोक मूल्य आधारित महंगाई दर फरवरी में बढ़कर 2.13 फीसदी पहुंच गई। यह लगातार चौथा महीना है जब थोक महंगाई में उछाल आया है। उपभोक्ता मंत्रालय ने बताया कि थोक महंगाई लगातार चौथे महीने बढ़कर फरवरी में 2.13 फीसदी हो गई है, जिसमें खाद्य और गैर-खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि मुख्य कारण रही। हालांकि, सब्जियों की कीमतें महीने दर महीने कम हुई हैं, लेकिन अन्य उत्पादों के दाम बढ़ने

से थोक महंगाई पर इसका असर दिखा। जनवरी में थोक महंगाई की दर 1.81 फीसदी थी और पिछले साल फरवरी महीने में 2.45 फीसदी थी। हालांकि, पिछले साल के मुकाबले अभी यह थोड़ी नीचे है लेकिन माना जा रहा है कि मौजूदा हालात को देखते हुए जल्द ही इस स्तर को भी पार कर जाएगी। उद्योग मंत्रालय ने बताया कि फरवरी 2026 में महंगाई की सकारात्मक दर मुख्य रूप से अन्य विनिर्माण, मूल धातुओं के निर्माण, गैर-खाद्य वस्तुओं, खाद्य वस्तुओं और वस्त्रों आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण है। डब्ल्यूपीआई आंकड़ों के मुताबिक खाद्य वस्तुओं में महंगाई दर फरवरी में 2.19 फीसदी रही, जबकि पिछले महीने यह 1.55 फीसदी थी। सब्जियों की महंगाई दर फरवरी में घटकर 4.73 फीसदी हो गई, जबकि जनवरी में यह 6.78 फीसदी थी। सब्जियों में भले ही नरमी दिख रही है लेकिन दाल, आलू और अंडा, मांस और मछली में फरवरी में पिछले महीने की तुलना में ज्यादा महंगाई देखी गई। निर्मित उत्पादों के मामले में, थोक महंगाई दर फरवरी में बढ़कर 2.92 फीसदी हो गई, जबकि पिछले महीने यह 2.86 फीसदी थी। गैर-खाद्य वस्तुओं की श्रेणी में महंगाई दर फरवरी में बढ़कर 8.80 फीसदी हो गई, जबकि जनवरी में यह 7.58 फीसदी थी. ईंधन और बिजली की टोकरी में नकारात्मक महंगाई या डिफ्लेशन फरवरी में 3.78 फीसदी रही, जबकि जनवरी में यह 4.01 फीसदी थी।

चयनित उम्मीदवारों को यूपीएससी की एडवाइजरीः सोशल मीडिया पर आत्म-प्रचार से बचें

नई दिल्ली। यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन (यूपीएससी) ने सिविल सेवा परीक्षा 2025 में चयनित उम्मीदवारों के लिए एक विस्तृत एडवाइजरी जारी की है। आयोग ने अभ्यर्थियों को सोशल मीडिया पर आत्म-प्रचार, व्यक्तिगत ब्रांडिंग और व्यावसायिक गतिविधियों से दूर रहने की सलाह दी है। यूपीएससी द्वारा जारी दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि सिविल सेवा में चयनित उम्मीदवारों को सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदार और संतुलित आचरण बनाए रखना चाहिए। सोशल मीडिया पर किया गया कोई भी अव्यवसायिक या अनुचित पोस्ट न केवल उनकी व्यक्तिगत छवि बल्कि सेवा और संस्थान की प्रतिष्ठा को भी प्रभावित कर सकता है। यूपीएससी के अनुसार, सिविल सेवा में चयन एक सार्वजनिक दायित्व है और इससे जुड़े अधिकारियों से उच्च नैतिक मानकों और पेशेवर व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। एडवाइजरी में यह भी कहा गया है कि चयनित उम्मीदवारों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते समय सावधानी बरतनी चाहिए और ऐसे किसी भी कंटेंट से बचना चाहिए जो सेवा की निष्पक्षता, गोपनीयता या गरिमा पर सवाल खड़ा कर सकता हो।

आरएसएस की संरचना में बदलावः उप्र-उत्तराखंड को मिलाकर बनेगा उत्तर क्षेत्र, समाप्त होगी प्रांत व्यवस्था

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी तीन दिवसीय प्रतिनिधि सभा की बैठक में संगठन की कार्यप्रणाली और भौगोलिक संरचना में क्रांतिकारी बदलावों को अंतिम रूप दे दिया है। संघ के शताब्दी वर्ष की ओर बढ़ते कदमों के बीच यह निर्णय लिया गया है कि अब भविष्य में प्रांत की वर्तमान प्रशासनिक संरचना को समाप्त कर दिया जाएगा। नई व्यवस्था के तहत अब पूरे देश में संघ के कार्यों का संचालन क्षेत्र और संभाग के स्तर से किया जाएगा। इस बड़े फेरबदल को अगले साल मार्च के बाद प्रभावी रूप से लागू करने की तैयारी है। इस नई रणनीति के अंतर्गत उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को मिलाकर एक संयुक्त उत्तर क्षेत्र बनाया जाएगा। उत्तर प्रदेश में शाखाओं की विशाल संख्या को देखते हुए इसे 10 प्रमुख संभागों में विभाजित किया गया है, जिनमें मेरठ, ब्रज, बरेली, लखनऊ, कानपुर, झांसी, प्रयाग, अयोध्या, काशी और गोरखपुर शामिल हैं। वहीं, उत्तराखंड में कुमाऊं और गढ़वाल के रूप में दो संभाग कार्य करेंगे। क्षेत्र स्तर पर मुख्य रूप से संगठन के समन्वय और विस्तार का कार्य होगा, जबकि संभागों को स्थानीय शाखाओं के प्रशिक्षण और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

गैस की किल्लत पर अफवाह न फैलाने की अपील

डुमरी : रसोई गैस की कथित कमी को लेकर गैस एजेंसियों के बाहर लग रही लंबी कतारों पर जिला परिषद सदस्या सुनीता कुमारी ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशियाई देशों में चल रहे युद्ध को लेकर लोगों में अनावश्यक डर फैल गया है, जबकि देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्थिति सामान्य बनी हुई है।

सुनीता कुमारी ने कहा कि कुछ लोग यह अफवाह फैला रहे हैं कि गैस सिलेंडर एक-दो महीने या साल भर तक नहीं मिलेगा, जिसके कारण लोग अभी से गैस का अतिरिक्त भंडारण करने के लिए एजेंसियों पर भीड़ लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यही वजह है कि क्षेत्र की गैस एजेंसियों के बाहर प्रतिदिन लंबी कतारें लग रही हैं।

जिला परिषद सदस्या सुनीता कुमारी ने पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री का उदाहरण देते हुए कहा कि खाद्यान्न संकट के समय उन्होंने देशवासियों से एक समय का भोजन छोड़ने की अपील की थी और लोगों ने उनका साथ दिया था। उन्होंने कहा कि यदि लोग कुछ दिनों तक धैर्य रखते हुए पारंपरिक साधनों जैसे गोबर के गोइठा, लकड़ी या कोयले से खाना बनाने का विकल्प अपनाएं तो गैस एजेंसियों पर लगने वाली भीड़ कम हो सकती है और स्थिति जल्द सामान्य हो जाएगी।

सड़क हादसे में छात्र की मौत, स्कूल में शोक सभा के बाद परीक्षा स्थगित

डुमरी : पीएनडी जैन मध्य विद्यालय इसरी बाजार में सोमवार को सड़क हादसे में छात्र निखिल जैन के निधन पर शोक सभा आयोजित की गई। निखिल जैन विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष अभय कुमार जैन के ज्येष्ठ पुत्र पारस जैन के पुत्र थे। बताया गया कि रविवार की रात बाइक से धनबाद जाने के दौरान दुर्घटना में उनका निधन हो गया।

घटना की जानकारी मिलते ही विद्यालय परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। विद्यालय में आयोजित शोक सभा में शिक्षक-शिक्षिकाओं और छात्र-छात्राओं ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। शोक के कारण विद्यालय में प्रथम दिन की परीक्षा स्थगित कर दी गई और दिनभर के लिए छुट्टी घोषित कर दी गई।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुनील कुमार जैन ने घटना को अत्यंत दुखद बताते हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि वे शोकाकुल परिवार को इस अपार दुख को सहने की शक्ति प्रदान करें। विद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने भी दिवंगत निखिल जैन को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इफ्तार में गूंजा भाईचारे का संदेश, हजारों लोगों ने साथ खोला रोजा

पाकुड़ : महेशपुर में रमजान के पवित्र महीने के अवसर पर रविवार शाम एसडीपीओ विजय कुमार के आवास परिसर में भव्य इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। इसमें प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों से हजारों रोजेदार और स्थानीय लोग शामिल हुए। सभी ने एक साथ रोजा खोलते हुए क्षेत्र में अमन-चैन, तरक्की और भाईचारे के लिए दुआ मांगी।

कार्यक्रम में झामुमो जिलाध्यक्ष अजीजुल इस्लाम, जिला उपाध्यक्ष हाजी समद अली, केंद्रीय समिति सदस्य पिंकु शेख, जिला संगठन सचिव अनारूद्दीन मियां, सांसद प्रतिनिधि कुणाल अल्फ्रेड हेंब्रम, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष जोसेफिना हेम्ब्रम, अनुमंडल पदाधिकारी साईमन मरांडी, अंचल अधिकारी संजय कुमार सिन्हा और थाना प्रभारी रवि शर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। एसडीपीओ विजय कुमार ने कहा कि रमजान आपसी प्रेम, भाईचारा और इंसानियत का संदेश देता है। इफ्तार जैसे आयोजन समाज में सद्भाव और एकता को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम में विभिन्न समुदायों की भागीदारी ने सामाजिक सौहार्द की मिसाल पेश की।

गोड्डा के 16 थानों को मिले नए पेट्रोलिंग वाहन

गोड्डा : जिले में कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से सोमवार को 16 थानों को चार पहिया पेट्रोलिंग वाहन उपलब्ध कराए गए। जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त अंजली यादव और पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर इन वाहनों को संबंधित थानों के लिए रवाना किया। प्रशासन के अनुसार नए वाहनों के मिलने से पुलिस की गश्ती व्यवस्था तेज होगी और आपात स्थितियों में त्वरित कार्रवाई संभव हो सकेगी।

प्रशासन ने बताया कि प्रत्येक थाना को एक-एक पेट्रोलिंग वाहन दिया गया है, जबकि पोड़ैयाहाट थाना को दो वाहन उपलब्ध कराए गए हैं, ताकि वहां की पुलिस व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। उपायुक्त अंजली यादव ने कहा कि आधुनिक संसाधनों से सुसज्जित पुलिस व्यवस्था ही बेहतर कानून-व्यवस्था सुनिश्चित कर सकती है। नए वाहनों के आने से पुलिस की पहुंच दूर-दराज क्षेत्रों तक बढ़ेगी और गश्ती व्यवस्था में तेजी आएगी।

पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार ने थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि वाहनों का उपयोग जिम्मेदारी के साथ करते हुए नियमित गश्ती सुनिश्चित करें, ताकि अपराध नियंत्रण और विधि-व्यवस्था बनाए रखने में और मजबूती मिले। कार्यक्रम में एसडीपीओ, सार्जेंट मेजर तथा जिले के विभिन्न थानों के थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे।

आगामी ईद, सरहुल एवं रामनवमी पर्व के मद्देनजर उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक

» सोशल मीडिया में अफवाह से रहे सावधान बिना पुष्टि कोई भी पोस्ट को ना करें शेयर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रामगढ़: आगामी ईद, सरहुल एवं रामनवमी पर्व के मद्देनजर सोमवार को उपायुक्त, रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक श्री अजय कुमार की उपस्थिति में समाहरणालय सभाकक्ष में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया।बैठक के दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा सभी पर्व को भाईचारगी के साथ शांतिपूर्ण रूप से संपन्न कराने हेतु शान्ति समिति के सदस्यों से भी आवश्यक सुझाव लिए गए।इस दौरान सर्वप्रथम उपायुक्त द्वारा सभी को आगामी त्योहारों की शुभकामनाएं दी गई वहीं उन्होंने सभी से शांतिपूर्ण तरीके से पर्व संपन्न करने में अपना योगदान देने की अपील की।बैठक के दौरान उपायुक्त ने कहा कि हर बार की तरह इस बार भी जिला प्रशासन रामगढ़ शांतिपूर्ण तरीके से पर्व संपन्न कराने के लिए पूरी तरह से तैयार है। अलग-अलग क्षेत्र में स्थलों को चिन्हित किया गया है जहां पर दंडाधिकारियों के साथ पुलिस बल की प्रतिनियुक्त रहेगी। इसके साथ ही दंडाधिकारियों एवं पुलिस अधिकारियों के द्वारा गस्ती कर प्रत्येक गतिविधि पर पैनी नजर रखी जाएगी। इस दौरान उपायुक्त ने सभी से आपसी सौहार्द के साथ पर्व मानाने की अपील करते हुए शांति समिति के सभी सदस्यों को पर्व के दौरान शराब पीकर अथवा किसी अन्य नशे की हालत में किसी भी व्यक्ति को जुलूस में शामिल न होने देने की बात कही वहीं उन्होंने कहा कि अगर पर्व के दौरान किसी भी क्षेत्र में इस तरह से कोई भी व्यक्ति नशे की हालत में माहौल खराब करने की कोशिश करेगा तो उस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त ने सभी शांति समिति के सदस्यों से पर्व के दौरान निकाले जाने वाले जुलूस को अनिवार्य रूप से निर्धारित रूट का पालन करते हुए ही संपन्न करने का निर्देश दिया। पर्व के दौरान डीजे के प्रयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा हालांकि धार्मिक गीत बजाए जाने पर कोई समस्या नहीं है। लेकिन किसी भी हाल में कोई भी भड़काऊ गीत नहीं बजाया जाएगा। अगर इसकी अवमानना होगी तो संबंधितो पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। शांतिपूर्ण तरीके से पर्व संपन्न कराने को लेकर उपायुक्त ने सभी थाना प्रभारियों को उनके उनके क्षेत्र में शांति समिति के सदस्यों के साथ समन्वय कर प्रत्येक अखाड़ा के लिए वॉलिंटियर चिन्हित कर लगातार उनके साथ संपर्क में रहने का निर्देश दिया।बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने शांति समिति के सदस्यों के साथ-साथ सभी थाना प्रभारी एवं अन्य संबंधित अधिकारियों को पर्व के दौरान निकाले जाने वाले जुलूस में निर्धारित रूट चार्ट का पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही उन्होंने पर्व के दौरान पर्याप्त लाइट की व्यवस्था सुनिश्चित करने, आवश्यकता अनुसार सीसीटीवी कैमरों की उपलब्धता आदि के संबंध में भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए।बैठक के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी अनुराग कुमार तिवारी के द्वारा पर्व के शांतिपूर्ण आयोजन हेतु कई महत्वपूर्ण विषयों को लेकर विस्तृत जानकारी सभी शांति समिति के सदस्यों सहित अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों को दी गई वहीं उन्होंने जिला वासियों से अपील किया कि सोशल मीडिया में बिना पुष्टि किए कोई भी पोस्ट को शेयर ना करें पर्व के दौरान सोशल मीडिया में भ्रामक एवं अफवाह फैलाने वाले पोस्ट करने वाले लोगों की चिन्हित कर कार्रवाई करने की बात कही।मौके पर महेंद्र प्रसाद,संजय बक्सी,जितेंद्र साहू,गोविंद मुंडा ,ज्ञानी मुंडा सहित जिला स्तरीय वरीय अधिकारियों प्रशासनिक व पुलिस पदाधिकारियों, कर्मियों, शांति समिति के सदस्यों सहित अन्य उपस्थित थे।

स्कूल परिसर में निजी कंपनी का प्रचार-प्रसार, शिक्षा विभाग की लापरवाही पर उठे सवाल

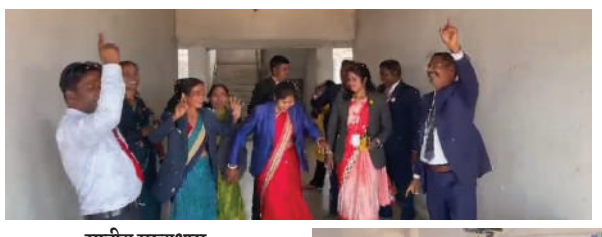

राष्ट्रीय मुख्यधारा

सरायकेला : सरायकेला स्थित मॉडल स्कूल में शिक्षा विभाग की लापरवाही सामने आई है। आरोप है कि स्कूल परिसर के भीतर एक निजी नेटवर्किंग कंपनी द्वारा प्रचार-प्रसार कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि रविवार के दिन स्कूल परिसर में डीजे बजाकर कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, जिसमें बाहर से बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं। कार्यक्रम के दौरान एक व्यक्ति मंच से खुद को करोड़पति बताते हुए लोगों को 10 हजार रुपये निवेश करने के लिए प्रेरित करता है और उन्हें अगला करोड़पति बनाने का दावा करता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह के कार्यक्रम के माध्यम से आम जनता को सपने दिखाकर बरगलाने का काम किया जा रहा है।

सबसे हैरानी की बात यह है कि यह पूरा कार्यक्रम स्कूल के प्राचार्य की देखरेख में होने का आरोप लगाया जा रहा है। लोगों का कहना है कि अपने निजी हित के लिए विद्यालय जैसे पवित्र स्थान का दुरुपयोग किया जा रहा है, जिससे आवासीय मॉडल स्कूल में पढ़ने वाले विद्यार्थियों पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

इस संबंध में जब जिला शिक्षा पदाधिकारी से पूछताछ की गई तो उन्होंने कहा कि यदि स्कूल परिसर में किसी प्रकार का प्रचार-प्रसार कार्यक्रम हो रहा है और वह शैक्षणिक गतिविधियों से जुड़ा नहीं है, तो वह पूरी तरह अवैध है। उन्होंने मामले की जांच कर सख्त कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

भालुकोचा में पाँच दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ

राष्ट्रीय मुख्यधारा

चांडिल : रुचाप पंचायत के अंतर्गत भालुकोचा ग्राम में 16 मार्च से 20 मार्च 2026 तक श्रीमद् भगवत महापुराण पाँच दिवसीय ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। इस पावन आयोजन की शुरुआत सोमवार सुबह 8 बजे न्यू ब्रिज स्थित वामनी नदी से भालुकोचा तक भव्य कलश यात्रा के साथ हुई। कलश यात्रा में सैकड़ों की संख्या में माता-बहनों एवं श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया।

पाँच दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का वाचन श्रीयुक्त विनय कृष्ण ठाकुरजी महाराज द्वारा किया जा रहा है, जो सारजुमातु, राधा गोविन्द मंदिर, बागमुण्डी, पुरुलिया (पश्चिम बंगाल) से पधारे हैं। कथा प्रतिदिन संध्या 6 बजे से प्रभु इच्छा तक आयोजित की जा रही है।

आयोजन समिति के अनुसार श्रीमद् भागवत कथा के श्रवण से मन को शांति मिलती है, जीवन में सकारात्मकता आती है तथा व्यक्ति धर्म और भक्ति के मार्ग पर अग्रसर होता है। ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव और आध्यात्मिक जागरण को बढ़ावा मिलता है।

समस्त भालुकोचा ग्रामवासियों की ओर से सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से आग्रह किया गया है कि वे सपरिवार एवं इष्ट मित्रों के साथ कथा में उपस्थित होकर तन, मन और धन से सहयोग करें तथा भागवत कथा का श्रवण कर पुण्य के भागी बनें।

ईद,रामनवमी को ले अनुमंडल स्तरीय शांति समिति की हुई बैठक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरी: ईद और रामनवमी पर्व को शांति और सौहार्द के साथ मनाने को लेकर सोमवार को अनुमंडल कार्यालय सभागार में अनुमंडल स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई।अध्यक्षता प्रभारी एसडीएम संतोष गुप्ता ने की।बैठक में डुमरी एसडीपीओ सुमित प्रसाद सीओ डुमरी शशिभूषण वर्मा बीडीओ पीरटांड़ मनोज मरांडी सीओ पीरटांड़ ऋषिकेश मरांडी प्रमुख डुमरी उषा देवी पुलिस इंस्पेक्टर राजेंद्र प्रसाद बीस सूत्री के अध्यक्ष डेगलाल महतो रेफरल अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ राजेश महतो डुमरी थाना प्रभारी प्रणीत पटेल उपप्रमुख उपेन्द्र महतो भाजपा नेता प्रशांत जायसवाल आजसू नेत्री यशोदा देवी व छक्कन महतो विधायक प्रतिनिधि बीएन महतो,रामप्रसाद महतो प्रखंड अध्यक्ष जेलकेएम अमित महतो सहित दोनों समुदायों के कई लोग उपस्थित थे।बैठक में ईद और रामनवमी के त्योहार को शांतिपूर्ण और आपसी भाईचारे के साथ मनाने पर विशेष जोर दिया गया।एसडीएम ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि त्योहार सामाजिक सद्भाव और एकता का प्रतीक होते हैं।ऐसे अवसरों पर सभी समुदायों को मिल-जुलकर शांति और सौहार्द बनाए रखना चाहिए।उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों का पालन करना सभी के लिए अनिवार्य होगा ताकि त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा या अप्रिय घटना की संभावना न रहेंगे।लाइसेंसी और गैर लाइसेंसी अखाड़ा समिति किसी भी तरह का रूट का बदलाव नहीं करेंगे,डीजे किसी हाल में नहीं बजाया जायेगा लोग परम्परिक वाद्य यंत्र को बजाये,जो भी ऐसा करेगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी वहीं एसडीपीओ सुमित कुमार ने बैठक में उपस्थित लोगों से अपील करते हुए कहा कि जुलूस,धार्मिक कार्यक्रम और अन्य आयोजनों के दौरान प्रशासन द्वारा निर्धारित मार्ग और समय का पालन किया जाए,उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और यदि कहीं कोई संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो तुरंत पुलिस प्रशासन को सूचित करें उन्होंने स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया पर भड़काऊ या आपत्तिजनक पोस्ट करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।डीजे पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा,गाना को निर्धारित डेसिबल में बजायेगे कोई भी व्यक्ति कानून को अपने हाथ में नहीं लेगा,किसी धर्म स्थल के समीप शक्ति प्रदर्शन नहीं करना है।बैठक में पीरटांड़ थाना प्रभारी दिपेश कुमार,हरलाडीह ओपी प्रभारी दीपक कुमार खुखरा थाना प्रभारी निरंजन कश्यप,मधुबन थाना प्रभारी संजय यादव निमियाघाट एसआई सत्येन्द्र कुमार चैत्र दुर्गा पूजा समिति जामतारा के अध्यक्ष आशीष उर्फ टींकू जायसवाल झामुमो नेता राजकुमार पांडेय,कारी बरकत अली मुखिया खेमलाल महतो,हसमुद्दीन अंसारी,अनिल रजक, अजित माथुर झाएकिमयू केन्द्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष गुड्डु मलिक मुखिया जागेश्वर महतो मुखिया सुबोध यादव,परमेश्वर तुरी,डालेश्वर गोप विहिप जिला अध्यक्ष रामकिशोर शरण पंसस अखिलेश राणा, रिक्की जायसवाल,समसुद्दीन अंसारी,राजकमल महतो आदि दर्जनों लोग उपस्थित थे।

उप मेयर चुनाव में अंकुर सिंह की ऐतिहासिक जीत, समर्थकों ने उत्साह के साथ किया स्वागत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

सरायकेला -खरसावां : आदित्यपुर नगर निगम में उप मेयर चुनाव को लेकर बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिला। उप मेयर पद के चुनाव में अंकुर सिंह ने मात्र एक वोट से जीत दर्ज कर ऐतिहासिक विजय हासिल की। जीत की घोषणा होते ही उनके समर्थकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला और नारेबाजी करते हुए उनका जोरदार स्वागत किया गया।

समर्थकों का कहना है कि यह जीत आदित्यपुर नगर निगम क्षेत्र की दिशा और दशा बदलने वाली साबित होगी। अंकुर सिंह को उप मेयर पद के रूप में नगर निगम के विकास की बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

हालांकि चुनाव के बाद विवाद भी सामने आया है। मेयर के शपथ ग्रहण समारोह के बाद हुए उप मेयर चुनाव में धांधली का आरोप लगाया गया है। अर्चना सिंह के समर्थकों ने चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।

अब देखना यह होगा कि इस पूरे मामले में प्रशासन क्या रुख अपनाता है और जांच के बाद क्या निष्कर्ष सामने आता है

बोकारो में अंडरवर्ल्ड का आतंक, अमन साहू गैंग ने मांगी 5 करोड़ की रंगदारी

» धमकी भरा भेजा मैसेज- अब रंगदारी नहीं, सीधे मारेंगे

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो के शांत माहौल में एक बार फिर संगठित अपराध की काली छाया गहरी हो गई है। झारखंड के कई जिलों में आतंक का पर्याय बने अमन साहू गैंग ने अब स्टील सिटी के व्यापारियों को अपना निशाना बनाना शुरू कर दिया है। ताजा मामले ने पूरे पुलिस महकमे में हड़कंप मचा दिया है, जहां मां मेहर स्टील के प्रोपराइटर और रितुडीह निवासी रितेश सिंह से व्हाट्सएप कॉल के जरिए 5 करोड़ रुपये की भारी-भरकम रंगदारी मांगी गई है। यह धमकी केवल पैसों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें एक वीभत्स खूनी खेल की स्पष्ट चेतावनी दी गई है, जिससे व्यवसायी और उनका परिवार गहरे खौफ में है।

रितेश सिंह को यह धमकी भरा संदेश रविवार दोपहर एक बजे उस वक्त मिला, जब वे दिल्ली से रांची के लिए फ्लाइट पकड़ने वाले थे। खुद को गैंग का सदस्य बताने वाले प्रकाश शुक्ला ने मैसेज में दावा किया कि वह अपने बॉस राहुल दुबे और मयंक सिंह के आदेश पर यह कॉल कर रहा है। धमकी का लहजा इतना सनसनीखेज था कि अपराधी ने मैसेज में लिखा- बोकारो में गिरोह ने किसी बड़े व्यवसायी को खत्म करने का लक्ष्य रखा है और अब वह टारगेट तुम हो। अब रंगदारी नहीं लेंगे, अब सीधे मारेंगे। इतना ही नहीं, अपराधियों ने रितेश सिंह की गतिविधियों की रेकी करने का दावा करते हुए उनकी काली गाड़ी को खून से लाल करने की खौफनाक बात भी लिखी है।

लोहा और शराब कारोबार पर गैंग की टेढ़ी नजर-व्हाट्सएप कॉल करने वाले ने रितेश सिंह पर आरोप लगाया कि उन्होंने लोहे और शराब के कारोबार से अकूत संपत्ति बनाई है, इसलिए उनके बॉस को 5 करोड़ रुपये का हिस्सा देना ही होगा। जब रितेश सिंह ने इस अवैध मांग का विरोध किया, तो अपराधी अश्लील भाषा पर उतर आए और उनके सहयोगियों समेत पूरे परिवार को उड़ाने की धमकी दे डाली। पीड़ित व्यवसायी ने इस संबंध में सिटी थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए व्हाट्सएप चैट के स्क्रीनशॉट भी पुलिस को सौंपे हैं। उन्होंने प्रशासन से गुहार लगाई है कि उनकी और उनके परिजनों की जान को गंभीर खतरा है, इसलिए उन्हें तत्काल सुरक्षा प्रदान की जाए।

प्रिंस खान के बाद अमन साहू की धमकी-बोकारो में रंगदारी का यह कोई पहला मामला नहीं है। महज एक सप्ताह पूर्व ही बीएमडब्ल्यू कंपनी के एसके सिंह को कुख्यात प्रिंस खान गैंग के नाम पर धमकी दी गई थी, जिसकी प्राथमिकी बालीडीह थाने में दर्ज है। एक ओर जहां प्रिंस खान का खौफ पहले से था, वहीं अब अमन साहू गैंग की सक्रियता ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। दो बड़े गैंग्स द्वारा एक के बाद एक व्यवसायियों को टारगेट किए जाने से शहर के उद्यमी वर्ग में भारी आक्रोश और असुरक्षा का भाव है। फिलहाल, बोकारो पुलिस इस मामले में आधिकारिक तौर पर कुछ भी कहने से बच रही है, लेकिन सूत्रों के अनुसार साइबर सेल और तकनीकी टीम व्हाट्सएप नंबर और लोकेशन को ट्रेस करने में जुटी है। अपराधियों ने जिस तरह से रेकी करने और परिवार को निशाना बनाने की बात कही है, वह यह संकेत देता है कि गिरोह के गुर्गे शहर के भीतर ही कहीं छिपे हो सकते हैं। धमकी के बाद से व्यवसायी के परिजन दहशत में हैं।

जानलेवा जटिल प्रसूति बीमारी प्लेसेंटा परक्रिटा का सफल ऑपरेशन कर पारस एचईसी हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने बचाई मरीज की जान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची: पारस एचईसी हॉस्पिटल में एक बेहद जटिल और जानलेवा प्रसूति बीमारी प्लेसेंटा परक्रिटा का सफल ऑपरेशन कर डॉक्टरों की टीम ने एक महिला की जान बचाई। यह सर्जरी स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ और लैप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. रितिका पाठक के नेतृत्व में की गई। मरीज को पहले कई अस्पतालों में इस बीमारी की गंभीरता के कारण ऑपरेशन करने से मना कर दिया गया था। प्लेसेंटा परक्रिटा एक दुर्लभ और अत्यंत गंभीर स्थिति होती है, जिसमें प्लेसेंटा गर्भाशय की दीवार को पार कर आसपास के अंगों, विशेषकर ब्लैडर तक पहुंच जाता है। ऐसी स्थिति में प्रसव के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव का खतरा रहता है और मरीज की जान पर बन सकती है। डॉक्टरों की टीम ने सावधानीपूर्वक योजना बनाते हुए सीजेरियन हिस्टरेक्टॉमी के साथ आंशिक सिस्टेक्टॉमी कर प्लेसेंटा और ब्लैडर के प्रभावित हिस्से को सुरक्षित रूप से हटाया। ऑपरेशन तकनीकी रूप से काफी जटिल था और सर्जरी के दौरान अधिक रक्तस्राव होने

के कारण मरीज को कई यूनिट रक्त भी चढ़ाना पड़ा।

अस्पताल के अनुसार विशेषज्ञ सर्जिकल तकनीक, विभिन्न विभागों के समन्वित सहयोग और समय पर उपलब्ध रक्त सहायता से यह ऑपरेशन सफलतापूर्वक पूरा किया गया। ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति स्थिर रही और स्वस्थ होने के बाद उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

डॉ. रितिका पाठक ने कहा कि उन्होंने मुंबई के एक प्रतिष्ठित संस्थान से एडवांस लैप्रोस्कोपिक सर्जरी और हाई-रिस्क प्रेग्नेंसी के प्रबंधन में विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया है। उनकी कोशिश है कि रांची और आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को उन्नत और सुरक्षित इलाज स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सके।

पारस एचईसी हॉस्पिटल के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ नीतेश कुमार ने इस सफलता का श्रेय पूरी सर्जिकल टीम, समय पर उपलब्ध रक्त सहायता और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं को दिया। उन्होंने कहा कि प्लेसेंटा परक्रिटा जैसे जटिल मामलों के सफल इलाज में अनुभवी डॉक्टरों और मल्टीडिसिप्लिनरी मेडिकल टीम की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

19 मार्च को होगा प्रत्याशियों के चुनावी खर्च का अंतिम हिसाब-किताब, लापरवाही पर मिल सकता है नोटिस

बोकारो : नगर पालिका आम निर्वाचन 2026 की लोकतांत्रिक प्रक्रिया अब अपने अंतिम और सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव व्यय मिलान की ओर बढ़ गई है। सोमवार को समाहरणालय सभागार में चास नगर निगम के मेयर और वार्ड पार्षद पद के प्रत्याशियों एवं उनके अभिकर्ताओं के लिए एक विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिला कोषागार पदाधिकारी गुलाब चंद्र उरांव और राज्य कर पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि आगामी 19 मार्च 2026 को सभी प्रत्याशियों के चुनावी खर्च का अंतिम मिलान किया जाएगा। इस प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की त्रुटि या दस्तावेजों की कमी को निर्वाचन आयोग के नियमों का उल्लंघन माना जाएगा।

प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों ने दो टूक शब्दों में कहा कि प्रत्येक प्रत्याशी को अपने प्रचार-प्रसार पर हुए एक-एक पैसे का हिसाब देना अनिवार्य है। इसके लिए सभी वाउचर, बैंक स्टेटमेंट, शपथ पत्र (एफिडेविट) और विधिवत संधारित व्यय पंजी जमा करनी होगी। व्यय पंजी में दर्ज प्रत्येक खर्च का मिलान उसके संबंधित बिल या वाउचर से किया जाएगा। यदि किसी प्रत्याशी के विवरण में विसंगति पाई जाती है, तो उनसे तत्काल स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। अधिकारियों ने यह भी बताया कि बैंक स्टेटमेंट और व्यय पंजी के आंकड़ों में समानता होना अनिवार्य है, अन्यथा इसे वित्तीय पारदर्शिता में कमी माना जा सकता है।

प्रशासन ने सुचारू व्यवस्था के लिए अलग-अलग स्थानों पर केंद्र बनाए हैं। चास नगर निगम के मेयर पद के उम्मीदवार और वार्ड संख्या 15 से 35 तक के पार्षद प्रत्याशी अनुमंडल कार्यालय, चास में अपना विवरण जमा करेंगे। वहीं, वार्ड संख्या 01 से 14 तक के पार्षद प्रत्याशियों को प्रखंड विकास पदाधिकारी कार्यालय, चास में रिपोर्ट करना होगा। फुसरो नगर परिषद के अध्यक्ष और सभी वार्ड प्रत्याशियों के लिए व्यय मिलान की व्यवस्था प्रखंड विकास पदाधिकारी कार्यालय, बेरमो में की गई है। प्रशासन ने सभी प्रत्याशियों से निर्धारित तिथि पर समय पर उपस्थित होकर इस संवैधानिक प्रक्रिया को पूर्ण करने की अपील की है।

बोकारो रक्तवीर परिवार को गयाजी में मिला प्रतिष्ठित भगत सिंह पुरस्कार

बोकारो : बोकारो जिले की अग्रणी सामाजिक संस्था बोकारो रक्तवीर परिवार की मानवीय सेवाओं को अब राष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ी पहचान मिली है। बिहार के गया जी में आयोजित राष्ट्रीय रक्तदाता अधिवेशन के दौरान इस संस्था को रक्तदान के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट और निःस्वार्थ योगदान के लिए प्रतिष्ठित भगत सिंह सम्मान से नवाजा गया। यह सम्मान बोकारो के उन समर्पित युवाओं के जज्बे पर मुहर लगाता है, जो दिन-रात जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की व्यवस्था करने में जुटे रहते हैं।

यह गौरवशाली क्षण तब और भी ऐतिहासिक हो गया, जब संस्था के प्रतिनिधि संजय शर्मा और विनय कुमार ने वीर क्रांतिकारी शहीद अमर चंद्रशेखर आज़ाद के परपोते अमित आज़ाद तिवारी एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे के कर-कमलों से यह पुरस्कार ग्रहण किया। सम्मान मिलने के बाद संस्था के सदस्यों ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह पुरस्कार बोकारो रक्तवीर परिवार के हर उस सदस्य को समर्पित है, जो एक फोन कॉल पर अस्पताल पहुंचकर जीवन दान देने के लिए तैयार रहते हैं।

उल्लेखनीय है कि बोकारो रक्तवीर परिवार न केवल नियमित रूप से रक्तदान शिविरों का आयोजन करता है, बल्कि जिले के थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों और आपातकालीन स्थितियों में फंसे मरीजों के लिए लाइफ-लाइन की भूमिका निभा रहा है। संस्था ने अपनी इस सफलता को उन सभी रक्तदाताओं का सम्मान बताया है, जो मानवता की सेवा में अपना निःस्वार्थ सहयोग देते हैं।

वसंतोत्सव में गूंजी शास्त्रीय और सुगम संगीत की तान, पं. अभिराम पाठक के गायन ने श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : आदर्श कोऑपरेटिव कॉलोनी में रविवार की शाम सुर और ताल के संगम से सराबोर रही। वरिष्ठ संगीतज्ञ पं. बच्चन जी महाराज के संयोजन में आयोजित वसंतोत्सव संगीत समारोह ने बोकारो के संगीत प्रेमियों को एक यादगार अनुभव प्रदान किया। कार्यक्रम में शास्त्रीय गायन से लेकर भक्ति गीतों और गजल तक की प्रस्तुतियों ने वातावरण को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना से भर दिया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि शिक्षाविद शिवेंद्र प्रसाद सिंह, विशिष्ट अतिथि प्रभा मोहनन नायर और अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्चन के साथ हुआ।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रांची से पधारे गया घराने के प्रख्यात गायक पंडित अभिराम पाठक रहे। अपनी सांगीतिक प्रतिभा का लोहा मनवा चुके प्रसिद्ध ध्रुपद-धमार गायक पंडित पाठक ने राग हमीर में धमार खेलत धमार नंद के लाल और राग केदार में जय जय हनुमान सुनाकर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके साथ पखावज पर पं. श्रवण कुमार पाठक और हारमोनियम पर पं. श्याम गोस्वामी ने जुगलबंदी कर समां बांध दिया। इससे पूर्व, स्थानीय और आमंत्रित कलाकारों में प्रभा मोहनन नायर ने कर्नाटक शैली, चंद्रकांत शर्मा ने राग मुल्तानी और अरुण पाठक ने मैथिली चैती व विद्यापति की रचनाओं से श्रोताओं का मन मोह लिया।

समारोह में बाल कलाकारों की भागीदारी भी विशेष रूप से सराहनीय रही। अक्षर राज, स्वपन कुमार, श्रीधर और आदित्य राज सहित अन्य नन्हे कलाकारों ने एकल तबला वादन से खूब प्रशंसा बटोरी। तबले पर राजू गोस्वामी और की-बोर्ड पर सदय कुमार झा की संगत ने शास्त्रीय बंदिशों और भजनों की प्रस्तुति में चार चांद लगा दिए। मुख्य अतिथि शिवेंद्र प्रसाद सिंह ने अपने संबोधन में संगीत को मानवीय संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण का सशक्त स्रोत बताया। उन्होंने पं. बच्चन जी महाराज के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि साधनों के अभाव के बावजूद संगीत के प्रचार-प्रसार में उनका योगदान अतुलनीय है।

इस अवसर पर एसबीआई के अधिकारी रितेश झा, संगीतज्ञ प्रसेनजीत शर्मा और बड़ी संख्या में संगीत-प्रेमी उपस्थित थे। वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि संगीत हमें सकारात्मकता की ओर ले जाता है और कलाकारों को ईर्ष्या-द्वेष से दूर रहकर गुणीजनों का सम्मान करना चाहिए। कार्यक्रम के संयोजक पं. बच्चन जी महाराज ने सभी का स्वागत करते हुए संकल्प दोहराया कि वे बोकारो में संगीत का बेहतर माहौल बनाने और स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के लिए ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखेंगे।

संथाली सांस्कृतिक कार्यक्रम में पारंपरिक गीत-नृत्य से झूमे उठे दर्शक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : कसमार प्रखंड के खैराचातर में आयोजित सात दिवसीय प्रहरी मेला के छठे दिन रविवार की रात संथाली सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केदला के सरना म्यूजिकल ग्रुप के कलाकारों ने टीम लीडर राजेश कुमार मुर्मू के नेतृत्व में पारंपरिक गीत-संगीत और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति देकर देर रात तक दर्शकों को बांधे रखा। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि देव ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, ओरमो के निदेशक डॉ अशोक कुमार देव ने फीता काटकर किया। सांस्कृतिक दल की कलाकार हेमंती कुमारी, रूपचंद मुर्मू, सुष्मिता कुमारी, सुनीता टुडू, सोनिया किस्कू, उर्मिला देवी, सोमी कुमारी मुर्मू, सुनीता मुर्मू, आंचल कुमारी, प्रभा कुमारी, सामंती कुमारी, रथू किस्कू और रंजीत हेंब्रम आदि ने झारखंडी संस्कृति से जुड़े गीतों पर एकल एवं समूह नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम को आकर्षक बना दिया। उनकी प्रस्तुति पर दर्शक देर रात तक झूमते रहे। इस दौरान मुख्य अतिथि डॉ अशोक देव ने स्वर्गीय जायसवाल के सामाजिक योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि किसी व्यक्ति को समाज द्वारा उसके निधन के बाद भी सम्मानपूर्वक याद किया जाना तभी संभव है, जब वह अपने जीवन में समाज और देश के हित में उल्लेखनीय कार्य करे। उन्होंने कहा कि प्रहरी मेला सामाजिक और सांस्कृतिक जागरूकता का एक महत्वपूर्ण मंच बन चुका है।

मौके पर बगदा पंचायत के पूर्व मुखिया विष्णुचरण महतो, इलेक्शर पब्लिक स्कूल, ओरमो के प्रबंधक संतोष कुमार, बरईकला पंचायत समिति प्रतिनिधि मनोज करमाली, मेला कमेटी के अध्यक्ष घनश्याम महतो, व्यवस्थापक रामसेवक जायसवाल व दीपक सवाल, कोषाध्यक्ष पंकज जायसवाल, संयोजक किशोर कांत, रमेश चंचल, विष्णु जायसवाल, राहुल महतो, यूनुस अंसारी, रोमेल अंसारी, प्रेमचंद महतो, अंकुश जायसवाल, विनीत जायसवाल, अभिषेक जायसवाल आदि मौजूद थे। संचालन पंकज जायसवाल ने किया।

कसमार : ईद, रामनवमी, सरहुल को लेकर शांति समिति की हुई बैठक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : कसमार थाना परिसर में सोमवार को ईद, रामनवमी, सरहुल व उर्स को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित हुई। अध्यक्षता कसमार सीओ नरेंद्र कुमार सिंह ने की। बैठक में प्रमुख नियोति दे, विधायक प्रतिनिधि मो शेरे आलम, बीडीओ नम्रता जोशी, जिला परिषद सदस्य अमरदीप महाराज, प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष दिलीप हेंब्रम एवं थाना प्रभारी कुंदन कुमार मुख्य रूप से उपस्थित थे। बैठक का संचालन शकुर अंसारी ने की। इस दौरान बैठक में रामनवमी जुलूस के लाइसेंसधारियों से एक एक कर वस्तुस्थिति की जानकारी ली गयी। बैठक में मौजूद अन्य सदस्यों ने शांति व सौहार्द पूर्वक जुलूस निकालने की बात कही। बैठक को संबोधित करते हुए सीओ नरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि हम सभी मिल जुलकर हर पर्व त्योहार का आनंद लेते हैं, यही तो हमारी एकता का सबसे अहम सूत्र है। हर हाल देश की एकता व अखंडता बरकरार रहे, इसके लिए प्रशासन, प्रतिनिधि से लेकर हर समुदाय सामाजिक एकता के लिए तत्पर रहे। उन्होंने कहा कि सरकारी गाइडलाइंस के अनुसार इन पर्व त्योहार व जुलूस में डीजे की अनुमति नहीं दी जाएगी। बीडीओ नम्रता जोशी ने कहा कि परंपरागत तय रुट और तय समय पर ही जुलूस निकालें और सभी इस बात का ख्याल रखें कि किसी की भावना को ठेस न पहुंचे। आपसी सौहार्द किसी भी हाल में न बिगड़े। जिला परिषद सदस्य अमरदीप महाराज एवं प्रमुख नियोति दे ने कहा डीजे का हर समाज एवं हर पर्व त्योहार में उपयोग बंद होना चाहिए, क्योंकि यह हार्ट मरीजों के स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत हानिकारक है। थाना प्रभारी कुंदन कुमार ने कहा कि सोशल मीडिया में अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कारवाई होगी। साइबर सेल सोशल मीडिया और निगरानी रखता है। किसी भी तरह की अफवाह से बचने की जरूरत है। बैठक में यदुनंदन जायसवाल, छोगालाल सिंह, प्रताप सिंह, मंटू रजवार, राजेंद्र महतो, घनश्याम महतो, इंद्रजीत पांडेय, दिलीप महतो, सुभाष चंद्र ठाकुर, धनंजय स्वर्णकार, नसरूल होदा, इरफान अंसारी, रुहूल होदा, महेश महतो, अशोक महतो, अखिलेश महतो, अविनाश चौबे, सूरज साव, कौशर आलम, बहाली करमाली, महानंद महतो, विष्णु जायसवाल, रामसाय हांसदा, राजेश कपरदार व अन्य दर्जनों लोग मौजूद थे।

बोकारो में नशे के सौदागरों पर कसेगा शिकंजा, एनकोर्ड कमेटी की बैठक में कोरियर कंपनियों और डाक विभाग को किया गया अलर्ट

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो जिले को नशामुक्त बनाने और मादक पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए जिला प्रशासन ने अपनी रणनीति और भी सख्त कर दी है। उपायुक्त अजय नाथ झा के निर्देश पर सोमवार को समाहरणालय में अपर समाहर्ता मुमताज अंसारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय नार्को समन्वय समिति (एनकोर्ड) की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार की गहन समीक्षा की गई और स्पष्ट किया गया कि समाज को खोखला करने वाले इस संगठित अपराध को जड़ से मिटाने के लिए प्रशासन अब जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करेगा।

अपर समाहर्ता ने ड्रग्स की सप्लाई चेन को पूरी तरह तोड़ने के लिए ड्रग इंस्पेक्टर, सभी एसडीपीओ और सिटी डीएसपी को आपसी समन्वय के साथ नियमित संयुक्त छापेमारी करने का आदेश दिया है। उन्होंने विशेष रूप से उन संवेदनशील इलाकों को चिन्हित करने का निर्देश दिया है, जहां नशीले पदार्थों की बिक्री या भंडारण की सूचनाएं अक्सर प्राप्त होती हैं। इसके साथ ही, तस्करी के नए और आधुनिक तरीकों पर लगाम लगाने के लिए डाक विभाग और जिले की सभी निजी कोरियर कंपनियों को भी हाई अलर्ट पर रखा गया है। उन्हें निर्देशित किया गया है कि वे संदिग्ध पार्सलों की विशेष निगरानी करें और किसी भी प्रकार की आशंका होने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें।

पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनावों की घोषणा को देखते हुए सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा घेरा और भी कड़ा करने का निर्णय लिया गया है। अपर समाहर्ता ने सभी चेक पोस्ट को सक्रिय करते हुए वाहनों की सघन तलाशी के निर्देश दिए हैं, ताकि बाहरी क्षेत्रों से होने वाली तस्करी पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। बैठक में न केवल दंडात्मक कार्रवाई, बल्कि युवाओं को जागरूक करने के लिए व्यापक अभियान चलाने पर भी जोर दिया गया। इस अवसर पर एसडीपीओ चास प्रवीण कुमार, सिटी डीएसपी आलोक रंजन और अन्य वरीय अधिकारियों ने भाग लिया और जिले में नशे के विरुद्ध इस साझा जंग को निर्णायक अंजाम तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता जताई।

डीएवी सेक्टर-4 में टेराकोटा-सिरेमिक कला कार्यशाला आयोजित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर-4 में सोमवार 16 मार्च 2026 को परीक्षा उपरांत विद्यार्थियों के कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशेष कलाकृति कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में कक्षा नर्सरी से दूसरी तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में बोकारो के स्थानीय शिल्पकारों ने बच्चों को टेराकोटा और सिरेमिक कला की बारीकियों से परिचित कराया तथा मिट्टी से कलाकृतियां बनाने की प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया।

कार्यशाला के दौरान शिल्पकारों ने बताया कि टेराकोटा और सिरेमिक कला के निर्माण के लिए तीन प्रकार की मिश्रित, लवण रहित और उच्च तापमान सहन करने वाली मिट्टी का उपयोग किया जाता है। उन्होंने मौके पर चाक के माध्यम से खिलौने, गिलास, धूपदानी, बोतल, कप और कलश जैसी कई कलाकृतियां बनाकर बच्चों को अलग-अलग समूहों में प्रशिक्षण दिया। बच्चों ने चाक घुमाने, मिट्टी गूंथने और सनी हुई मिट्टी से वस्तुएं तैयार करने की प्रक्रिया को उत्साह के साथ सीखा।

कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय के प्राचार्य एस.के. मिश्रा ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्राचार्य एस.के. मिश्रा ने कहा कि इस प्रकार की पारंपरिक कलाएं धीरे-धीरे विलुप्त होती जा रही हैं, जिन्हें ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों तक पहुंचाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ-साथ रचनात्मक गतिविधियों और कौशल विकास को भी बढ़ावा देना आवश्यक है। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

मॉर्निंग वॉक के दौरान सड़क हादसा, महिला की मौत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : सिटी थाना क्षेत्र में मॉर्निंग वॉक के दौरान एक महिला की सड़क हादसे में मौत हो गई। घटना उकरीद मोड़ के पास उस समय हुई जब अज्ञात वाहन की चपेट में आने से महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। मृतका की पहचान कोऑपरेटिव कॉलोनी निवासी शिला देवी के रूप में हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार शिला देवी सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए घर से निकली थीं। इसी दौरान उकरीद मोड़ के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे वह सड़क पर गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना की सूचना मिलते ही सिटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल महिला को तत्काल सदर अस्पताल पहुंचाया।

सदर अस्पताल में मौजूद डॉक्टरों ने जांच के बाद शिला देवी को मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि शिला देवी पिछले करीब एक महीने से नियमित रूप से सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए जाती थीं। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन सदर अस्पताल पहुंचे, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल था। पुलिस मामले की जांच करते हुए अज्ञात वाहन की पहचान करने में जुटी है।

बीएसएल के नौ रत्न सम्मानित, निदेशक प्रभारी ने सौंपा एग्जीक्यूटिव ऑफ द क्वार्टर अवार्ड

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) ने अपने उन कर्मठ अधिकारियों को सम्मानित किया है, जिन्होंने संयंत्र के उत्पादन, नवाचार और परिचालन उत्कृष्टता में असाधारण मिसाल पेश की है। एग्जीक्यूटिव ऑफ द क्वार्टर अवार्ड स्कीम के तहत आयोजित एक भव्य समारोह में निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर संयंत्र के विभिन्न अधिशासी निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक और वरीय अधिकारी उपस्थित रहे, जिन्होंने इस उपलब्धि को संगठन की सामूहिक प्रगति के लिए प्रेरणादायक बताया।

समारोह के दौरान बोकारो इस्पात संयंत्र और झारखंड ग्रुप ऑफ माइंस के कुल नौ अधिकारियों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा गया। पुरस्कृत होने वाले अधिकारियों में उप महाप्रबंधक (सीएंडआईटी) प्रभात कुमार सूर्या, सहायक महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट्स) मनोज कुमार सिंह, सहायक महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) पूनम त्रिपाठी, सहायक महाप्रबंधक (आरएमपी) सुसोम साहा और सहायक महाप्रबंधक (एसएमएस-2 एवं सीसीएस) आशीष रंजन का नाम प्रमुखता से शामिल है। इनके साथ ही वरीय प्रबंधक श्रेणी में ज्ञान प्रकाश आर्य (एचएम-यांत्रिकी), प्रतीक कुमार (डीएनडब्ल्यू), विशांत कुमार (सीआरएम-3) और चिकित्सा अधिकारी (केआईओएम) डॉ. के. वी. बी. वसंता रायडू को भी उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।

निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन ने सभी पुरस्कृत अधिकारियों और उनके परिजनों को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान व्यक्तिगत उत्कृष्टता के साथ-साथ संगठन की कार्य-संस्कृति को बेहतर बनाने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने जोर दिया कि उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि के साथ-साथ लागत नियंत्रण और नवाचार आज के समय की मांग है, जिसे ये अधिकारी बखूबी निभा रहे हैं। इस योजना का मुख्य उद्देश्य ही उन अधिकारियों को प्रोत्साहित करना है जो अपने असाधारण प्रयासों से संयंत्र के लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

समारोह में पुरस्कृत अधिकारियों ने अपनी ऊर्जा और प्रतिबद्धता दोहराते हुए भविष्य में भी इसी ऊर्जा के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रबंधक (मानव संसाधन) अभिषेक द्वारा किया गया और समारोह के अंत में उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) माला रानी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

यूपीएससी में धनबाद के शुभम कुमार महतो ने 142वीं रैंक हासिल कर बढ़ाया जिले का मान

- उपायुक्त ने सम्मानित करते हुए दिए उज्ज्वल भविष्य के लिए अनेक शुभकामनाएँ

धनबादः संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा घोषित सिविल सेवा परीक्षा परिणाम में धनबाद जिले के शुभम कुमार महतो ने 142वीं रैंक हासिल कर जिले एवं अपने परिवार का नाम गौरवान्वित किया है। इस अवसर पर उपायुक्त आदित्य रंजन ने सोमवार को शुभम कुमार महतो से मुलाकात कर उन्हें डायरी भेंट करते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए अनेक शुभकामनाएँ दी।

साथ ही इस दौरान शुभम कुमार महतो ने यूपीएससी सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों को संदेश देते हुए कहा कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो, सही रणनीति के साथ निरंतर मेहनत की जाए, तो सफलता अवश्य प्राप्त होती है। यह उनकी लगातार मेहनत और दृढ़ निश्चय का नतीजा है, जो उनके परिवार और पूरे जिले के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

गर्मी में संकट आने पर टैंकर से सप्लाई होगा पानी

धनबादः सोमवार को उपायुक्त आदित्य रंजन की अध्यक्षता में समाहरणालय के सभागार में जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक आयोजित की गई।

गर्मी में आम जनों को पानी का संकट नहीं हो, इसके लिए उपायुक्त ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को प्रखंड में एक टीम रखने का निर्देश दिया। साथ में मुखिया एवं पंचायत सचिव के साथ बैठक कर छोटी खराबी को स्थानीय मिस्त्री से संपर्क कर उसे ठीक करने का भी निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि गर्मी में हर पंचायत सचिवालय में एक पानी का टैंकर अनिवार्य रूप से उपलब्ध रखे। जहां पानी का संकट उत्पन्न होगा वहां टैंकर से पानी की सप्लाई सुनिश्चित करें। यह व्यवस्था शहरी एवं ग्रामीण, दोनों क्षेत्रों में लागू रहेगी।

इसके अलावा उन्होंने मौजूदा जल स्रोतों को बेहतर करने, पाइपलाइन इत्यादि को दुरुस्त रखने का भी निर्देश दिया।

बैठक में उपायुक्त आदित्य रंजन, उप विकास आयुक्त सन्नी राज, पीएचईडी 1 के कार्यपालक अभियंता रंजीत कुमार, पीएचईडी 2 के कार्यपालक अभियंता मुकेश कुमार मंडल, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी मौजूद थे।

धनबाद और रांची पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में प्रिंस खान के तीन गुर्गे घायल

एनकाउंटर में दो अपराधियों को पैर में लगी गोली, जबकि तीसरे का भागने के दौरान टूटा पैर

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः सोमवार की अहले सुबह धनबाद के पुटकी थाना क्षेत्र अंतर्गत भागाबांध ओपी इलाके में रांची और धनबाद पुलिस की संयुक्त कार्रवाई के दौरान कुख्यात अपराधी प्रिंस खान के तीन गुर्गे घायल हो गए। एनकाउंटर में दो अपराधियों को पैर में गोली लगी जबकि तीसरा अपराधी भागने के दौरान घायल होकर गिर पड़ा, जिससे उसका पैर टूट गया। घायलों में पलामू का अमन सिंह उर्फ कुबेर तथा धनबाद के विक्की डोम और अफजल उर्फ अमन है।

पुलिस के अनुसार ये सभी अपराधी हाल ही में रांची के एक होटल में हुई फायरिंग की घटना में शामिल थे और उसी मामले में रांची पुलिस इनकी तलाश कर रही थी। बताया जा रहा है कि रांची में 7-8 मार्च को एक होटल में फायरिंग की घटना हुई थी जिसके बाद से रांची पुलिस लगातार आरोपियों की धरपकड़ में जुटी हुई थी।

इसी क्रम में रांची पुलिस की टीम रविवार को धनबाद पहुंची और स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर एक संयुक्त टीम बनाई गई। गुप्त सूचना के आधार पर भागाबांध ओपी क्षेत्र के एक इलाके में कुछ अपराधियों के छिपे होने की जानकारी मिली जिसके बाद पुलिस ने इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। जैसे ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची अपराधियों ने फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की और दोनों ओर से कुछ देर तक गोलीबारी होती रही। इस मुठभेड़ में दो अपराधियों को गोली लगी जबकि एक अपराधी खंडहरनुमा मकान से भागने के दौरान घायल हो गया।

मामले की जानकारी देते हुए धनबाद एसएसपी प्रभात कुमार ने बताया कि अब तक की जानकारी के अनुसार तीन अपराधी घायल हुए हैं जबकि तीन अन्य अपराधियों के मौके से फरार होने की आशंका है। फरार अपराधियों की तलाश के लिए पुलिस की कई टीमें छापेमारी कर रही हैं।

एसएसपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि ये सभी अपराधी कुख्यात गैंगस्टर प्रिंस खान के गुर्गे हैं। पुलिस ने घटनास्थल से कई मोबाइल फोन, हथियार और संदिग्ध विस्फोटक सामग्री भी बरामद की है। बम जैसी संदिग्ध वस्तुएं मिलने के बाद फॉरेंसिक और बम निरोधक दस्ते को भी मौके पर बुलाया गया है ताकि पूरे इलाके की बारीकी से जांच की जा सके।

मुठभेड़ में घायल तीनों अपराधियों को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है और फरार अपराधियों की तलाश के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। एसएसपी ने कहा कि सर्च ऑपरेशन पूरा होने के बाद पूरे मामले का विस्तृत खुलासा किया जाएगा।

पीएम श्री योजना के अंतर्गत जिला स्तरीय एफएलएन मेला सह सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम का आयोजन

» भारत की संस्कृति को जानने और समझने का एक अच्छा प्रयास है यह आयोजनः उपायुक्त

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः सोमवार को पीएम श्री योजना के अंतर्गत जिला स्तरीय एफएलएन मेला सह सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम का आयोजन टाउन हॉल में किया गया। इस कार्यक्रम में 14 पीएम श्री विद्यालयों के 750 सौ बच्चों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उपायुक्त आदित्य रंजन, कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा, जिला शिक्षा अधीक्षक आयुष कुमार, अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी तथा अन्य ने समवेत रूप से किया।

एफएलएन मेला का आयोजन विद्यालय स्तर पर पहले ही किया जा चुका है, विद्यालय स्तर से चुने गए सर्वश्रेष्ठ टीएलएम को जिला स्तर पर प्रदर्शित किया गया, जिसमें पीएम श्री विवेकानंद सेवा आश्रम मध्य विद्यालय टुंडी को प्रथम पुरस्कार, उत्क्रमित उच्च विद्यालय डांगेपारा को द्वितीय पुरस्कार तथा उत्क्रमित उच्च विद्यालय दुमदुमी को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत सभी विद्यालयों को एक-एक राज्य आवंटित किया गया था, इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पीएम श्री कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय बलियापुर को बिहार की सभ्यता संस्कृति प्रस्तुत करने पर, द्वितीय स्थान पीएम श्री आदर्श मध्य विद्यालय राजगंज को बंगाल की सभ्यता संस्कृति बहुत प्रस्तुत करने पर तथा तृतीय पुरस्कार पीएम श्री पार्षद मध्य विद्यालय केसरकुराल को गोवा की सभ्यता संस्कृति प्रस्तुत करने पर मिला।

उपायुक्त आदित्य रंजन ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा यह अच्छा मंच है, बच्चों को और आगे बढ़ना चाहिए और खेल-खेल में सीखने के क्रम को आगे बढ़ाया जाना चाहिए। सांस्कृतिक कार्यक्रम के विषय में उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति को जानने और समझने का एक अच्छा प्रयास है। इसका संपूर्ण उपयोग किया जाना चाहिए।

जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह ने कहा कि दूर दराज के ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। पीएम श्री योजना ने उन्हें एक बहुत अच्छा मंच प्रदान किया है। एफएलएन मेला के टीएलएम को देखकर उन्होंने प्रसन्नता और संतोष व्यक्त किया।

जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा ने सभी बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि यह आरंभ है इसी प्रकार आगे बढ़ते जाना है। इस प्रकार के कार्यक्रमों से बच्चों के आत्मविश्वास में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। उन्होंने इसके लिए अपनी पूरी टीम शिक्षकों और छात्रों का धन्यवाद भी किया।

कार्यक्रम का संचालन सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी अशोक कुमार पांडे ने किया। इस अवसर पर झारखंड शिक्षा परियोजना के सभी पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

उपायुक्त ने किया आदर्श कुपोषण उपचार केंद्र का निरीक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः सोमवार को कोर्ट रोड स्थित आदर्श कुपोषण उपचार केंद्र का उपायुक्त आदित्य रंजन ने निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने आदर्श कुपोषण उपचार केंद्र का निरीक्षण किया। वर्तमान कुपोषण उपचार केंद्र के एक्सटेंशन में हो रहे कार्यों का जायजा लिया। साथ में शिशु गहन उपचार इकाई (पीआईसीयू), टीकाकरण केंद्र, मदर न्यूबॉर्न केयर यूनिट, प्रशिक्षण हॉल सहित अन्य का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त आदित्य रंजन के साथ सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ.संजीव कुमार प्रसाद मौजूद थे।

विद्यालयों में शैक्षणिक वातावरण बेहतर बनाने को लेकर शिक्षकों का प्रशिक्षण

» बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने और विद्यालय व्यवस्था सुधारने पर हुआ प्रशिक्षण
» नो कॉस्ट–लो कॉस्ट गतिविधियों से बेहतर होंगे विद्यालयः प्रशिक्षण में शिक्षकों को दी गई जानकारी

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः उपायुक्त आदित्य रंजन ने विद्यालयों में शैक्षणिक वातावरण को बेहतर बनाने तथा बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने के उद्देश्य से सोमवार को धनबाद के पॉलीटेक्निक संस्थान में विभिन्न प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों और प्रधानाध्यापक के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

प्रशिक्षण के दौरान विद्यालय की व्यवस्था को बेहतर बनाने, बच्चों को स्कूल आने के लिए प्रेरित करने तथा शिक्षण वातावरण को सकारात्मक बनाने के विभिन्न उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। शिक्षकों को बताया गया कि विद्यालय में आने वाले बच्चों का स्वागत करना, उनका जन्मदिन मनाना तथा विद्यालय में अपनापन का माहौल बनाना बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने में सहायक होगा।

प्रशिक्षण में नो कॉस्ट-लो कॉस्ट गतिविधियों पर विशेष जोर दिया गया। इसके लिए शिक्षकों को एक विशेष फॉर्म उपलब्ध कराया जाएगा, जिसके आधार पर विद्यालयों का आकलन किया जाएगा। जिले के लगभग 1700 विद्यालयों का मूल्यांकन किया जाएगा तथा जिन विद्यालयों को 90 से अधिक अंक प्राप्त होंगे उन्हें हाई असेसमेंट की श्रेणी में रखा जाएगा।

शिक्षकों को जिम्मेवारी पंजी रखने का भी निर्देश दिया गया, जिसमें विद्यालय से संबंधित सभी गतिविधियों एवं कार्यों का रिकॉर्ड संधारित किया जाएगा।

प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि प्रशिक्षण के लगभग दो महीने बाद विद्यालयों का एक सर्वे कराया जाएगा। सर्वे के दौरान नो कॉस्ट-लो कॉस्ट फॉर्म के आधार पर बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यालयों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा और उन्हें आगे और बेहतर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

मौके पर उपायुक्त आदित्य रंजन, जिला शिक्षा अधीक्षक आयुष कुमार, डीएमएफटी पीएमयू की टीम, तथा शिक्षक मौजूद रहें।

उपायुक्त व एसएसपी ने धनबाद पुलिस को मिले आधुनिक वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

» शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक मजबूत होगी कानून-व्यवस्था

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः राज्य सरकार द्वारा कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से धनबाद पुलिस को उपलब्ध कराए गए 40 महिन्द्रा बोलेरो वाहनों को सोमवार को पुलिस लाइन से उपायुक्त आदित्य रंजन तथा वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि धनबाद पुलिस के बेड़े में नए वाहनों के शामिल होने से पुलिस की कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। शहर के साथ-साथ सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में भी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूती मिलेगी।कहा कि जिला प्रशासन द्वारा पुलिस को आवश्यक संसाधन और सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं ताकि जिले में बेहतर कानून-व्यवस्था कायम रखी जा सके।

उन्होंने यह भी बताया कि जिले के प्रमुख चौक-चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने की योजना पर तेजी से काम चल रहा है। दुर्गा पूजा से पहले इन्हें स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है।

वहीं वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा राज्य के सभी जिलों को नए वाहन आवंटित किए गए हैं। इसी क्रम में धनबाद को 40 बोलेरो वाहन प्राप्त हुए हैं, जिन्हें विभिन्न थाना और अंचल कार्यालयों में तैनात किया गया है। इसके अतिरिक्त धनबाद पुलिस को 45 अपाचे मोटरसाइकिल भी उपलब्ध कराई गई हैं, जिनका उपयोग विशेष रूप से गश्त और त्वरित कार्रवाई के लिए किया जाएगा।

एसएसपी ने कहा कि सभी वाहनों के सही संचालन और रखरखाव के लिए संबंधित पदाधिकारियों और वाहन चालकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि इन वाहनों के माध्यम से पुलिस की पेट्रोलिंग और भी प्रभावी होगी, जिससे आम लोगों में सुरक्षा का भाव मजबूत होगा। किसी भी घटना या सूचना पर त्वरित कार्रवाई करने और जरूरतमंदों तक शीघ्र मदद पहुंचाने में भी इन वाहनों से काफी सहूलियत मिलेगी।

उन्होंने कहा कि आने वाले वित्तीय वर्ष में भी धनबाद पुलिस को और नए वाहन मिलने की संभावना है, जिससे पुलिस व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जा सकेगा।

इन थाना और पुलिस अंचल कार्यालयों को मिले वाहन की संख्याः राजगंज थाना 1, तोपचाँची थाना 1, बाघमारा थाना 1, हरिहरपुर थाना 1, कतरास थाना 1, निरसा थाना 1, पंचेत ओपी 1, टुण्डी थाना 1, पूर्वी टुण्डी थाना 1, पुलिस केन्द्र, धनबाद 1, गोविन्दपुर अंचल 1, जोड़ापोखर अंचल 1, सिन्दरी अंचल 1, केन्दुआडीह अंचल 1, कतरास अंचल 1, तोपचाँची अंचल 1, निरसा अंचल 1, महुदा अंचल 1, टुण्डी अंचल 1, चिरकुण्डा थाना 1, धनबाद थाना 2, सरायढेला थाना 2, बैंकमोड़ थाना 1, धनसार थाना 1, भूली ओपी 1, गोविन्दपुर थाना 1, बरवाअड्डा थाना 1, जोड़ापोखर थाना 1, झरिया थाना 1, बलियापुर थाना 1, पुटकी थाना 1, केन्दुआडीह थाना 1, जोगता थाना 1, लोयाबाद थाना 1, महुदा थाना 1, मधुबन थाना 1, तेतुलमारी थाना 1, बरोरा थाना को 1 वाहन प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण एसपी कपील चौधरी, नगर आयुक्त आशीष गंगवार, सिटी एसपी ऋतविक श्रीवास्तव, एसडीएम लोकेश बारांगे, डीएसपी मुख्यालय धीरेन्द्र नारायण बंका, एसडीपीओ बाघमारा पुरुषोत्तम कुमार सिंह, डीएसपी साइबर संजीव कुमार समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी और जवान उपस्थित थे।

धनबाद की डॉ.प्रियंका प्रियदर्शी बनी मिसेज ग्लोबल बिहार सीजन-12 (2026)

» सफलता केवल ताज पहनने में नहीं, बल्कि उस जिम्मेदारी को निभाने में है जो उस ताज के साथ आती हैः डॉ.प्रियंका प्रियदर्शी

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबाद / पटनाः बिहार की राजधानी पटना में आयोजित 'मिसेज ग्लोबल बिहार सीजन-12 (2026)' का धनबाद की रहने वाली प्रोफेसर डॉ.प्रियंका प्रियदर्शी ने ग्रैंड फिनाले जीता।

सौंदर्य और बुद्धिमत्ता का अद्भुत संगम मिसेज ग्लोबल बिहार सीजन-12 (2026) का ग्रैंड फिनाले केवल शालीनता का उत्सव नहीं था, बल्कि इसने आधुनिक महिलाओं की बौद्धिक शक्ति को भी सम्मानित किया। डॉ.प्रियंका प्रियदर्शी को 'मिसेज बिहार 2026' के ताज से नवाजा गया, जो "ब्यूटी विद ब्रेन्स" (सुंदरता और समझदारी) का एक सच्चा उदाहरण बनकर उभरीं।

पेजेंट के मंच से परे, डॉ.प्रियंका एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद हैं और पीके रॉय मेमोरियल कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। एक समर्पित पर्सनालिटी डेवलपर और करियर काउंसलर के तौर पर, उन्होंने 'ब्रांड एनसी' और 'नारी नीति फाउंडेशन' द्वारा आयोजित इस मंच का उपयोग यह दिखाने के लिए किया कि व्यावसायिक उत्कृष्टता और व्यक्तिगत शालीनता साथ-साथ चल सकते हैं।

डॉ.प्रियंका की सफलता की कहानी शिक्षा और ग्लैमर का अनोखा मेल है। अक्सर माना जाता है कि ग्लैमर और अकादमिक क्षेत्र दो अलग ध्रुव हैं, लेकिन डॉ.प्रियंका प्रियदर्शी ने इस धारणा को गलत साबित कर दिया है। पीके रॉय मेमोरियल कॉलेज में छात्रों का भविष्य संवारने वाली एक प्रोफेसर जब मिसेज बिहार के मंच पर उतरीं, तो उन्होंने न केवल अपनी मुस्कान से बल्कि अपने विचारों से भी सबका दिल जीत लिया।

सशक्तिकरण का नया चेहरा 'नारी नीति फाउंडेशन' के इस मंच पर डॉ.प्रियंका ने साबित किया कि एक महिला एक ही समय में एक गंभीर शिक्षक और एक आत्मविश्वास से भरी मॉडल हो सकती है। उनकी जीत यह संदेश देती है कि आत्मविश्वास ही असली श्रृंगार है। "शक्ति" राउंड में उनकी गरिमा देखने लायक थी।

एक करियर काउंसलर के रूप में उनका अनुभव उनके जवाबों में स्पष्ट रूप से झलका। वह बिहार की उन हज़ारों महिलाओं के लिए प्रेरणा हैं जो अपने करियर और सपनों के बीच संतुलन बनाना चाहती हैं।

इस कार्यक्रम में 10 फाइनलिस्टों ने "शक्ति" (कैजुअल राउंड) और टैलेंट शोकेस जैसे विभिन्न राउंड में प्रतिस्पर्धा की, जहाँ डॉ.प्रियंका के आत्मविश्वास और बुद्धिमत्ता ने अंततः उन्हें शीर्ष खिताब दिलाया।

सहियाओं के लिए प्रशिक्षण का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देश पर जिले के सभी प्रखंडों की सहियाओं के लिए सोमवार को डीआरडीए के सभागार, डीपीआरसी भवन, डीएफओ रेस्ट हाउस, बीबीएमकेयू, प्रखंड कार्यालय गोविंदपुर तथा सदर अस्पताल के एमटीसी ट्रेनिंग सेंटर में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर उपायुक्त ने सदर अस्पताल के एमटीसी ट्रेनिंग सेंटर का भ्रमण किया। उन्होंने सभी सहियाओं को बीटीटी की हर बात ध्यानपूर्वक सुनने तथा अपनी पूरी कार्यक्षमता से प्रशिक्षण प्राप्त करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने कहा कि स्वस्थ समाज के निर्माण में सहियाओं का महत्वपूर्ण योगदान है। वे महिला सशक्तिकरण में अग्रणी भूमिका निभा सकती है। बच्चों तथा माता की बेहतर देखभाल कर सकती है। वंचित वर्ग तक अपनी पहुंच बना सकती है।

सहियाओं को प्रसव-पूर्व गर्भवती महिला की देखभाल और जाँच, घर पर मुलाक़ात, माँ और शिशु की देखभाल, प्रसव के बाद की देखभाल, कुपोषण, सच्छता, विलेज हेल्थ न्यूट्रीशनल डे, अर्बन हेल्थ न्यूट्रीशनल डे, विभिन्न रजिस्टरों में एंट्री करना, सहिया एप का संचालन करना सहित अन्य विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

बिना सूचना पट्ट के हो रहा कंप्यूटर लैब भवन का निर्माण, गुणवत्ता पर उठे सवाल

साहिबगंज : जिला के राजमहल पीएम श्री मध्य विद्यालय नया बाजार में निर्माणाधीन कंप्यूटर लैब भवन के कार्य में अनियमितता को लेकर नगर पंचायत अध्यक्ष केताबुद्दीन शेख और उपाध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि मो. मारूफ उर्फ गुड्डू ने गहरी नाराजगी जताई है। दोनों जनप्रतिनिधियों ने निर्माण कार्य का निरीक्षण करने के दौरान पाया कि स्थल पर निर्माण से संबंधित कोई सूचना पट्ट नहीं लगाया गया है और कार्य की गुणवत्ता पर भी सवाल उठ रहे हैं।

नगर पंचायत अध्यक्ष केताबुद्दीन शेख ने कहा कि जिस भवन में बच्चे पढ़ाई करेंगे, वहां निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि यह सीधे तौर पर बच्चों के भविष्य से जुड़ा मामला है और अगर गुणवत्ता में कमी बरती जाती है तो इसका असर छात्रों की शिक्षा और सुरक्षा दोनों पर पड़ सकता है।

उपाध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि मो. मारूफ उर्फ गुड्डू ने भी कहा कि बिना सूचना पट्ट के निर्माण कार्य कराया जाना नियमों के विरुद्ध है। जब इस संबंध में प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी और विद्यालय के प्रधानाध्यापक से जानकारी ली गई तो उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि उन्हें इस निर्माण कार्य की विस्तृत जानकारी नहीं है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कार्य कर रही एजेंसी की ओर से भी निर्माण स्थल पर कोई सूचना पट्ट नहीं लगाया गया है, जिससे यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि कार्य किस एजेंसी द्वारा, किस लागत और किस विभाग की देखरेख में कराया जा रहा है।

दोनों जनप्रतिनिधियों ने कहा कि बच्चों के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने इस मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि निर्माण कार्य में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित अभियंता और एजेंसी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। इसके लिए विभाग को पत्राचार भी किया जाएगा।

ईवीएम वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा

गोड्डा : सोमवार 16 मार्च को जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त अंजली यादव की अध्यक्षता में पांडूबथान स्थित ईवीएम वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में वेयरहाउस में सुरक्षित रखी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और वीवीपैट की सुरक्षा व्यवस्था की विस्तृत जांच की गई।

निरीक्षण के क्रम में वेयरहाउस परिसर की सुरक्षा व्यवस्था, प्रवेश और निकास प्रणाली तथा निगरानी व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किया गया। इसके साथ ही सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से वेयरहाउस के अंदर और बाहर की निगरानी की स्थिति की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त अंजली यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ईवीएम की सुरक्षा से जुड़े सभी निर्धारित मानकों और दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त अंजली यादव ने संबंधित पदाधिकारियों को वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने और सीसीटीवी कैमरों, सुरक्षा उपकरणों तथा अभिलेखों की नियमित जांच करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी सह उप निर्वाचन पदाधिकारी वैद्यनाथ उरांव, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि और निर्वाचन शाखा के कर्मी मौजूद रहे।

बरहरवा स्टेशन के प्लेटफॉर्म-02 पर लगा चिल्ड वाटर कूलर, गर्मी में यात्रियों को मिलेगी राहत

साहिबगंज। मालदा रेलमंडल अंतर्गत बरहरवा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या दो पर यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ठंडे पेयजल (चिल्ड वाटर) की व्यवस्था की गई है। अब यात्रियों को गर्मी के मौसम में साफ और ठंडा पानी आसानी से उपलब्ध हो सकेगा, जिससे सफर के दौरान उन्हें काफी राहत मिलेगी। दैनिक यात्रियों की इस महत्वपूर्ण जरूरत को पूरा करने के लिए रेल प्रशासन का यह कदम सराहनीय माना जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, भीषण गर्मी को देखते हुए मालदा रेल मंडल की ओर से बरहरवा स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या दो पर नए वाटर कूलर लगाए गए हैं। कुछ दिन पहले रेलवे के अधिकारियों ने मुआयना के दौरान प्लेटफार्म संख्या एक व दो पर दो नए वाटर कूलर लगाने की बात कही थी।

पहले स्टेशन पर दिन के समय यात्रियों की संख्या अधिक होने के कारण एक ही नल पर लंबी कतार लग जाती थी, जिससे लोगों को काफी परेशानी होती थी। लेकिन नए वाटर कूलर लगने के बाद यात्रियों को काफी सहूलियत मिल रही है और उन्हें आसानी से ठंडा पेयजल उपलब्ध हो रहा है।

यात्रियों ने रेल प्रशासन के इस कदम की सराहना करते हुए उम्मीद जताई है कि आने वाले समय में स्टेशन पर यात्रियों के लिए और भी बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

प्रखण्ड स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित

» कड़ी फटकार लगाते हुए पंचायत सचिव का वेतन अगले आदेश तक स्थगित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमका:प्रखण्ड सभागार भवन में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, रानीश्वर राजेश कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में प्रखण्ड स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित किया गया।सर्वप्रथम आगामी गर्मी को देखते हुए ग्रामीणों के पेयजल समस्या समाधान हेतु सभी पंचायत सचिव को अविलंब खराब जलमीनार एवं चापाकल को 15वीं वित्त अन्तर्गत आबद्ध मद से प्राक्कलन तैयार कर नियमानुसार मरम्मति कराने का निदेश दिया गया। पंचायत तालडंगाल एवं आसनबनी द्वारा 15वीं० वित्त आयोग अन्तर्गत क्रियान्वित योजनाओं के विपत्र से काटी रॉयल्टी एवं लेवर सेस को जमा नहीं करने पर उन्हें कड़ी फटकार लगाते हुए संबंधित पंचायत सचिव का वेतन अगले आदेश तक स्थगित किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2016-2022 तक लंबित 93 आवासों को पूर्ण करने का निदेश संबंधित पंचायत सचिव को दिया गया। साथ ही पी०एम०जनमन० एवं अबुआ आवास योजना अन्तर्गत लंबित आवासों को लक्ष्य के अनुरूप 24 मार्च तक पूर्ण करने का निदेश दिया गया। स्वास्थ्य विभाग अन्तर्गत आयुष्मान कार्ड का शत प्रतिशत के०वाई०सी० कराने का निदेश संबंधित चिकित्सा पदाधिकारी को दिया गया। इसके अतिरिक्त कृषि विभाग की समीक्षा में पाया गया कि प्रखण्ड रानीश्वर अन्तर्गत क्रॉप सर्वे की प्रगति काफी कम है, जिसे अविलंब प्रगति लाने हेतु ए०टी०एम० को निदेशित किया गया, साथ ही अनुपस्थित बी०टी०एम० से स्पष्टीकरण किया गया। मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना अन्तर्गत वैसे लाभुक अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति / पिछड़ा वर्ग / अल्पसंख्यक जो पिछले छह माह के अन्दर किसी भी अस्पताल में भर्ती हो तो वैसे लाभुक की सूची कार्यालय में समर्पित करने का निदेश पंचायत सचिव को दिया गया। प्रखण्ड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को निदेशित किया गया कि कक्षा 1 एवं 2 के वैसे छात्र जिनका जन्म प्रमाण पत्र नहीं बना है उसकी सूची कार्यालय को अविलंब जमा करने का निदेश दिया गया। साथ ही बालिका विद्यालय में खराब पड़े शौचालय की सूची तैयार कर अविलंब कार्यालय में जमा करने का निदेश दिया गया।उक्त बैठक में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी, प्रखण्ड कल्याण पदाधिकारी, प्रखण्ड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी रानीश्वर, प्रभारी सहायक प्रबंधक गोदाम, प्रधान सहायक, प्रखण्ड समन्वयक आवास, सभी पंचायत सचिव आदि उपस्थित थे।

गंगा-जमुनी तहजीब हमारी पहचान, इसे हर हाल में रखें कायमः ओपी प्रभारी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पाकुड़ः आगामी ईद, रामनवमी एवं सरहुल पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर मालपहाड़ी ओपी परिसर में सोमवार को शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक का नेतृत्व ओपी प्रभारी राहुल कुमार गुप्ता ने किया।बैठक में शांति समिति के सदस्य, विभिन्न पंचायतों के मुखिया, वार्ड सदस्य, सभी समुदाय के लोग एवं क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस दौरान ओपी प्रभारी राहुल कुमार गुप्ता ने त्योहारों के दौरान शांति और भाईचारा बनाए रखने को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि सभी लोग मिल-जुलकर त्योहार मनाएं और किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक खबरों से दूर रहें। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट से बचने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की। साथ ही जुलूस और धार्मिक कार्यक्रमों को प्रशासन द्वारा निर्धारित मार्ग और समय के अनुसार ही आयोजित करने का निर्देश दिया।क्षेत्र के लोगों ने भी ओपी प्रभारी की सक्रियता और सजग पहल की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में क्षेत्र में शांति और कानून व्यवस्था मजबूत बनी हुई है। लोगों ने भरोसा जताया कि प्रशासन के सहयोग से सभी त्योहार शांतिपूर्ण माहौल में मनाए जाएंगे।

जिला पशु मेला में किसानों को आधुनिक पशुपालन की जानकारी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोड्डा : जिला गव्य कार्यालय परिसर में सोमवार 16 मार्च को जिला स्तरीय पशु मेला-सह-प्रदर्शनी एवं परिसंपत्ति वितरण समारोह 2026 आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पशुपालकों को आधुनिक पशुपालन तकनीकों से अवगत कराना और सरकारी योजनाओं के माध्यम से उन्हें प्रोत्साहित करना था। मेले में लगाए गए विभिन्न स्टॉलों के माध्यम से पशुपालकों को उन्नत नस्ल के पशुओं के पालन-पोषण, पशु स्वास्थ्य प्रबंधन, टीकाकरण, संतुलित आहार और डेयरी विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं।

कार्यक्रम में मौजूद विशेषज्ञों और पशु चिकित्सकों ने पशुपालकों को वैज्ञानिक पद्धति से पशुपालन अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक और बेहतर प्रबंधन के जरिए पशुपालन किसानों की आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बन सकता है। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत चयनित लाभुकों के बीच दुग्ध उत्पादन बढ़ाने से जुड़े उपकरण, पशुपालन सामग्री और अन्य परिसंपत्तियों का वितरण भी किया गया, ताकि वे स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ सकें।

पशु प्रदर्शनी में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए पशुपालकों ने अपने उन्नत नस्ल के पशुओं का प्रदर्शन किया, जिनमें उत्कृष्ट पशुओं के चयन के बाद पशुपालकों को पुरस्कृत भी किया गया। कार्यक्रम में जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ. मनोज कुमार सिंह, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. रवि शंकर, जिला गव्य विकास पदाधिकारी अरविंद कुमार सहित विभागीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं और बड़ी संख्या में पशुपालक मौजूद रहे।

जेल में बंद कैदी की तबीयत बिगड़ने से सदर अस्पताल कैदी वार्ड में इलाज के दौरान बंदी की मौत।

मृतक का फोटो

सदर अस्पताल का कैदी वार्ड

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज : मण्डल कारा में बंद एक कैदी की आज साहिबगंज सदर अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई. बरहेट थाना क्षेत्र के बरहेट सोनाजोरी का रहने वाला मोहम्मद नईम को चोरी के एक मामले में बरहेट पुलिस ने 13 मार्च को गिरफ्तार कर जेल भेजा था. मोहम्मद नईम चोरी के मामले में वारंटी था. उनके विरुद्ध जी आर no -433/18 था. जिस मामले में वारंट इस्सू था. जेल में 15 मार्च को तबियत बिगड़ने पर साहिबगंज के सदर अस्पताल के कैदी वार्ड में भर्ती कराया गया. जहाँ इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई. सदर अस्पताल उपाधिक्षक डॉ देवेश कुमार बताते हैं की 15 मार्च को कैदी को सदर अस्पताल लाया गया. शुरू से मरीज की हालत गंभीर थी.हमारे डॉ द्वारा जाँच कर बाहर ले जाने की सलाह देते हुए रेफर कर दिया था.लेकिन उसके बाद भी नहीं ले जाया गया और आज उसकी मौत हो गई.बहरहाल कैदी के गिरफ्तारी के बाद तीन दिन के अंदर ऐसा क्या हुआ की कैदी की मौत हो गई. यह एक जांच का विषय हैं. इस मामले में कोई भी कुछ बोलने से परहेज करते नज़र आ रहे हैं.

बासकी टुडू मजिस्ट्रेट

डॉ देवेश कुमार

सूक्ष्म टपक सिंचाई से बदली कोनिका दीदी की तकदीर, खेती से बनीं आत्मनिर्भर

» महिलाएं आत्मनिर्भर बनें, यही सरकार की प्राथमिकताः डीसी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

मो० काजीरूल शेख : **पाकुड़**ः महेशपुर प्रखंड के सीतारामपुर गांव की रहने वाली कोनिका कोड़ाइन ने आधुनिक तकनीक से खेती कर न केवल अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत की है, बल्कि क्षेत्र की महिलाओं और किसानों के लिए प्रेरणा भी बन गई हैं। कभी साधारण गृहिणी के रूप में घर और पारंपरिक खेती तक सीमित रहने वाली कोनिका दीदी आज सूक्ष्म टपक सिंचाई तकनीक के जरिए सफल किसान के रूप में पहचान बना चुकी हैं।वर्ष 2021 में गांव में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान वे दीदी सागेन साकाम आजीविका सखी मंडल से जुड़ीं। स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने नियमित बचत शुरू की और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम बढ़ाया। इसके बाद उन्हें झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) के अंतर्गत संचालित जापान इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन एजेंसी (JICA) परियोजना से जोड़ा गया, जिसके तहत उन्हें सूक्ष्म टपक सिंचाई यंत्र, बर्मी कम्पोस्ट यूनिट और पॉली नर्सरी हाउस उपलब्ध कराया गया।शुरुआत में इस नई तकनीक पर उन्हें संदेह था, लेकिन जेएसएलपीएस द्वारा रांची के ओरमांझी और अनगड़ा प्रखंड में प्रगतिशील किसानों के खेतों का भ्रमण कराने के बाद वे प्रेरित हुईं और आधुनिक तरीके से खेती शुरू करने का निर्णय लिया।कोनिका दीदी ने सबसे पहले अपने 25 डिसमिल भूमि पर सूक्ष्म टपक सिंचाई के माध्यम से तरबूज की खेती की, जिससे उन्हें करीब 47,400 रुपये की शुद्ध आय हुई। इस सफलता से उत्साहित होकर उन्होंने खेती का दायरा बढ़ाया। जनवरी 2026 में उन्होंने अपने एक एकड़ खेत में सूक्ष्म टपक सिंचाई तकनीक से तरबूज और खीरा की खेती शुरू की।वर्तमान में खीरे की तुड़ाई शुरू हो चुकी है। अब तक वे लगभग 5 क्विंटल खीरा मुरारई और नलहट्टी बाजार में औसतन 65 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से बेचकर करीब 32,500 रुपये की आमदनी कर चुकी हैं। आने वाले समय में इस फसल से 1 से 1.20 लाख रुपये तक आय होने की संभावना है। वहीं तरबूज की फसल में भी फूल आना शुरू हो गया है, जिससे अच्छी पैदावार की उम्मीद जताई जा रही है।कोनिका दीदी की सफलता की कहानी आज क्षेत्र के किसानों और ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई है। उनकी कहानी यह साबित करती है कि सही मार्गदर्शन, आधुनिक तकनीक और दृढ़ संकल्प के साथ खेती को लाभकारी बनाया जा सकता है।अपनी सफलता पर कोनिका दीदी ने जेएसएलपीएस और जेआईसीए परियोजना के प्रति आभार जताते हुए कहा कि समूह से जुड़ने, प्रशिक्षण और तकनीकी सहयोग के कारण ही वे आज आत्मनिर्भर बन पाई हैं।

नगर थाना पुलिस ने मारपीट मामले में 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंजः नगर थाना क्षेत्र की पुलिस ने बीते दिनों 3 फरवरी 2026 को थाना क्षेत्र के रसूलपुर दहला में दो पक्षों के बीच हुए मारपीट मामले में शामिल 3 आरोपियों को सोमवार को गिरफ्तार करने के बाद सभी का मेडिकल जांच करवाने के लिए सदर अस्पताल लेकर आई। जहां सदर अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. केशव कृष्णा ने फौरन तीनों आरोपियों का बारी बारी से मेडिकल जांच किया जिसके बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। वही मामले को लेकर नगर थाना के एएसआई बाबूधन ने बताया कि थाना कांड संख्या 17/26 के आरोपी आकाश कुमार रिखियासन उम्र 22 वर्ष पिता परदेशी रिखियासन घर रसूलपुर दहला से गिरफ्तार किया गया है। वही थाना कांड संख्या 18/26 के आरोपी जीतन दास उम्र 22 वर्ष पिता मंकर दास एवं मनोज कुमार दास उम्र 25 वर्ष पिता स्व. बलदेव दास दोनों साकीन रसूलपुर दहला को भी गिरफ्तार करने के बाद जेल भेज दिया गया है। आगे उन्होंने बताया कि आपसी मारपीट मामले में दोनों पक्षों के युवकों ने एक दूसरे के खिलाफ नगर थाना में केस दर्ज कराई थी जिसमें तीनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

बेमौसम बारिश से रबी फसल तबाह, त्रिकोणी गांव में मिट्टी का घर गिरा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

मो० काजीरूल शेख : **पाकुड़**ः लिट्टीपाड़ा प्रखंड क्षेत्र में रविवार देर रात आई तेज आंधी और बेमौसम बारिश ने किसानों और ग्रामीणों को भारी नुकसान पहुंचाया। एक ओर जहां खेतों में खड़ी रबी फसलें धराशायी हो गईं, वहीं त्रिकोणी गांव में एक कच्चा घर भी ढह गया। हालांकि घर गिरने से पहले परिवार के लोग बाहर निकल गए, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

जानकारी के अनुसार तेज हवा और मूसलाधार बारिश के कारण खेतों में खड़ी गेहूं की फसल पूरी तरह गिर गई है। किसानों के अनुसार गेहूं की फसल पककर तैयार थी और कुछ ही दिनों में कटाई शुरू होने वाली थी, लेकिन अचानक बदले मौसम ने महीनों की मेहनत पर पानी फेर दिया। कई खेतों में गेहूं की बालियां जमीन पर बिछ गई हैं, जिससे उपज पर गंभीर असर पड़ने की आशंका है। इसके अलावा सरसों और चना की फसल को भी भारी नुकसान पहुंचा है।

लेटबाड़ी और बलरामपुर के किसान सुषेण मंडल, दीनानाथ मंडल, गणेश मंडल, श्रवण मंडल और मोहन साहा ने बताया कि इस वर्ष अच्छी पैदावार की उम्मीद थी, लेकिन अचानक आई आंधी-बारिश ने उनकी उम्मीदों को तोड़ दिया। खेतों में गिरी फसल को संभालना अब मुश्किल हो गया है, जिससे भारी आर्थिक नुकसान की आशंका है। प्रभावित किसानों ने प्रशासन से फसल क्षति का सर्वे कराकर उचित मुआवजा देने की मांग की है।

इधर, बांडू पंचायत के त्रिकोणी गांव में तेज आंधी के कारण सोम किस्कू का मिट्टी और टीन से बना कच्चा घर पूरी तरह ढह गया। बताया जाता है कि देर रात अचानक तेज हवा के साथ बारिश शुरू हुई और देखते ही देखते आंधी ने विकराल रूप ले लिया। घर गिरने की आहट मिलते ही परिवार के सदस्य समय रहते बाहर निकल आए, जिससे किसी प्रकार की जान-माल की क्षति नहीं हुई।पीड़ित सोम किस्कू ने बताया कि घर गिरने से अनाज, बर्तन और अन्य जरूरी घरेलू सामान नष्ट हो गया है। इस आपदा में उन्हें हजारों रुपये का नुकसान हुआ है और अब उनके पास रहने के लिए कोई सुरक्षित स्थान नहीं बचा है। फिलहाल पूरा परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर है। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से राहत और मदद की गुहार लगाई है।

जिला स्तरीय एक दिवसीय पशु मेला-सह-प्रदर्शनी का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमकाः जिला पशुपालन कार्यालय, दुमका के प्रांगण में सोमवार को एक दिवसीय जिला स्तरीय पशु मेला-सह-प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन उपायुक्त अभिजीत सिन्हा द्वारा किया गया। इस अवसर पर सहायक समाहर्ता, जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी सहित जिले के सभी पशु चिकित्सा पदाधिकारी उपस्थित थे।इस अवसर पर पशुपालकों को पशुपालन से संबंधित विभिन्न योजनाओं, आधुनिक तकनीकों तथा जीविकोपार्जन के अवसरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।साथ ही गौ पालकों को सेक्स सॉर्टेड सीमेन तकनीक के बारे में विशेष रूप से जागरूक किया गया, जिससे लगभग 90 से 100 प्रतिशत तक बाछी (मादा बछड़ा) के जन्म की संभावना बढ़ जाती है।कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त ने लाभुकों से संवाद भी किया। रामगढ़ प्रखंड के दिव्यांग लाभुक परमेश्वर महतो ने बताया कि लगभग 5 वर्ष पूर्व उन्हें योजना के तहत 4 बकरी एवं 1 बकरा प्राप्त हुआ था। उन्होंने बताया कि अपनी लगन और मेहनत से आज उन्होंने इसे बढ़ाकर कुल 29 बकरियों तक पहुंचा लिया है, जिससे उन्हें आर्थिक रूप से काफी सहयोग मिला और उनके जीवन स्तर में सुधार हुआ है। उपायुक्त ने इसे एक प्रेरणादायक उदाहरण बताते हुए अन्य लाभुकों से भी इससे सीख लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही परिसंपत्तियों को अपनी संपत्ति समझते हुए उसका समुचित उपयोग करें और उसे आगे बढ़ाकर अपनी आजीविका को सशक्त बनाएं। साथ ही उन्होंने कहा कि पशुपालन को अपनाकर ग्रामीण क्षेत्र के लोग आत्मनिर्भर बन सकते हैं और अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं।कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त द्वारा मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना (वित्तीय वर्ष 2025-26) के अंतर्गत लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। इसके अंतर्गत प्रखंड रामगढ़ में बत्तख चूजा वितरण योजना (30) के तहत 11 यूनिट, ब्रायलर कुक्कुट पालन योजना (500) का 1 यूनिट तथा दो गाय की योजना के 2 यूनिट वितरित किए गए। प्रखंड दुमका में पाँच गाय की योजना के 2 यूनिट एवं दो गाय की योजना के 5 यूनिट लाभुकों को दिए गए। प्रखंड सरैयाहाट में पाँच गाय की योजना का 1 यूनिट तथा बकरा विकास योजना (8+2) का 1 यूनिट वितरित किया गया। वहीं प्रखंड मसलिया में बत्तख चूजा वितरण योजना (30) के 10 यूनिट तथा बकरा विकास योजना (8+2) के 5 यूनिट लाभुकों के बीच वितरित किए गए।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

सोच प्रतिबिंबित हुई

मार्क कार्नी की सोच है कि जब बड़ी ताकतें अंतरराष्ट्रीय व्यवहार के कायदों को ठोकर मार रही हैं, मध्यम दर्जे की ताकतों को आपस में मिलकर अपने हितों की रक्षा करनी चाहिए। भारत यात्रा में उनकी ये सोच प्रतिबिंबित हुई।

मार्क कार्नी की भारत यात्रा का सार है कि नए हालात के बीच भारत और कनाडा ने अपने रिश्तों में फंसे कांटे को निकाल कर आगे की दिशा तय की है। कनाडा के प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान तीन प्रमुख फैसले हुए। इसके तहत कनाडा 2.6 बिलियन डॉलर के यूरेनियम की आपूर्ति करने पर राजी हुआ है, दोनों देशों ने इस वर्ष के अंत तक व्यापक आर्थिक सहभागिता समझौते को अंतिम रूप देने का लक्ष्य तय किया है, और उन्होंने 2030 तक आपसी व्यापार को (पिछले साल के 23 बिलियन डॉलर से बढ़ा कर) 30 बिलियन डॉलर तक ले जाने का इरादा जताया है।

जिस दौर में व्यापार की पुरानी व्यवस्थाएं टूट चुकी हैं, दोनों देशों का अपने संबंध के व्यापारिक पहलुओं पर इस तरह ध्यान केंद्रित करना लाजिमी ही है। इसके पहले मार्क कार्नी अपनी यह सोच सामने रख चुके हैं कि जब बड़ी ताकतें अंतरराष्ट्रीय व्यवहार के कायदों को ठोकर मार रही हैं, तब मध्यम दर्जे की ताकतों को आपस में मिलकर अपने हितों की रक्षा करनी चाहिए। भारत यात्रा के दौरान उनकी ये सोच प्रतिबिंबित हुई। मगर ऐसे संकेत भी मिले कि कांटा निकलने के बावजूद उससे हुआ जख्म अभी पूरी तरह भरा नहीं है। कार्नी की यात्रा के दौरान ही कनाडा की खुफिया एजेंसियों ने सिख आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय अधिकारियों के कथित हाथ से संबंधित सूचनाएं फिर मीडिया को लीक कीं।

उधर ये खबर भी चर्चित हुई कि कनाडा के नागरिक एक अन्य सिख चरमपंथी को उसकी जान का खतरा होने को लेकर आगाह किया गया है। इन खबरों को लेकर कनाडाई खुफिया एजेंसी के इरादों पर कूटनीतिक हलकों में कयास लगते रहे। सवाल उठा कि क्या कनाडा के सरकारी दायरे में कुछ ताकतें भारत से अपने देश के सुधरते संबंध को लेकर खुश नहीं हैं? जिस समय भारत और कनाडा ने पुरानी बातों को भूल कर आगे बढ़ने का फैसला किया है, दोनों देशों की सरकारों को ऐसी कोशिशों से सावधान रहना होगा। उन्हें दोनों देशों को जोड़ने वाले पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करना होगा, जिनमें भारतीय प्रवासी एक महत्त्वपूर्ण कड़ी हैं।

दो टूक- गैस की कतारों से उठते सवाल: कितनी सुरक्षित है भारत की ऊर्जा व्यवस्था?

योगेश कुमार गोयल

मध्य-पूर्व में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच छिड़े संघर्ष ने दुनिया को एक बार फिर यह याद दिला दिया है कि आधुनिक वैश्विक अर्थव्यवस्था की नसों में बहने वाली ऊर्जा कितनी असुरक्षित है। होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव और समुद्री आवागमन के ठप होने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में गहरा व्यवधान पैदा हुआ है, जिसका सबसे तीखा असर भारत जैसे आयात-निर्भर देशों पर दिखाई दे रहा है। भारत में रसोई गैस अर्थात एलपीजी का संकट संसद से लेकर सड़क तक चर्चा का विषय बन गया है। देश के अनेक शहरों में गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें लग रही हैं, कमर्शियल सिलेंडरों की किल्लत के कारण होटल-रेस्टोरेंट बंद हो रहे हैं और कालाबाजारी के समाचार निरंतर सामने आ रहे हैं। यह स्थिति केवल अस्थायी आपूर्ति बाधा का मामला नहीं है बल्कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा की संरचनात्मक कमजोरियों को उजागर करने वाला गंभीर संकेत है।

वैश्विक ऊर्जा मानचित्र में होर्मुज जलडमरूमध्य की भूमिका अत्यंत निर्णायक है। फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला यह लगभग 21 मील चौड़ा समुद्री मार्ग दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा 'चोकपॉइंट' माना जाता है। वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत इसी संकरे मार्ग से होकर गुजरता है। सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और इराक जैसे बड़े ऊर्जा निर्यातक देश अपने तेल और गैस के विशाल भंडार को दुनिया के बाजारों तक पहुंचाने के लिए इसी मार्ग पर निर्भर हैं। ऐसे में जब इस क्षेत्र में युद्ध या सैन्य तनाव बढ़ता है तो पूरी दुनिया की ऊर्जा व्यवस्था अस्थिर हो जाती है। वर्तमान संघर्ष ने भी यही किया है। ईरान द्वारा होर्मुज क्षेत्र में समुद्री गतिविधियों को सीमित करने और जहाजों पर संभावित हमलों की चेतावनी ने कई टैंकरों को रोक दिया है, जिससे एलपीजी और एलएनजी के जहाज समुद्र में फंस गए हैं और आयात पर निर्भर देशों को बड़ा झटका लगा है।

भारत के लिए यह संकट इसलिए अधिक गंभीर है क्योंकि देश की ऊर्जा संरचना में एलपीजी की भूमिका पिछले एक दशक में अत्यधिक बढ़ गई है। भारत आज हर वर्ष लगभग 3 करोड़ टन से अधिक एलपीजी का उपभोग करता है लेकिन घरेलू उत्पादन इस मांग का आधा हिस्सा भी पूरा नहीं कर पाता। शेष आवश्यकता खाड़ी देशों से आयात करके पूरी की जाती है। अनुमान है कि भारत में आने वाली एलपीजी का 80 से 90 प्रतिशत हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर ही गुजरता है। यही कारण है कि जैसे ही इस मार्ग में व्यवधान आया, उसका सबसे पहला और सबसे तेज असर भारत की रसोई पर दिखाई देने लगा। यह एक कठोर सच्चाई है कि भारतीय परिवारों की ऊर्जा सुरक्षा काफी हद तक एक संकरे समुद्री मार्ग पर निर्भर है। इसी संकट के दौरान पैट्रोल और डीजल की उपलब्धता अपेक्षाकृत सामान्य बनी हुई है। पैट्रोल पंपों पर न तो लंबी कतारें दिखाई दे रही हैं और न ही कीमतों में अचानक उछाल आया है। इसका कारण यह है कि भारत ने पिछले वर्षों में कच्चे तेल की आपूर्ति को लेकर अपेक्षाकृत अधिक लचीला ढांचा विकसित किया है। आज भारत 40 से अधिक देशों से कच्चा तेल आयात करता है और रूस, अमेरिका तथा अफ्रीका के कई देशों से आने वाला तेल ऐसे मार्गों से भारत पहुंचता है, जो होर्मुज पर निर्भर नहीं हैं। इसके अतिरिक्त भारत के पास रणनीतिक पैट्रोलियम भंडार भी मौजूद हैं, जिनमें आपातकालीन परिस्थितियों के लिए लाखों बैरल कच्चा तेल संरक्षित किया जाता है। इन भंडारों और विविध आपूर्ति स्रोतों के कारण पैट्रोल और डीजल की उपलब्धता तुरंत प्रभावित नहीं होती।

इसके विपरीत एलपीजी के मामले में स्थिति बिल्कुल अलग है। एलपीजी को तरल रूप में सुरक्षित रखने के लिए अत्यधिक दबाव और विशेष टैंकों की आवश्यकता होती है, जिसके कारण बड़े पैमाने पर इसका भंडारण करना महंगा और तकनीकी रूप से जटिल होता है। यही कारण है कि भारत के पास एलपीजी का कोई बड़ा सामरिक भंडार नहीं है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, देश में एलपीजी का जो सीमित भंडार है, वह मुश्किल से दो-तीन दिन की खपत के बराबर ही है। परिणामस्वरूप जैसे ही आयात में थोड़ी भी बाधा आती है, उसका असर तुरंत बाजार और घरेलू उपभोक्ताओं पर दिखाई देने लगता है। यही वह संरचनात्मक कमजोरी है, जिसने मौजूदा संकट को गहरा बना दिया है। इस संकट का एक दूसरा पहलू भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पिछले दशक में 'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' के माध्यम से करोड़ों गरीब परिवारों तक रसोई गैस पहुंचाई गई है। इस योजना ने ग्रामीण महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाने और स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्ष 2014 में जहां देश में एलपीजी कनेक्शनों की संख्या लगभग 14 करोड़ थी, वहीं आज यह बढ़कर 33 करोड़ से अधिक हो चुकी है। यह सामाजिक दृष्टि से अत्यंत सकारात्मक परिवर्तन है किंतु इसका अर्थ यह भी है कि भारत की घरेलू ऊर्जा व्यवस्था अब एलपीजी के निरंतर प्रवाह पर पहले से कहीं अधिक निर्भर हो गई है। जब इस प्रवाह में व्यवधान आता है तो उसका प्रभाव करोड़ों परिवारों के दैनिक जीवन पर पड़ता है। संकट का असर केवल घरेलू रसोई तक सीमित नहीं है। उद्योग, होटल, रेस्टोरेंट, छोटे व्यवसाय और खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां भी बड़े पैमाने पर एलपीजी और प्राकृतिक गैस पर निर्भर हैं। जब आपूर्ति सीमित होती है तो सबसे पहले इन्हीं क्षेत्रों की गैस आपूर्ति घटाई जाती है ताकि घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी जा सके। परिणामस्वरूप औद्योगिक उत्पादन प्रभावित होता है, छोटे कारोबारियों पर आर्थिक दबाव बढ़ता है और कई स्थानों पर रोजगार प्रभावित होते हैं। स्टील और धातु उद्योगों से लेकर ढाबों और छोटे भोजनालयों तक, अनेक क्षेत्र इस संकट की मार झेल रहे हैं। हालांकि सरकार ने इस स्थिति से निपटने के लिए कुछ आपातकालीन कदम उठाए हैं। रिफाइनरियों को निर्देश दिया गया है कि वे कच्चे तेल के प्रसंस्करण के दौरान एलपीजी की रिकवरी को अधिकतम करें। कुछ पैट्रोकैमिकल उत्पादों को अस्थायी रूप से रसोई गैस उत्पादन की दिशा में मोड़ा जा रहा है। इसके साथ ही अमेरिका और पश्चिम अफ्रीका जैसे क्षेत्रों से अतिरिक्त एलपीजी कार्गो मंगाने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति पर अस्थायी नियंत्रण लगाकर घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने का निर्णय भी इसी रणनीति का हिस्सा है। हालांकि ये सभी कदम तात्कालिक राहत प्रदान कर सकते हैं लेकिन दीर्घकालिक समाधान के लिए इससे कहीं अधिक व्यापक नीति की आवश्यकता है। दरअसल यह संकट केवल एक युद्ध का परिणाम नहीं है बल्कि यह भारत की ऊर्जा नीति के उस खालीपन की ओर संकेत करता है, जिस पर लंबे समय से पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। कच्चे तेल के लिए रणनीतिक भंडार बनाए गए, आपूर्ति स्रोतों का विविधीकरण किया गया और रिफाइनिंग क्षमता का विस्तार किया गया लेकिन एलपीजी और गैस सुरक्षा के लिए उसी स्तर की दूरदर्शिता नहीं दिखाई गई। यदि देश में एलपीजी का पर्याप्त सामरिक भंडार होता या गैस भंडारण अवसंरचना विकसित की गई होती तो आज स्थिति इतनी गंभीर नहीं होती। यह भी आवश्यक है कि पाइप्ड नेचुरल गैस नेटवर्क का विस्तार तेजी से किया जाए ताकि घरेलू ऊर्जा व्यवस्था केवल सिलेंडर आधारित मॉडल पर निर्भर न रहे। ऊर्जा सुरक्षा केवल आर्थिक मुद्दा नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी महत्वपूर्ण आयाम है। जब किसी देश की रसोई, उद्योग और परिवहन व्यवस्था बाहरी आपूर्ति पर अत्यधिक निर्भर होती है तो वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाएं सीधे उसके भीतर अस्थिरता पैदा कर सकती हैं। यही कारण है कि विकसित देश ऊर्जा स्रोतों के विविधीकरण, वैकल्पिक ऊर्जा के विकास और बड़े पैमाने पर भंडारण की रणनीतियों पर लगातार काम करते रहते हैं। भारत को भी इसी दिशा में अधिक गंभीरता से आगे बढ़ना होगा। ऊर्जा संकट लंबे समय से विकसित हो रही संरचनात्मक चुनौतियों का परिणाम होता है। इस समय आवश्यकता है संयम, जिम्मेदारी और ठोस नीति निर्माण की। मध्य-पूर्व का संघर्ष कब समाप्त होगा और होर्मुज जलडमरूमध्य में सामान्य स्थिति कब बहाल होगी, इसका स्पष्ट अनुमान फिलहाल किसी के पास नहीं है लेकिन इतना निश्चित है कि इस संकट ने भारत सहित पूरी दुनिया को यह सबक दिया है कि ऊर्जा आपूर्ति जितनी वैश्विक है, उतनी ही नाजुक भी।

(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तकः भारत की रक्षा क्रांति' पुस्तक के लेखक हैं)

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव बनाम एक तीर से कई शिकार?

सनत जैन

केंद्रीय चुनाव आयोग ने 15 मार्च रविवार को पांच राज्यों के चुनाव की घोषणा कर दी। देश में पहली बार मात्र 21 दिनों में मतदान की प्रक्रिया पूरी होगी। चुनाव आयोग द्वारा चुनाव कराने की अभी तक की जो प्रक्रिया थी। उसमें मनमाने तरीके से बदलाव करते हुए जिस तरीके से पांच राज्यों के चुनाव घोषित किए हैं। उसके कई अन्य मायने भी माने जा रहे हैं।

चुनाव आयोग और सरकार ने एक ही तीर से कई निशाने साधे हैं? चुनाव आयोग के इस निर्णय पर यह कहा जा सकता है, संवैधानिक संस्थाएं अपनी जिम्मेदारी और नैतिकता को भूल चुकी हैं? वह सरकार के इशारे पर ही काम कर रहीं हैं। इसमें सबसे ज्यादा चर्चा न्यायपालिका की हो रही है। केंद्रीय चुनाव आयोग ने पहली बार 9 से 29 अप्रैल के बीच मात्र 21 दिनों में नामांकन से लेकर मतदान तक की प्रक्रिया पूर्ण कराने का रिकॉर्ड बनाया है। संसद का बजट सत्र चल रहा है। इसमें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है। संसद में इसके बारे में चर्चा होनी थी। सांसद एवं विधायक इसी बीच चुनाव घोषित कर दिए गए। चुनाव घोषित होने का प्रभाव यह होगा की सभी राजनीतिक दल, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पांडिचेरी के चुनाव में व्यस्त हो जाएंगे। संसद में सांसदों की उपस्थिति और सक्रियता बहुत कम हो जाएगी। ऐसी स्थिति में चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जो प्रस्ताव पेश किया गया है, उस पर भी शायद चर्चा हो पाए। शायद इसी रणनीति को ध्यान में रखते हुए रविवार के दिन चुनाव आयोग ने पांच राज्यों के चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी। पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची अभी तक जारी नहीं हुई है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर न्यायपालिका के जज एसआईआर में मतदाताओं के नाम जोड़ने के विवाद में सतत जाँच कर रहे हैं। लाखों मतदाताओं के नामों को लेकर जो जाँच चल रही है। वह कब तक पूरी होगी, इसका कोई भरोसा नहीं है। इसके बाद भी चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के चुनाव भी घोषित कर दिए। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले से एसआईआर का मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। अभी तक इसकी संवैधानिकता के बारे में सुप्रीम कोर्ट ने कोई फैसला नहीं दिया है। लगभग 1 साल से सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। जिसमें तारीख पर तारीख मिल रही है। इसी बीच चुनाव भी होते चले जा रहे हैं। हाल ही में पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची की जाँच में पश्चिम बंगाल एवं अन्य राज्यों के जजों को लगा दिया गया है। अभी तक मतदाता सूची फाइनल नहीं हुई, उसके बाद भी

चुनाव घोषित कर दिए गए। संसद में इस बार एपस्टीन फाइल मे शामिल राजनेताओं के नाम, भारत की विदेश नीति, अमेरिका-इजरायल द्वारा ईरान के युद्ध की स्थिति में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी संकट को लेकर विपक्ष संसद में जो दबाव सरकार पर बना रहा था। चुनाव आयोग द्वारा पांच राज्यों के चुनाव घोषित किए जाने के बाद यह सब मामले ठंडा बस्ते में चले गए हैं। भारत के शेयर बाजार लगातार गिरावट है। डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत लगातार गिर रही है। देश में आर्थिक संकट और वैश्विक मंदी को लेकर बजट सत्र में जो चर्चा होनी थी। अब वह शायद नहीं होगी। सभी राजनीतिक दल अपने-अपने राज्य के चुनाव में सक्रिय हो जाएंगे। इसका फायदा सत्ता पक्ष को मिलता हुआ दिख रहा है। बजट सत्र के दौरान, सरकार को जो चुनौतियां मिल रही थी। उन चुनौतियों से एक ही झटके में सरकार को मुक्ति मिल गई। विपक्ष सरकार के खिलाफ जो जाल फैला रहा था, अब सरकार के बिछाए हुए जाल में फंसकर विपक्ष को फड़फड़ाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शीर्ष नेतृत्व जिस तरह से अपनी रणनीति बनाता है। विपक्ष चाह कर भी उसका मुकाबला नहीं कर पा रहा है। विपक्ष आपस में लड़ रहा है, इसका फायदा उठाते हुए भाजपा तमाम चुनौतियों के बाद भी सत्ता पर मजबूत पकड़ बनाए हुए हैं। इस पूरे घटना चक्र में चुनाव आयोग और न्यायपालिका की भूमिका, सरकार के पक्ष में होने के कारण लोगों का इन दोनों संस्थाओं के प्रति अविश्वास बढ़ रहा है। कुछ इसी तरीके की स्थिति बांग्लादेश में शेख हसीना के चुनाव में देखने को मिली थी। बांग्लादेश के चुनाव आयोग द्वारा जिस तरह से सरकार की मदद चुनाव में की थी। बांग्लादेश की न्यायपालिका ने भी सरकार का साथ दिया था। जिसके कारण बांग्लादेश में विद्रोह देखने को मिला। भारत में केंद्रीय चुनाव आयोग को हटाने के लिए विपक्ष संसद में प्रस्ताव पेश किया गया था। संसद मे कार्यवाही शुरू होती, उसके पहले ही पांच राज्यों के चुनाव घोषित कर चुनाव आयोग ने यह बता दिया है, उसे सरकार का समर्थन है। पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची का प्रकाशन हुए बिना चुनाव घोषित किए गए हैं। इसका मतलब है, चुनाव आयोग को भरोसा है, कि सुप्रीम कोर्ट इसकी अधिसूचना को मान्य करेगी। चुनाव आयोग को सरकार पर भरोसा है। वर्तमान स्थिति में पांच राज्यों के चुनाव होने पर उसे कहीं से चुनौती मिलने वाली नहीं है। ऐसी स्थिति में केंद्रीय चुनाव आयोग और न्यायपालिका की भूमिका की चर्चा बड़े पैमाने पर देश में हो रही है। चुनाव आयोग ने देर रात मुख्य सचिव डीजीपी सहित अन्य अधिकारियों के ट्रांसपर कर दिये। सोमवार को संसद में टीमसी सांसदों ने आपत्ति दर्ज कराते हुए सदन से बिहष्कार किया है। सरकार जो चाहती हैं वह केंद्रीय चुनाव आयोग कहता है। उसके निर्णयों के खिलाफ जब मामला अदालत में जाता है। उस पर तारीख पर तारीख देकर मामलों को लंबित रखने का फायदा सरकार और चुनाव आयोग को मिलता है। अब यह चर्चा जनमानस के बीच में होने लगी है। इसे लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक व्यवस्था में अच्छा नहीं संकेत माना जा सकता है।

मेष राशिः मेष राशि वालों आज आपका दिन बढ़िया रहने वाला है। कृषकों के लिए दिन बेहतर रहेगा। सरकार द्वारा कृषि संसाधनों की प्राप्ति होने से कृषि कार्यों में प्रगति होगी। दांपत्य जीवन में खुशियों का आगाज होगा। आज अगर नया काम शुरू करना चाहते हैं तो आपको सफलता जरूर मिलेगी। प्रतियोगी क्षेत्र में आपको आगे बढ़ने का मौका मिलेगा।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। पिछले कुछ दिनों में स्वास्थ्य से परेशान लोगों को आज काफी राहत होगी। आज ऑफिस में आपके प्रमोशन होने की खुशखबरी मिलेगी। आज घरवालों के साथ ख़ुशी का वातावरण रहेगा। आज किसी बात पर अधिक गौर न करें अन्यथा आपको उलझने होंगी। आज आपका स्वास्थ्य फिट रहेगा। काम में आपका मन लगेगा।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। भौतिक सुख सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। बिजनेस में तरक्की के योग बन रहे हैं। आज अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों को बखूबी निभायेंगे, परिवार के लोग आपकी सराहना करेंगे। दांपत्य जीवन में सुख शांति बनी रहेगी। राजनीतिक क्षेत्र में लोगों के साथ बेहतर तालमेल बना कर रखें लोग आपका समर्थन करेंगे।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज बड़ों की राय मानना आपके लिए बेहतर साबित हो सकता है। कॉम्पिटीशन की तैयारी कर रहे छात्रों की मेहनत जल्द रंग लाएगी। इस राशि के इलेक्ट्रीशियन और अनाज के कारोबारियों को आज अधिक लाभ मिलने की संभावना है। आपके वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी। सामाजिक क्षेत्र में आपका मान सम्मान बढ़ेगा। लोग आपके सरल स्वभाव की तारीफ करेंगे।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज आपका दिन अच्छा गुजरने वाला है। इस राशि के टेक्नॉलॉजी के छात्र किसी टॉपिक में उलझ सकते हैं, बेहतर रहेगा आप किसी सीनियर से राय ले लें। आज कार्य क्षेत्र में कुछ नए लोगों से मुलाकात हो सकती है। उनसे महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। आज आपके मन में शुभ विचारों का उदय होगा। आपमें कुछ नया करने की उत्सुकता बढ़ेगी।

कन्या राशिःकन्या राशि वालों आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आज अनावश्यक विवाद में पड़ने से बचें वरना आपकी उलझनें बढ़ सकती हैं। आज दोस्तों का भरपूर सहयोग आपको मिलेगा। पारिवारिक संबंधों में पहले की अपेक्षा अधिक गहराई और अपनापन आपको महसूस हो सकता है। आपके व्यवहार में विनम्रता और लचीलापन ही समाज में आपको सम्मान बढ़ाएगा।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपका दिन अच्छा जाने वाला है। प्राइवेट जॉब कर रहे लोगों के बॉस उनकी सैलरी में इन्क्रीमेंट करने घोषणा करेंगे, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आज पारिवारिक सुख समृद्धि में वृद्धि होगी। आज किसी धार्मिक स्थल पर जाने का प्रोग्राम बना सकते हैं।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। कार्य क्षेत्र में आपकी कड़ी मेहनत सफलता दिलाएगी जिससे आपके मनोबल में वृद्धि होगी और व्यापार की शिथिलता से आपको राहत मिलेगी। होटल रेस्टॉरेंट के बिजनेस में आज सेल दोगुनी होगी। आज शाम आप दोस्तों के साथ डिनर पार्टी का आयोजन कर सकते हैं। आज आपके स्वभाव में सकारात्मक परिवर्तन आएगा।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज आपका दिन शुभ फलदायक साबित होगा। किसी काम के लिए आज आप कई बड़े फैसले ले सकते हैं। आज आपकी सूझबूझ और मेहनत से पड़ोस में चल रहे काफी पुराने विवाद का निपटारा हो जायेगा। रुकी हुई पेमेंट मिलने से आर्थिक पक्ष बेहतर होगा। अपने जीवनसाथी को किसी मामूली बात पर डांटने की बजाय विनम्रता से समझाएं इससे आप दोनों के बीच भरोसा और अंडरस्टैंडिंग बेहतर होगी।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज आपका दिन सकारात्मक ऊर्जा से भरा रहेगा। आज मनपसंद कपड़े लेने की ओर आपका ध्यान आकर्षित होगा। बेटी का उसके मनचाहे फील्ड में सेलेक्शन होने के योग बन रहे हैं। आपके वैवाहिक जीवन में खुशियों का आगमन होगा। आज जल्दबाजी के चक्कर में काम गलत हो सकता है। ध्यान से काम करने की आवश्यकता है। आपकी जीवनशैली में पहले से अनुकूल परिवर्तन आएगा। मैकेनिकल इंजीनियर्स पुराना काम पूरा करके नए टारगेट की जिम्मेदारी मिल सकती है।

कुम्भ राशिः कुम्भ राशि वालों आज आपका दिन मिला जुला अनुभव देने वाला रहेगा। राजनीति में आज आपके कार्यभार की जिम्मेदारी बढ़ सकती है। दांपत्य जीवन की अनबन आज समाप्त होगी। आज बड़ों की बात ध्यान से सुनें बात को बीच में न काटें। इस राशि के लव मेट शाम को शॉपिंग पर जायेंगे। दिन मनोरंजन से भरपूर रहेगा। कपड़े के व्यापार में पहले से अधिक लाभ होने के आसार हैं। ग्राहकों के प्रति अपने व्यवहार को मधुर बनाना चाहिए

मीन राशिःमीन राशि वालों आज आपका दिन लाभदायक रहने वाला है। आज सबके प्रति स्नेह पूर्वक रहें। आज समझदारी से बातों को समझेंगे। आज आपके लिए आय के नए मार्ग प्रदर्शित होंगे। विद्यार्थियों की आज लेखन कार्य में रुचि बढ़ेगी। आप किसी प्रतियोगिता में हिस्सा ले सकते हैं।

शहादत -ए - ख़ामनेई: मर के जीना सीखा दिया तूने

तनवीर जाफ़री

पूरे विश्व को अशांति की आग में झोंकने वाले अमेरिका व उसके क्रूर सहयोगी मित्र इस्राईल द्वारा आख़िरकार ईरान पर एक बार फिर युद्ध थोप कर वहां भारी नरसंहार की इबारत लिखी जा रही है। अमेरिका व इस्राईल जैसे परमाणु हथियार रखने वाले देशों का कहना है कि परमाणु हथियार रखना केवल उन जैसे जन संहारक देशों का ही एकाधिकार है। अमेरिका के इशारों पर नाचने से इंकार करने व उसे सर्वशक्तिमान स्वीकार करने वाले ईरान जैसे देश का तो हरगिज़ नहीं। वैसे तो अब तक ईरान भी परमाणु हथियार बनाने से इंकार करता रहा है। परन्तु इराक़ की ही तरह इसी बात को बहाना बनाकर अमेरिका व इस्राईल ईरान पर टूट पड़े हैं। ईरान से रोज़ाना भारी जनहानि की ख़बरें आ रही हैं। जैसे जैसे युद्ध लंबा होता जा रहा है वैसे वैसे अमेरिका के हौसले पस्त होते जा रहे हैं और वह और भी अधिक आक्रामकता दिखाकर आम लोगों पर बंबारी कर अपनी खीज उतार रहा है। ठीक इसके विपरीत अपने सर्वोच्च गुरु अयातुल्लाह सैय्यद अली ख़ामनेई की शहादत जैसी बड़ी क़ुर्बानी देने तथा लगभग 170 स्कूली बच्चियों की शहादत के बाद भी ईरानी जनता का जज़्बा-ए-शहादत और भी सर चढ़ कर बोल रहा है। अमेरिका-इस्राईल के विरुद्ध व मौजूदा ईरानी सत्ता के समर्थन में राजधानी तेहरान सहित ईरान के विभिन्न शहरों में लाखों लोग दिन रात अपने बुलंद हौसलों के साथ ईरानी सैनिकों के समर्थन में प्रदर्शन कर रहे हैं। लाखों प्रदर्शनकारी तो शहीद होने के जज़्बे के साथ अपने शरीर पर कफ़न लपेटकर प्रदर्शन करते देखे गये। तेहरान में तो ऐसी ही एक बड़ी रैली पर इस्राईल द्वारा बंबारी भी की गयी। परन्तु ईरानियों के हौसले और बुलंद होते जा रहे हैं। निःसंदेह अमेरिका व इस्राईल के दबाव में पश्चिमी मीडिया दशकों से यह नरेटिव प्रसारित करता रहा है कि ईरानी सत्ता कट्टरपंथी है,यह सुन्नी जगत को निगल जाना चाहती है,अरब देशों के लिये ईरान सबसे बड़ा ख़तरा है,केवल अमेरिका ही ईरान से अरब देशों की रक्षा कर सकता है आदि आदि। और अरब देशों को ईरान का ही भय दिखाकर अमेरिका ने मध्य पूर्व के अरब लीग सदस्य देशों में लगभग 15 से 20 के मध्य स्थायी और प्रमुख सुविधाओं वाले सैन्य ठिकाने बना रखे हैं। यहाँ अमेरिकी सैनिकों की तैनाती 40,000 से 50,000 के आसपास है। क़तर,बहरीन,कुवैत,संयुक्त अरब अमीरात,सऊदी अरब,जॉर्डन,इराक़,मिस्र,सीरिया के अतिरिक्त कई छोटे काउंटर-टेररिज़्म बेस भी शामिल हैं। जबकि ओमान जैसे कई देशों में अमेरिका की एक्सेस या पोर्ट सुविधाएं मौजूद हैं, हालांकि यहाँ पूर्ण अड्डे नहीं हैं। इन भारी भरकम सैन्य मौजूदगी के बल पर ही अमेरिका व इस्राईल अधिकांश खड़ी देशों को अपने कुचक्र में उलझाकर उनके तेल भंडारों का अपनी मनमर्ज़ी से ज़बरदस्त दोहन कर रहे थे तथा उनकी सुरक्षा के नाम पर अरब देशों से भरी भरकम वसूली कर रहे थे। इतना ही नहीं बल्कि ईरान का भय दिखाकर ही बड़े ही नियोजित तरीक़े से इन्हीं देशों को अमेरिका व इस्राईल अपने हथियार बेचते रहते थे। परन्तु गत 28 फ़रवरी को पवित्र रमज़ान के महीने में अमेरिका व इस्राईल द्वारा ईरान पर किये गये आक्रमण में और युद्ध छिड़ते ही ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह सैय्यद अली ख़ामनेई की शहादत ने न केवल अमेरिका व इस्राईल के अरमानों पर पानी फेर दिया बल्कि पूरे अरब जगत की आँखें भी खोलकर रख दीं। ईरान पहले ही कह चुका था कि यदि उसपर अमेरिका का हमला हुआ तो वह मध्य पूर्व में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को सबसे पहले निशाना बनायेगा। क्योंकि इन्हीं सैन्य अड्डों का इस्तेमाल अमेरिका व इस्राईल द्वारा ईरान के विरुद्ध किया जा रहा था। लिहाज़ा सामरिक दृष्टिकोण से भी यही सैन्य अड्डे ईरान के निशाने पर थे। और वही हुआ कि अमेरिका-इस्राईल के हमले के जवाब में ईरान ने इन्हीं अमेरिकी सैन्य ठिकानों को सबसे पहले निशाना बनाया। ईरान के दावों के अनुसार नहीं बल्कि द न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित उसके गत 11 मार्च के विश्लेषण के मुताबिक़ मध्य पूर्व में ईरान के हमलों से कम से कम 17 अमेरिकी सैन्य, राजनयिक और वायु रक्षा स्थलों को भारी नुक़्सान पहुंचा है। ये हमले मुख्य रूप से बहरीन, कुवैत, सऊदी अरब, क़तर और यूएई सहित खाड़ी देशों में स्थित ठिकानों पर किये गये। इनमें अनेक अमेरिकी सैनिक मारे गए व कई घायल हुये। इसके बाद अमेरिका ने उन प्रभावित सैन्य ठिकानों से अपने तमाम सैनिकों को वापस बुला लिया। और जिन अरब देशों की सुरक्षा के नाम पर गत 4 दशकों से ग़लतफ़हमी का शिकार बना रखा था उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया। इतना ही नहीं बल्कि अमेरिका ने अपने नागरिकों को एक एडवाइज़री जारी कर उन्हें सऊदी अरब,संयुक्त अरब अमीरात,कुवैत,क़तर,बहरीन,ओमान,जॉर्डन,मिस्र,लेबनान,यमन,इराक़ तथा सीरिया जैसे देशों को तत्काल छोड़ने की सलाह भी दे दी। अमेरिका द्वारा पीठ दिखाने के बाद पूरा इस्लामी जगत यह सोचने के लिये मजबूर हो गया कि वास्तव में अमेरिका द्वारा जिस ईरान को अरब देशों के लिये ख़तरा बताया जा रहा था वह ईरान नहीं बल्कि ख़ुद अमेरिका ही उनके लिये सबसे बड़ा ख़तरा है। ख़ामनेई की शहादत के बाद जिस तरह पूरे विश्व की अनेक सांसदों व विधानसभाओं में सड़कों व बाज़ारों में ख़ामनेई को श्रद्धांजलि पेश की गयी और साथ ही पूरे विश्व में शिया सुन्नी एकता के जो लहर दिखाई दे रही है उसकी तो अमेरिका ने कल्पना भी नहीं की होगी। आज केवल दुनिया के मुसलमान ही नहीं बल्कि क्रूर व शुद्ध व्यवसायी मानसिकता रखने वाले अमेरिकी साम्राजयवाद से त्रस्त आ चुकी पूरी दुनिया आयतुल्ला ख़ामनेई की शहादत को इसी लिये सलाम कर रही है कि उन्होंने शहीद होकर न केवल विश्वसतर पर शिया सुन्नी की उस खाई को पाटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जो अमेरका व इस्राईल द्वारा ही गहरी की गयी थीं बल्कि उन्होंने अमेरिकी के आगे घुटने टेकने से इंकार कर यह भी बता दिया कि ब्रह्माण्ड में सर्वशक्तिमान कोई अमेरिका जैसा देश या उसका कोई सनकी राष्ट्रपति नहीं बल्कि वही है जो सबका मालिक है और वह एक है और वही सबके लिये सर्वशक्तिमान है।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
संपादक: Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादक: **राजेश मोहन सहाय**; धनबाद ब्यूरोचीफ: **राजीव रंजन** । बिहार प्रभारी: **संतोष श्रीवास्तव.** Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ◦ यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

बोकारो में फिर बरपा रफ्तार का कहर, दो भीषण सड़क हादसों में दो की मौत

» लोगों का फूटा आक्रोश, हाइवे पर घंटों सड़क जाम से चरमराया यातायात

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : स्टील सिटी बोकारो के लिए सोमवार का दिन ब्लैक मंडे साबित हुआ। जिले के दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुई दर्दनाक सड़क दुर्घटनाओं ने न केवल दो घरों में मातम पसार दिया, बल्कि शहर की पूरी यातायात व्यवस्था को भी घुटनों पर ला दिया। एक ओर तेलमोच्चो पुल के पास ट्रक और कार की भीषण भिड़ंत ने रोंगटे खड़े कर दिए, वहीं दूसरी ओर सेक्टर-12 में मॉर्निंग वॉक पर निकली महिला की मौत के बाद भड़के जनाक्रोश ने नेशनल हाइवे को रणक्षेत्र में तब्दील कर दिया।

धनबाद-बोकारो मुख्य मार्ग स्थित तेलमोचो पुल के पास दोपहर उस वक्त चीख-पुकार मच गई, जब एक तेज रफ्तार 10 चक्का ट्रक और हुंडई क्रेटा कार के बीच आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भयावह थी कि भारी-भरकम ट्रक के दो टायर टूटकर धड़ से अलग हो गए, जबकि कार लोहे के मलबे में तब्दील हो गई। इस हादसे में कार सवार देवेंद्र कुमार की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, कार में मौजूद सेक्टर-9 निवासी अजय कुमार तिवारी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिनका अस्पताल में जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष जारी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है कि आखिर इस सीधी भिड़ंत का मुख्य कारण क्या था।

इधर, मॉर्निंग वाक पर निकली महिला को वाहन ने रौंदा-दूसरी हृदयविदारक घटना सेक्टर-12 थाना क्षेत्र के नेशनल हाइवे पर घटी, जहां सुबह-सुबह सेहत बनाने निकली एक महिला को अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। अस्पताल में इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया, जिसके बाद स्थानीय निवासियों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने शव के साथ हाइवे को पूरी तरह जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने फरार वाहन चालक की गिरफ्तारी और मृतका के पति को नौकरी व मुआवजे की मांग को लेकर घंटों नारेबाजी की। थाना प्रभारी सुभाष चंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस बल मौके पर डटा रहा, लेकिन आंदोलनकारी अपनी मांगों पर अड़े रहे।

थमी शहर की रफ्तार, मीलों लंबी कतारों में फंसे लोग-इन दोनों घटनाओं के कारण बोकारो की लाइफलाइन कही जाने वाली सड़कें पूरी तरह ठप हो गईं। तेलमोचो में दुर्घटना और सेक्टर-12 में विरोध प्रदर्शन के चलते नेशनल हाइवे पर वाहनों की मीलों लंबी कतारें लग गईं। ऑफिस जाने वाले कर्मचारी, स्कूली बसें और आवश्यक सेवाओं वाले वाहन घंटों धूप में फंसे रहे। प्रशासन को यातायात सुचारू करने में भारी मशक्कत करनी पड़ी। इन हादसों ने एक बार फिर जिले की सड़कों पर बेलगाम दौड़ते भारी वाहनों और पैदल यात्रियों की सुरक्षा पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

उकरीद मोड़ पर एक हफ्ते में बनेगा गोल-चक्कर, वार्ता में बनी सहमति-बोकारो के सेक्टर-12 थाना अंतर्गत उकरीद मोड़ पर हुए दुखद हादसे में शीला देवी की असामयिक मृत्यु के बाद स्थानीय नागरिकों का आक्रोश और सुरक्षा की चिंता रंग लाई है। इसी क्रम में आज प्रशासन और आम लोगों के बीच सुरक्षा के दृष्टिकोण से कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर लिखित सहमति बनी है, जो आने वाले दिनों में सड़क सुरक्षा की तस्वीर बदल सकती है। इस समझौते के तहत सबसे प्रमुख निर्णय उकरीद मोड़ पर एक सप्ताह के भीतर गोलचक्कर (का निर्माण करना है, ताकि वाहनों की गति और दिशा नियंत्रित हो सके। इसके साथ ही, उकरीद मोड़ और बारी को-ऑपरेटिव मोड़ जैसे दुर्घटना संभावित क्षेत्रों पर अब यातायात पुलिस की स्थायी तैनाती सुनिश्चित की जाएगी, जिससे नियमों का उल्लंघन रोका जा सके। सहमति पत्र के अनुसार, मृतिका के परिवार को सरकारी नियमानुसार उचित मुआवजा समय सीमा के भीतर दिलाने का आश्वासन दिया गया है, ताकि पीड़ित परिवार को आर्थिक संबल मिल सके। सुरक्षा मानकों को और कड़ा करते हुए उकरीद मोड़ पर आधुनिक यातायात सिग्नल और स्पीड ब्रेकर बनाने पर भी मुहर लगी है। कार्यपालक दंडाधिकारी और सेक्टर-12 थाना प्रभारी की मौजूदगी में हुए इस समझौते ने आम जनता को यह भरोसा दिलाया है कि अब सड़कों पर सुरक्षा केवल कागजों तक सीमित नहीं रहेगी। स्थानीय नागरिकों ने स्पष्ट किया है कि यदि इन सहमतियों को समय पर लागू नहीं किया गया, तो वे अपनी आवाज़ और बुलंद करेंगे, क्योंकि अब वे और अधिक जानें सड़कों पर नहीं गंवाना चाहते।

संक्षिप्त समाचार

5वीं फेडरेशन कप सीनियर कबड्डी प्रतियोगिता में बोकारो के तेजनारायण बने कंपटीशन मैनेजर

बोकारो : बोकारो के खेल जगत के लिए एक और गौरवशाली अध्याय जुड़ गया है। मध्य प्रदेश के सतना में आयोजित होने वाली 5वीं फेडरेशन कप सीनियर कबड्डी प्रतियोगिता के लिए एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया (एकेएफआई) ने आधिकारिक सूची जारी कर दी है। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए बोकारो के तेजनारायण को कंपटीशन मैनेजर जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके साथ ही हजारीबाग की राखी का चयन तकनीकी पदाधिकारी के रूप में किया गया है, जो झारखंड के खेल कौशल के बढ़ते कद को दर्शाता है।

तेजनारायण लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बोकारो और झारखंड का नाम गौरवान्वित कर रहे हैं। कबड्डी के क्षेत्र में उनकी विशेषज्ञता का लोहा पूरा देश मानता है। इससे पूर्व भी वे कई बड़े राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मैचों में मुख्य प्रशिक्षक, तकनीकी अधिकारी और विभिन्न निर्णायक भूमिकाओं का सफलतापूर्वक निर्वहन कर चुके हैं। उनकी यह नई उपलब्धि न केवल उनकी व्यक्तिगत मेहनत का परिणाम है, बल्कि यह बोकारो के खेल प्रेमियों और उभरते हुए खिलाड़ियों के लिए भी एक बड़ी प्रेरणा है। खेल जगत से जुड़े दिग्गजों का मानना है कि उनकी देखरेख में इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता का स्तर और भी ऊंचा होगा। उन्हें बोकारो के खेल प्रेमियों ने बधाई दी है।

विवेकानंद मैदान में रामनवमी उत्सव के लिए डीवीसी ने भरवाए गड्ढे, पुलिस की पहल पर टला विवाद

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित स्वामी विवेकानंद मैदान में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के लिए पाइपलाइन बिछाने का कार्य सोमवार को स्थानीय पुलिस और प्रशासन की सक्रियता के कारण स्थगित कर दिया गया। यह निर्णय आगामी रामनवमी उत्सव की संवेदनशीलता और सुरक्षा को देखते हुए लिया गया है। दरअसल, जिस स्थान पर खुदाई की जा रही थी, वह क्षेत्र रामनवमी के दौरान आधा दर्जन अखाड़ों के मिलन स्थल के रूप में जाना जाता है, जहां हजारों की संख्या में श्रद्धालु झंडा लेकर एकत्र होते हैं और झांकियों का भव्य प्रदर्शन करते हैं।

मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय थाना प्रभारी पिंकू कुमार यादव ने मौके पर पहुंचकर कार्य रुकवाया। खुदाई कर रही कंपनी भरत जी पटेल के प्रतिनिधियों ने बताया कि डीवीसी सिविल विभाग के निर्देश पर यह काम शुरू किया गया था। इंस्पेक्टर ने तत्काल डीवीसी के जीएम (एचआर) एए कुजूर से संपर्क कर उन्हें अवगत कराया कि यदि गड्ढे खुले रहे तो उत्सव के दौरान बड़ी दुर्घटना हो सकती है। इसके बाद जीएम ने संवेदनशीलता दिखाते हुए कंस्ट्रक्शन हेड देव प्रसाद खां को तत्काल कार्य बंद करने और मैदान को पूर्व की भांति सुरक्षित बनाने का निर्देश दिया। प्रशासनिक आदेश मिलते ही संवेदक ने जेसीबी लगाकर खुदाई किए गए गड्ढों को भरने और मैदान को समतल करने का काम शुरू कर दिया। डीवीसी प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि रामनवमी उत्सव की समाप्ति तक मैदान में किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य नहीं होगा, ताकि श्रद्धालुओं को झांकियों के प्रदर्शन में कोई असुविधा न हो। स्थानीय लोगों और अखाड़ा समितियों ने प्रशासन के इस त्वरित निर्णय का स्वागत किया है। मैदान को अब पूरी तरह से श्रद्धालुओं के लिए समतल और सुरक्षित कर दिया गया है, जिससे क्षेत्र में उत्सव का उत्साह और बढ़ गया है।

उद्घाटन की जल्दबाजी पड़ी भारी, डीवीसी कॉलोनी की सड़कों पर बही गंदगी

अधूरे एसटीपी ने बढ़ाई निवासियों की मुसीबत

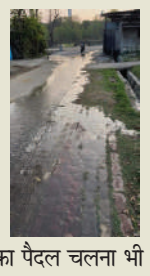

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी की आवासीय कॉलोनी को प्रदूषण मुक्त बनाने की महत्वाकांक्षी योजना फिलहाल निवासियों के लिए दुःस्वप्न साबित हो रही है। दो नंबर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के आनन-फानन में किए गए उद्घाटन के बाद अब कॉलोनी की मुख्य सड़कों और रिहायशी इलाकों में सीवरेज का गंदा पानी उफन रहा है। आलम यह है कि झारखंड चौक से लेकर मार्केट पार्किंग और डिग्री कॉलेज तक की सड़कें गंदगी और बदबू की चपेट में हैं, जिससे स्थानीय लोगों का पैदल चलना भी दूभर हो गया है।

विदित हो कि बीते 6 दिसंबर को डीवीसी के मेंबर टेक्निकल एसके पांडा और ईडी प्रोजेक्ट चैतन्य प्रकाश ने इस प्लांट का औपचारिक उद्घाटन किया था। लेकिन उद्घाटन के महज एक सप्ताह के भीतर ही झारखंड चौक, मार्केट पार्किंग और गोविंदपुर सी पंचायत सचिवालय के समीप स्थित चैंबरों से गंदा पानी ओवरफ्लो होकर सड़कों पर बहने लगा। मुखिया विकास सिंह और प्रोफेसर अजय दत्ता के आवास के पास जलभराव की स्थिति सबसे अधिक विकराल है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि प्रशासन ने केवल श्रेय लेने के लिए बिना तकनीकी जांच और पाइपलाइन की लेवलिंग सुनिश्चित किए प्लांट को चालू कर दिया।

गोविंदपुर सी के मुखिया विकास सिंह ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर कड़े सवाल उठाए हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से डीवीसी प्रबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि बिना काम पूरा किए हड़बड़ी में उद्घाटन करने का खामियाजा अब आम जनता भुगत रही है। उन्होंने इस पूरे प्रोजेक्ट की उच्चस्तरीय जांच और जलभराव की समस्या के तत्काल समाधान की मांग की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीवीसी के कंस्ट्रक्शन हेड देव प्रसाद खां ने स्वीकार किया कि लाइन में जाम या लेवलिंग की तकनीकी गड़बड़ी के कारण यह रिसाव हो रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया है कि जब तक निर्माण कंपनी सभी तकनीकी कमियों को दूर नहीं कर लेती, उसे वर्क कंप्लीशन सर्टिफिकेट जारी नहीं किया जाएगा।

बीजीएच में ग्लूकोमा सप्ताह का आयोजन, अंधेरे की आहट से बचाएगी जागरूकता

बोकारो : दृष्टि की सुरक्षा और अंधापन निवारण की दिशा में बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। संयंत्र के नेत्र विभाग द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले ग्लूकोमा जागरूकता सप्ताह के तहत एक विशेष जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य आम जनता को ग्लूकोमा यानी काला मोतिया जैसी गंभीर और खामोश बीमारी के प्रति सचेत करना है, जो बिना किसी चेतावनी के धीरे-धीरे आंखों की रोशनी छीन लेती है।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि, अधिशासी निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. बिभूति भूषण करुणामय ने किया। इस अवसर पर चिकित्सा जगत के कई दिग्गज अधिकारी मौजूद रहे, जिनमें मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आनंद कुमार, डॉ. अनिंदा मंडल, डॉ. इंद्रनील चौधरी और नेत्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सोफिया अहमद ने अपने विचार साझा किए। विशेषज्ञों ने बताया कि ग्लूकोमा एक अत्यंत गंभीर स्थिति है, जो ऑप्टिक नर्व को स्थायी रूप से क्षति पहुंचाती है। इसे साइलेंट किलर इसलिए कहा जाता है, क्योंकि शुरुआती दौर में इसके लक्षण स्पष्ट नहीं होते, लेकिन जब तक व्यक्ति को दृष्टि दोष का आभास होता है, तब तक काफी नुकसान हो चुका होता है।

डॉक्टरों ने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि प्रारंभिक अवस्था में पहचान होने पर प्रभावी उपचार के माध्यम से दृष्टि को सुरक्षित रखा जा सकता है। नियमित अंतराल पर नेत्र परीक्षण और उचित परामर्श ही पूर्ण अंधापन से बचने का एकमात्र अचूक उपाय है। जागरूकता बढ़ाने के लिए अस्पताल प्रशासन ने सूचनात्मक वीडियो और पोस्टरों का प्रदर्शन भी किया, जिसके माध्यम से लोगों को डिजिटल स्क्रीन के बढ़ते उपयोग के बीच आंखों की सेहत के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी गई। बीजीएच की यह पहल न केवल बीएसएल कर्मियों, बल्कि पूरे समाज को दृष्टि-दोष मुक्त बनाने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है।

कसमार : बगियारी विद्युत उपकेंद्र में कर्मियों को बनाया बंधक

» गैस कटर से महंगे क्वायल काटने का किया प्रयास, ट्रांसफॉर्मर विभाग को हुआ लाखों का नुकसान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : कसमार थाना क्षेत्र के बगियारी विद्युत सबस्टेशन में रविवार की देर रात अज्ञात चोरों ने धावा बोलकर 3.15 एमवीए क्षमता के पावर ट्रांसफॉर्मर को क्षतिग्रस्त कर दिया। इस घटना से विभाग को करीब 2 लाख 60 हजार रुपये का नुकसान हुआ है। मामले को लेकर विद्युत विभाग के सहायक अभियंता अमित कुमार खेस ने कसमार थाना में प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन दिया है। जानकारी के अनुसार रविवार की रात उपकेंद्र में मानव दिवस कर्मी कैलाश कुमार गोसाई और फखरुद्दीन अंसारी ड्यूटी पर थे। इसी दौरान रात करीब साढ़े ग्यारह बजे 8 से 10 की संख्या में कुछ अज्ञात लोग उपकेंद्र की बाउंड्री फांदकर परिसर में घुस आए। चोरों ने दोनों कर्मचारियों को बंधक बनाकर डराया-धमकाया और ट्रांसफॉर्मर को गैस कटर से काटकर उसके अंदर लगी वाइंडिंग कॉइल निकालने का प्रयास किया। इस दौरान चोरों ने कर्मचारियों के मोबाइल फोन भी छीन लिए और हल्ला करने पर जान से मारने की धमकी दी। करीब तीन घंटे तक उपकेंद्र के भीतर तोड़फोड़ और चोरी का प्रयास चलता रहा। इसी बीच शोर सुनकर आसपास के लोग जाग गए, जिससे घबराकर चोर करीब तीन बजे के आसपास मौके से फरार हो गए। जाते-जाते वे कर्मचारियों के मोबाइल फोन और विभागीय सिम कार्ड भी अपने साथ ले गए। विद्युत विभाग के अनुसार इस घटना में ट्रांसफॉर्मर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे विभाग को लगभग ढाई लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। विभागीय अधिकारियों ने कसमार थाना से मामले की जांच कर अज्ञात चोरों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। ग्रामीणों ने भी उपकेंद्र की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है, ताकि बार बार उपकेंद्र में चोरी की घटना न हो। मालूम हो कि इससे पूर्व भी इस विद्युत उपकेंद्र में कई बार कर्मियों को बंधक बनाकर क्वायल व अन्य महंगे उपकरणों की चोरी की घटना घट चुकी है।

मजदूर मैदान में सजेगा बोकारो सखी महोत्सव, महिला सशक्तिकरण को मिलेगा नया आयाम

» डीडीसी ने तैयारियों की समीक्षा कर दिए कड़े निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : जिले की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति देने और स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के हुनर को एक बड़ा मंच प्रदान करने के लिए जिला प्रशासन ने 'बोकारो सखी महोत्सव' के आयोजन की घोषणा की है। सोमवार को समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शताब्दी मजूमदार ने इस भव्य आयोजन की तैयारियों को लेकर संबंधित अधिकारियों और गठित कमेटी के सदस्यों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस महोत्सव का मुख्य केंद्र सेक्टर 04 स्थित मजदूर मैदान होगा, जहाँ जिले भर की महिला उद्यमी अपनी कला और उत्पादों का प्रदर्शन करेंगी।

बैठक के दौरान डीडीसी ने आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं की बारीकी से समीक्षा की और विभिन्न विभागों को समय सीमा के भीतर सभी तैयारियां पूरी करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस महोत्सव का प्राथमिक उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना और उनके उत्पादों के लिए एक सुलभ बाजार तैयार करना है। डीडीसी के अनुसार, यह आयोजन महिलाओं को सीधे उपभोक्ताओं से जोड़ेगा, जिससे न केवल उनकी आय में वृद्धि होगी बल्कि ग्रामीण स्तर पर उद्यमिता को भी भारी प्रोत्साहन मिलेगा।

महोत्सव के दौरान केवल व्यापार ही नहीं, बल्कि राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक भी देखने को मिलेगी। प्रशासन की योजना के अनुसार, यहां विभिन्न स्टॉलों के माध्यम से स्थानीय कला-संस्कृति का प्रदर्शन होगा और प्रतिदिन सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी। यह आयोजन आम जनता के लिए पूरी तरह खुला रहेगा, जहाँ लोग स्थानीय हस्तशिल्प, जैविक उत्पादों और पारंपरिक व्यंजनों का आनंद ले सकेंगे। जिला प्रशासन की इस पहल को ग्रामीण महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार और सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा और प्रभावी कदम माना जा रहा है।

खासमहल पीओ आवास के पास धड़ल्ले से चल रहीं अवैध खदानें, सीसीएल और खनन विभाग के दावों की खुली पोल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : सीसीएल के बोकारो-करगली प्रक्षेत्र में कोयला माफियाओं के हौसले इतने बुलंद हैं कि बंद पड़े कारो स्पेशल फेज दो प्रोजेक्ट में अब आधा दर्जन से ज्यादा अवैध खदानें सक्रिय हो गई हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें से एक मुख्य अवैध माइंस खासमहल परियोजना के परियोजना पदाधिकारी (पीओ) के आवास से महज आधा किलोमीटर की दूरी पर संचालित हो रही है। इन खदानों में मौत का खेल इस कदर जारी है कि कारोबारी अपनी बाइक लेकर खदान के गहरे अंधेरों तक चले जाते हैं और बोरियों में कोयला लाद कर बेखौफ बाहर निकलते हैं। जिस बड़े पैमाने पर यहां चाल काटकर कोयला निकाला जा रहा है, उससे कभी भी किसी बड़ी दुर्घटना या चाल धंसने की आशंका बनी हुई है।

परियोजना के पुराने वाटर फिल्टर प्लांट और डिस्पेंसरी के पीछे वाली पहाड़ी पर वर्तमान में छह अवैध खदानें चलाई जा रही हैं। विदित हो कि प्रक्षेत्र के जीएम के निर्देश पर बीते 7 मार्च को सीआईएसएफ, सीसीएल सुरक्षा बल और बोकारो थर्मल पुलिस ने संयुक्त रूप से छापेमारी कर लगभग एक हजार बोरा कोयला जब्त किया था। उस वक्त सीसीएल के एरिया सुरक्षा पदाधिकारी डी. मांझी ने दावा किया था कि इन अवैध माइंसों को जेसीबी के जरिए डोजरिंग कर भर दिया जाएगा, ताकि दोबारा खनन न हो सके। परंतु हकीकत यह है कि सुरक्षा अधिकारियों ने माइंस को उसी खतरनाक स्थिति में छोड़ दिया है, जिसका फायदा उठाकर माफिया फिर से सक्रिय हो गए हैं।

इस पूरे मामले पर सरकारी महकमों के बीच समन्वय की कमी साफ दिखाई दे रही है। जिला खनन निरीक्षक सीताराम टुडू का कहना है कि अवैध माइंस को भरवाने का कार्य जल्द शुरू किया जाएगा, लेकिन उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि चूंकि जमीन सीसीएल की अधिग्रहित है, इसलिए इसे भरने की प्राथमिक जिम्मेदारी सीसीएल प्रबंधन की ही बनती है। विभाग और प्रबंधन के बीच जारी इस लेटर-वार और टालमटोल की नीति के कारण माफियाओं को खुली छूट मिल रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब तक इन सुरंगों को स्थाई रूप से बंद नहीं किया जाता, तब तक पुलिसिया छापेमारी का कोई खास असर नहीं होगा और जान का जोखिम बना रहेगा।

पैदल पुल बंद होने पर जामताड़ा में विरोध, रेलवे को सौंपा ज्ञापन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जामताड़ा : जामताड़ा रेलवे स्टेशन पर पुराने पैदल पुल के बंद होने से शहरवासियों में नाराजगी बढ़ गई है। सोमवार को नागरिक मंच जामताड़ा के बैनर तले स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए रेलवे प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि स्टेशन के एक छोर से दूसरे छोर तक जाने वाला पुराना पैदल पुल लंबे समय से जर्जर स्थिति में है, जिसे मरम्मत या पुनर्निर्माण के लिए बंद कर दिया गया है। हालांकि मरम्मत कार्य धीमी गति से चलने के कारण लोगों को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय नागरिकों ने बताया कि पुल बंद रहने से वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और स्कूल-कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों को रेलवे ट्रैक पार करने या लंबा चक्कर लगाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे समय की बर्बादी के साथ सुरक्षा का खतरा भी बढ़ गया है। प्रदर्शन के दौरान नागरिक मंच जामताड़ा के प्रतिनिधियों ने रेलवे प्रशासन के समक्ष तीन प्रमुख मांगें रखीं।

नागरिकों ने मांग की कि पुराने पैदल पुल की मरम्मत कार्य में तेजी लाकर उसे जल्द से जल्द जनता के लिए खोल दिया जाए। इसके अलावा पला बगान क्षेत्र के सामने एक नया पैदल पुल बनाने तथा आसनसोल-जसीडीह के बीच दोपहर 12 बजे से 4 बजे के बीच नई लोकल ट्रेन चलाने की भी मांग की गई। मंच के प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी कि मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

पाकुड़–बंगाल सीमा की खदान में बड़ा हादसा,कई मजदूर मलबे में दबे

» खदान के ऊपर से भरभराकर गिरी मिट्टी,कई मरे, कई घायल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पाकुड़: झारखंड-बंगाल सीमा क्षेत्र में सोमवार सुबह एक पत्थर खदान में बड़ा हादसा हो गया।पाकुड़ जिले के मालपहाड़ी थाना क्षेत्र के कान्हुपुर गांव और पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के मुरारई थाना क्षेत्र के गोपालपुर के बीच मणिपुर गांव के समीप संचालित खदान में अचानक मिट्टी और चट्टानों का बड़ा हिस्सा भरभराकर नीचे गिर पड़ा। इस दौरान वहां काम कर रहे कई मजदूर इसकी चपेट में आ गए।

सूत्रों के अनुसार हादसे के समय खदान में करीब एक दर्जन मजदूर काम कर रहे थे। इसी दौरान खदान के ऑफिस के पास ऊपरी हिस्से पर जमा मिट्टी और चट्टानों का बड़ा ढेर अचानक ढह गया और नीचे काम कर रहे मजदूरों पर गिर पड़ा। हादसे के बाद कई मजदूरों के मलबे में दबने की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय स्तर पर करीब आधा दर्जन मजदूरों की मौत की चर्चा है, हालांकि प्रशासन की ओर से अब तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों का आरोप है कि संबंधित खदान में लंबे समय से अवैध खनन किया जा रहा था और खदान का मालिक तृणमूल कांग्रेस से जुड़ा नेता सिराजुल खान बताया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सीमा से सटे इस इलाके में अवैध खनन की सूचना कई बार प्रशासन को दी गई थी, लेकिन समय रहते कार्रवाई नहीं होने से यह हादसा हो गया।वहीं खदान प्रबंधन से जुड़े लोगों का दावा है कि खदान पश्चिम बंगाल क्षेत्र में स्थित है और जहां मिट्टी का ढेर गिरा वह हिस्सा भी बंगाल की सीमा में आता है। दूसरी ओर स्थानीय सूत्रों का कहना है कि खनन झारखंड की जमीन पर किया जा रहा था और दुर्घटना भी झारखंड क्षेत्र में हुई है। ऐसे में घटना स्थल की वास्तविक स्थिति और सीमा निर्धारण अब जांच का विषय बन गया है।ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि हादसे के तुरंत बाद खदान में मौजूद बड़ी मशीनों से मलबा हटाने का काम शुरू कर दिया गया और शवों को जल्दबाजी में वहां से निकाल लिया गया। कितने शव निकाले गए हैं इसकी स्पष्ट जानकारी अभी सामने नहीं आई है। हालांकि वायरल हो रहे एक वीडियो में दो शव दिखाई देने की बात कही जा रही है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

मदद करने का झांसा देकर युवक पर हमला

नौगावां सादात(अमरोहा)। बाइक खराब होने के दौरान युवक पर बाइक सवार लोगों ने हमला कर दिया और बेल्ट से गला घोंटने के प्रयास किया। घटना के बाद घायल युवक को उपचार के लिए निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है। कस्बा नौगावां सादात के मोहल्ला शिकरिया वाला में नदीम का परिवार रहता है। उनके भतीजा मो. फरमान की छह अप्रैल की शादी है। जबकि सात अप्रैल को उनकी बहन की बरात आनी है। मो. फरमान 14 मार्च को दिल्ली से समान लेकर नौगावां सादात लौट रहे थे। फरमान दिल्ली से ट्रेन से अमरोहा स्टेशन तक आए थे। रात करीब 11 बजे जब वह गांव पीलाकुंड के सामने पहुंचे तभी उनकी बाइक अचानक खराब हो गई।फरमान सड़क किनारे मोटरसाइकिल खड़ी कर उसे चेक करने लगे। आरोप है कि इसी दौरान वहां तीन अज्ञात युवक पहुंच गए और फरमान के साथ गाली-गलौज करने लगे। जब फरमान ने उन्हें गाली देने से मना किया तो तीनों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने बेल्ट से उसका गला घोंटकर जान से मारने का प्रयास किया। फरमान के शोर मचाने पर आसपास के घरों से लोग मौके की ओर आने लगे, जिसे देख आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घटना के बाद फरमान मौके पर ही बेहोश हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की।परिजनों ने मोहम्मद फरमान को उपचार के लिए निजी नर्सिंग होम ले गए, जहां उसका इलाज चल रहा है। सीओ अवधभान भदोरिया ने बताया कि मामले में अज्ञात के खिलाफ हत्या की कोशिश समेत कई गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। जल्दी ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

खेत में मिला विवाहिता का शव, दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका

अमेठी , एजेंसी। अमेठी में सोमवार को विवाहिता का शव गेहूं के खेत में पड़ा मिला। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। ग्रामीणों ने बताया कि मृतका होली पर मायके आई थी। सुबह गांव के लोग शौच के लिए गए थे, तब खेत पर उसकी लाश देखी। सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटना स्थल का निरीक्षण करके जानकारी जुटाई। एएसपी ज्ञानेंद्र कुमार सिंह ने भी मौके पर पहुंचकर जानकारी ली। एएसपी ने बताया कि विवाहिता का शव खेत में मिला है। परिजनों की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज करके आगे की कार्रवाई की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

मुरादाबाद में भीषण हादसा, ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुसी तेज रफ्तार कार

बाराबंकी , एजेंसी। सोमवार सुबह मूंढापांडे क्षेत्र के मनकरा मोड़ के पासतेज रफ्तार कार आगे चल रही ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुस गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए।पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। इसके बाद मूंढापांडे सीएचसी पहुंचाया गया। जहां डाक्टरों ने कार सवार पांच युवकों में से चार को मृत घोषित कर दिया।एक युवक गंभीर रूप से घायल है। उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है। सीओ हाईवे राजेश कुमार ने बताया कि हादसे मे दयाल रावत निवासी वीमिला कंपाउंड पालीवाल नैनीताल, अनिल नेगी (38), सुंदर सैनी (42), भुवन भंडारी(37)हल्द्वानी की जान चली गई।चालक यशदीप पांडे निवासी हल्द्वानी गंभीर रूप से घायल हैं। घटना के बाद ट्रैक्टर चालक भाग निकला।

महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी कोट्टायम और केरल कालीकट विवि बनीं विजेता

अलीगढ़ , एजेंसी। राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में आयोजित ऑल इंडिया अंतर विश्वविद्यालय आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप-2026 का रविवार को समापन हो गया। महिला वर्ग (दाहिने हाथ) के मुकाबलों में केरल कालीकट विश्वविद्यालय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। पुरुष चैंपियनशिप में महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी कोट्टायम ओवरऑल चैंपियन बनी। विश्वविद्यालय परिसर स्थित शीला गौतम ऑडिटोरियम में समापन समारोह में विभिन्न वर्गों के मुकाबले हुए। प्रतियोगिता के अंतिम दिन महिला खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबलों को रोमांचक बना दिया। महिला वर्ग (दाहिने हाथ) में केरल कालीकट विश्वविद्यालय ने प्रथम स्थान प्राप्त कर चैंपियनशिप अपने नाम की। वहीं, महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी कोट्टायम द्वितीय स्थान पर रही, जबकि मेजबान राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय को तृतीय स्थान मिला। पुरुष वर्ग में महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी कोट्टायम प्रथम स्थान प्राप्त कर ओवरऑल चैंपियन बनी। मिजोरम विश्वविद्यालय ने दूसरा स्थान हासिल किया। राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय तीसरे स्थान पर रहा। कुलपति प्रो. एनबी सिंह, नेहा सिंह और कुलसचिव प्रबुद्ध सिंह ने विजेता-उपविजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी और मेडल दिए। रेफरी और तकनीकी सहायकों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रतियोगिता संयोजक डॉ. प्रवीण सिंह जादौन, आयोजक सचिव डॉ. शाहनवाज खान, ऑब्जर्वर डॉ. शीमब अजीम, क्रीड़ा समिति उपाध्यक्ष प्रो. केडी वर्मा, मीडिया प्रभारी प्रो. रोली अग्रवाल, ब्रह्मजीत सिंह आदि मौजूद रहे।

हवाओं और बारिश से पूरे प्रदेश में गिरा पारा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ के असर से तराई और पश्चिमी इलाकों में रविवार को मौसम ने अचानक करवट लिया। कई जिलों में सुबह बूंदाबांदी के साथ धूलभरी आंधी चली और कुछ समय के लिए आसमान घने काले बादलों से घिर गया। पश्चिमी जिलों मुजफ्फरनगर, मेरठ, बिजनौर और एनसीआर के गाजियाबाद, नोएडा और राजधानी लखनऊ समेत करीब 15 शहरों में तेज हवा के साथ हल्की बारिश हुई। बारिश के दौरान कई जिलों में हवा की रफ्तार 30 से 40 किमी प्रति घंटे दर्ज हुई।

रविवार को मुजफ्फर नगर में सर्वाधिक 8.2 मिमी बारिश हुई। वहीं मेरठ में 5.1 मिमी, बरेली में 2.5 मिमी, बिजनौर में 2 मिमी बारिश हुई। तराई के कई अन्य जिलों में छिटपुट बूंदें गिरीं। मौसम विभाग ने सोमवार के लिए प्रदेश के पूर्वी हिस्सों समेत लगभग 42 जिलों में गरज-चमक के साथ बूंदाबांदी और 17 जिलों में ओलावृष्टि की संभावना जताई है।

बारिश और तेज हवाओं का असर खेती किसानी पर भी दिखा। कई इलाकों में खड़ी फसलें झुक गईं, जिससे किसानों की चिंता बढ़ी है। हालांकि तापमान में आई गिरावट से लोगों को उमस और बढ़ती गर्मी से कुछ राहत जरूर मिली है।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कारण प्रदेश के कई जिलों में हल्की बारिश का दौर शुरू हो गया है। अगले दो दिनों तक पूर्वी और पश्चिमी क्षेत्रों में बारिश की संभावना है और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। कुछ स्थानों पर ओले गिरने की भी आशंका है। इसके अलावा 19 मार्च से एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है, जिसका असर प्रदेश के मौसम पर व्यापक रूप से पड़ सकता है। मौसम विभाग के अनुसार तीस से अधिक जिलों में आज बारिश और ओले गिरने की संभावना है।

इन इलाकों में है ओलावृष्टि की संभावना : आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच,लखीमपुर खीरी, सीतापुर, अंबेडकर नगर व आसपास के इलाकों में।

वज्रपात की आशंका : प्रतापगढ़, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायू व आसपास के इलाकों में।

केंद्र पर हमारा आदमी है, ब्लू टूथ से पास करा देंगे, मथुरा से पकड़े गए अनुज का खुलासा

मेरठ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश पुलिस की उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा पास कराने का झांसा देकर अभ्यर्थियों से ठगी करने वाले मथुरा के गांव हवेली निवासी अनुज कुमार को मेरठ एसटीएफ ने गिरफ्तार किया है। आरोपी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा है। उसने ठगी के मास्टरमाइंड गोपाल रावत को एक अभ्यर्थी के परिजनों से तीन लाख रुपये एडवांस दिला दिए थे। अब टीम मुख्यारोपी गोपाल की तलाश में जुटी है।

एएसपी ब्रजेश सिंह ने बताया कि आरोपी मुखबिर और सर्विलांस से सूचना मिली थी कि अनुज कुमार राया थाना क्षेत्र के मोहल्ला शिवपुरी रजनी लाइब्रेरी के पास दरोगा भर्ती परीक्षा में पास कराने के नाम पर अभ्यर्थियों से पैसा लेने के लिए अपने साथी के साथ खड़ा है। उपनिरीक्षक संजय कुमार के साथ टीम ने शनिवार रात 8:40 बजे मौके पर पहुंचकर अनुज कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में अनुज ने एसटीएफ को बताया कि कोचिंग के दौरान उसकी मुलाकात गोपाल रावत से हुई थी। गोपाल ने उसे बताया था कि वह भर्ती परीक्षा में पास कराने का काम करता है। गोपाल ने उसे बताया था कि परीक्षा पास कराने के लिए प्रति अभ्यर्थी से 22 लाख रुपये लिए जाएंगे। परीक्षा से पहले तीन लाख रुपये व परीक्षा के बाद पांच लाख रुपये अभ्यर्थी के मूल शैक्षणिक प्रमाण पत्र, खाली चेक और शपथ-पत्र भी लेना होगा।

गोपाल की बातों में आकर अनुज कुमार ने अभ्यर्थियों की तलाश शुरू कर दी थी। अनिल नाम के अभ्यर्थी से अनुज की बात हो गई थी। उसने अपना प्रवेश-पत्र व्हाट्सएप पर भेज दिया था। अनिल की शनिवार को हाथरस के महात्मा गांधी कॉलेज में द्वितीय पाली में परीक्षा थी। अनिल के परिजन उसके पास आए थे।

गोपाल उनसे पैसा व अन्य कागजात लेकर चला गया था। अनुज ने टीम को बताया कि गोपाल उसके हिस्से के पैसे देने आने वाला था। वह उसी का इंतजार कर रहा था। आरोपी के पास से एक श्यामवीर सिंह नाम के अभ्यर्थी का भी प्रवेश पत्र मिला है। उसकी परीक्षा रविवार को सासनी के महेश्वर इंटर कॉलेज में थी। इन दोनों अभ्यर्थियों व इनके परिजनों से भी टीम पूछताछ कर रही है।

कानपुर में अधिवक्ता चेंबर के बाहर पता नहीं क्यों फांसी पर लटक गया मुंशी, जांच शुरू

सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां एक वकील का मुंशी फांसी पर लटक गया। उसने आत्महत्या की इस घटना को कचहरी परिसर में अधिवक्ता के चैंबर के बाहर लगी रेलिंग के सहारे अंजाम दिया। पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। घटना की वजह अभी तक पता नहीं चल पाई है। पुलिस मामले की जांच में लगी है।

घटना के बारे में प्राप्त विवरण के मुताबिक हरबंश मोहाल दानाखोरी निवासी 39 वर्षीय आदित्य विक्रम शर्मा अधिवक्ता मयंक गोयल के यहां 15 साल से मुंशी का काम कर रहे थे। परिवार में बड़ा भाई राम विक्रम शर्मा, अभिजीत विक्रम व एक शादीशुदा बहन गीतांजलि है।

वहीं दूसरी ओर मौके पर पहुंची पुलिस को भाई अभिजीत ने बताया कि रविवार शाम आदित्य कुछ देर में घर आने की बात कहकर निकले थे, इसके बाद वह घर नहीं आए। इसी के बाद आदित्य के फांसी लगाकर आत्महत्या करने की जानकारी मिली।

उसे सबसे पहले फांसी पर लटके हुएएक चायवाले ने देखा था , जिसके बाद उसने इसकी सूचना पुलिस को दी। परिजनों के मुताबिक आदित्य पिछले तीन दिनों से किसी बात को लेकर काफी परेशान थे, लेकिन यह वजह क्या थी । इस बारे में किसी को कोई जानकारी नहीं है। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच की जा रही है।

काली स्कॉर्पियो, ऊंचा कद: जानें कौन है सुमेर मीणा, जिसकी तलाश में जुटी आगरा पुलिस; राजस्थान का है निवासी

आगरा, एजेंसी। पर्यटकों को ठगने वाला सवाई माधोपुर गिरोह अब यूपी पुलिस भर्ती में पेपर लीक का झांसा देकर अभ्यर्थियों से वसूली कर रहा था। एसटीएफ ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि गिरोह का सरगना अभी फरार है और उसकी तलाश जारी है।

बाह और राजस्थान के भरतपुर में पर्यटकों को ठगने वाले सवाई माधोपुर गिरोह ने अब पुलिस भर्ती में सेंध लगाई है। उत्तर प्रदेश दरोगा सीधी भर्ती 2025 (नागरिक पुलिस) में तीन आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद यह जानकारी सामने आई है। आरोपियों ने टेलीग्राम पर ग्रुप बनाकर पेपर लीक होने की अफवाह फैलाई और प्रश्नपत्र फर्जी तरीके से उपलब्ध कराकर वसूली की। गिरोह के सरगना सुमेर मीणा को पुलिस अब तक नहीं पकड़ सकी है।

राजस्थान के सवाई माधोपुर से एसटीएफ आगरा यूनिट की टीम ने तीन आरोपियों सुमित मीणा, साहिल और साजिद को गिरफ्तार किया था। प्रश्नपत्र देकर वसूली के लिए टेलीग्राम पर तीन ग्रुप बनाए गए थे। ग्रुप के माध्यम से आवेदकों को जोड़ लिया गया। 10 से 12 हजार रुपये लेकर प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने की बात कही गई थी।

एसटीएफ सवाई माधोपुर पहुंची। साइबर क्राइम थाना के सीओ जयप्रकाश और उनकी टीम से संपर्क किया। इसके बाद आरोपी पकड़े गए। एसटीएफ टीम के प्रभारी यतेंद्र शर्मा ने बताया कि आरोपियों के गिरोह का सरगना सुमेर मीणा है। वह साइबर ठगी में एक्सपर्ट है। इलाके में कई गैंग सक्रिय हैं जो लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। इन दिनों गिरोह पर्यटन स्थलों में घूमने आने वाले पर्यटकों को शिकार बना रहा था।

पर्यटन स्थल से मिलते-जुलते ऑनलाइन टिकट के पोर्टल, होटल बुकिंग की फर्जी साइट और रेस्तरां के बार कोड बनाकर ठगी करते हैं। पर्यटक के खाते से रकम कट जाने पर उसे ठगी की जानकारी होती है। शिकायत नहीं होने से आरोपियों को फायदा मिल जाता है।

नौकरी न पाने से करने लगा ठगी

एसटीएफ के मुताबिक, सवाई माधोपुर के कई गांव में बेरोजगार युवा इसी काम में लगे हुए हैं। भागा हुआ आरोपी सुमेर मीणा जयपुर में एसएससी की तैयारी करने गया था। मगर भर्ती नहीं हो सका। वह गांव में महंगी गाड़ियों में घूमता है। महंगे शौक रखता है। इसलिए उसने ठगी का तरीका सीख लिया। जयपुर में उसका संपर्क कोचिंग में पढ़ने वाले कई विद्यार्थियों से हो गया था। आरोपी ने युवाओं से यह कह रखा था कि उत्तर प्रदेश में उसकी पहचान है। वह पुलिस भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र दिलवा देगा। फर्जी आईडी से खाते खुलवाए। इन खातों में ही रकम वसूली जा रही थी। पेपर से अब तक 10 लाख रुपये जमा कर लिए थे।

बेदम हुआ आलू..कंपनियों ने खींचे हाथ, आधे रह गए दाम

अलीगढ़ , एजेंसी। अलीगढ़। ज्यादा रकबा, बंपर पैदावार, ऊपर से वैश्विक बाजार की चुनौतियों के बीच आलू के चिप्स और पाऊडर बनाने वाली कंपनियों ने हाथ खींच लिए हैं। ऐसे में आलू के दाम पिछले साल के मुकाबले आधे रह गए हैं। किसानों की लागत भी निकलने की स्थिति नहीं बन रही है। घाटे की स्थिति देख किसान परेशान हैं।

आलू की फसल पिटने व भाव गिरने की हताशा इगलास क्षेत्र के गांव बढ़ाकलां निवासी विकास सह नहीं पाया और शुक्रवार को हाथरस में ट्रेन से कटकर जान दे दी। पिता राजपाल सिंह ने बताया कि विकास ने 10 हजार रुपये प्रति बीघा की दर से अपने चाचा की 16 बीघा जमीन पट्टे पर ली थी। कुल एक लाख 60 हजार रुपये देने थे। कर्जा भी लिया था। आलू खोदाई के लिए मजदूरी, वारदाना का पैसा भी देना था।

विकास ने कोल्ड स्टोर स्वामियों से एडवांस मांगा,लेकिन मंदी के चलते उन्होंने पैसा देने से मना कर दिया।बाजार में भी रेट आधा है, बाहर से आने वाली कंपनियां भी इस बार खरीद करने नहीं आ रही है। इसके चलते वह तनाव में था। हालांकि एसडीएम इगलास परितोष मिश्रा का कहना है कि प्रथम दृष्टया पारिवारिक तनाव से जुड़ा मामला लग रहा है, राजस्व निरीक्षक से प्रकरण की जांच रिपोर्ट मांगी गई है तदनुसार सम्यक कार्रवाई की जाएगी।

भले ही सही वजह जांच का विषय है, लेकिन इस बार आलू की फसल किसानों की कमर तोड़ रही है।अतरौली क्षेत्र के गांव चितावनी निवासी किसान देवेंद्र चौधरी का कहना है कि आलू का कट्टा पिछले साल इन दिनों में 500 रुपये प्रति कट्टा (50 किलोग्राम) बिक रहा था, बाद में 600-700 रुपये तक पहुंचा था। इस बार 200से 250में बिक रहा है। गुल्ला और किर्री (छोटे साइज के आलू) को तो कोई पूछ तक नहीं रहा।जिले में भी भाव अलग-अलग चल रहा है। अतरौली में खैर के मुकाबले भाव 100 रुपये अधिक है। गांव एदलपुर निवासी किसान बृजपाल सिंह बताते हैं कि पिछले साल 700 रुपये प्रति कट्टा की दर से कोल्ड स्टोर में आलू रखा था, लेकिन इस बार 300 से 350 की दर पर रख रहे हैं। गांव नहल निवासी बनवारी लाल गौड़ और सिरसा निवासी लटूरी सिंह का भी कहना है कि आलू ने इस बार किसानों को रुला दिया है। लागत तक नहीं निकल रही है।

अकराबाद क्षेत्र के गांव मनीपुर निवासी किसान निवेश बघेल की पीड़ा है कि उन्होंने पट्टे पर खेत लेकर आलू बोया था। एक तो सही दाम नहीं मिल रहा है और ऊपर से कोल्डस्टोरेजों में आलू रखने के लिए भी मशक्कत करनी पड़ रही है।

अलीगढ़ में किसान भाव बढ़ने की उम्मीद में आलू कोल्ड स्टोर में रख रहे हैं, जबकि हाथरस में किसान बाद में भाव न गिर जाए, इस आशंका के चलते मंडियों का रुख कर रहे हैं। अलीगढ़ अधिकांश कोल्ड स्टोर भर गए हैं।खैर निवासी आनंद शर्मा मोनू ने बताया कि उनके कोल्ड स्टोरेज की लगभग 12 लाख पैकेट रखने की क्षमता है और कोल्ड स्टोरेज भर गए हैं, यही स्थिति अन्य कोल्ड स्टोरेज की भी है।

बिना पैन नंबर कैसे हुई दस हजार करोड़ की रजिस्ट्री? आयकर विभाग की रडार पर भ्रष्टाचार की फाइलें

आगरा, एजेंसी। आगरा के फतेहाबाद रोड, शास्त्रीपुरम और किरावली क्षेत्र में पिछले पांच साल में हुई करीब 10 हजार करोड़ रुपये की जमीन रजिस्ट्री आयकर विभाग की जांच के दायरे में आ गई है। सर्वे में बिना पैन नंबर और जरूरी दस्तावेजों के रजिस्ट्री होने के संकेत मिलने के बाद अधिकारियों की भूमिका भी संदिग्ध मानी जा रही है।

आगरा के विस्तार के साथ ही पिछले पांच साल में फतेहाबाद रोड, शास्त्रीपुरम और किरावली क्षेत्र में हुए शहरीकरण के दौरान हुई हजारों जमीनों की रजिस्ट्री आयकर विभाग के रडार पर आ गई हैं। विभाग इन तीनों क्षेत्रों की करीब दस हजार करोड़ रुपये की रजिस्ट्री की जांच में जुट गया है। विभाग ने यह कवायद किरावली व सदर तहसील स्थित सब रजिस्ट्रार कार्यालयों पर किए गए सर्वे के बाद शुरू की है। सर्वे में पिछले पांच साल में हुई रजिस्ट्री में बड़े पैमाने पर पैन व अन्य दस्तावेज न होने और रजिस्ट्री के अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध मिली थी।

दरअसल, तीनों ही जगह सर्वे में पता चला कि सब रजिस्ट्रार बिना पैन नंबर दर्ज किए व पैन न होने की दशा में निर्धारित फॉर्म भराए बिना ही धड़ल्ले से रजिस्ट्री करा रहे थे। शहर में शामिल हुए इन क्षेत्रों में जमीनों के सबसे ज्यादा और महंगे आवासीय व व्यावसायिक सौदे हुए। आयकर विभाग को आशंका है कि रजिस्ट्री कराने में खेल कर करोड़ों रुपये की आयकर चोरी की गई है। विभाग ने सर्वे के दौरान सारा डाटा अपने पास कॉपी कर लिया था।

चूंकि आयकर सर्वे के बाद भी एसआरओ-2 कार्यालय ने अभी भी कोई जानकारी नहीं दी है। वहीं, एसआरओ -5 व एसआरओ किरावली कार्यालय ने भी पूरी जानकारी साझा नहीं की है। ऐसे में अधिकारियों की भी भूमिका संदिग्ध लग रही है। सब-रजिस्ट्रार के डाटा को खंगालकर रैंडम आधार पर संपत्तियों के मालिकों की जानकारी जुटाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। नाम न लिखने की शर्त पर विभाग के एक उच्चाधिकारी ने बताया कि सब रजिस्ट्रार कार्यालय के अधिकारियों की भूमिका की अलग से जांच के लिए स्टांप एवं पंजीयन विभाग से संपर्क साधा गया है।

दरोगा भर्ती परीक्षा से सॉल्वर गिरफ्तार, बायोमेट्रिक में गड़बड़ी से पकड़ा गया आरोपी

वाराणसी। दरोगा भर्ती परीक्षा में रविवार की सुबह पहली पाली में लक्सा पुलिस ने सनातन धर्म इंटर कॉलेज, नई सड़क से सॉल्वर विमलेश कुमार को गिरफ्तार किया। सोनभद्र के झारोकला कटोली निवासी अभ्यर्थी पवन कुमार की जगह पर विमलेश कुमार परीक्षा दे रहा था। बायोमेट्रिक में गड़बड़ी के आधार पर आरोपी को पकड़ा गया। वह फिरोजाबाद गढ़सन के नासिरपुर फतेहपुर का निवासी है। उसके कब्जे से कूटरचित आधार कार्ड, प्रवेश पत्र समेत अन्य दस्तावेज बरामद किए गए हैं।

जल पुलिस प्रभारी राजकिशोर पांडेय ने लक्सा पुलिस को बताया कि दरोगा सीधी भर्ती परीक्षा के तहत सनातन धर्म इंटर कॉलेज, नई सड़क परीक्षा केंद्र में प्रभारी के रूप में मौजूद था। प्रथम पाली परीक्षा के दौरान पवन कुमार नामक परीक्षार्थी परीक्षा केंद्र में परीक्षा देने के लिए आया था। पवन के बायोमेट्रिक की कार्यवाही पूरी होने के बाद उसे परीक्षा में बैठाया गया।

इस दौरान परीक्षा लखनऊ बोर्ड से यूपी पुलिस एसआई सीधी भर्ती परीक्षा नोडल अधिकारी को ई-मेल से जानकारी दी गई कि पवन कुमार नामक व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति के नाम से परीक्षा दे रहा है। वाराणसी नोडल अधिकारी से मिली जानकारी के बाद पवन कुमार से पूछताछ की गई।

आधार कार्ड ई-केवाईसी के माध्यम से पता चला कि उसके मूल आधार कार्ड में विमलेश कुमार पाया गया, जबकि परीक्षा के दौरान प्रस्तुत आधार कार्ड व प्रवेश पत्र में पवन कुमार नाम था। आरोपी विमलेश कुमार फर्जी अभ्यर्थी के रूप में परीक्षा दे रहा था और कूटरचित आधार कार्ड, प्रवेश पत्र व अन्य दस्तावेजों का इस्तेमाल कर रहा था। लक्सा थाना प्रभारी राजू कुमार ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज की गई है। विवेचना के आधार पर परीक्षार्थी समेत अन्य आरोपियों की भी गिरफ्तारी की जाएगी।

गंगा एक्सप्रेसवे का निर्माण लगभग पूरा, मेरठ से प्रयागराज का सफर होगा आसान

स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के सीईओ मनोज कुमार ने कमिश्नर-डीएम के साथ गंगा एक्सप्रेसवे का निरीक्षण किया

मेरठ, एजेंसी। स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के सीईओ मनोज कुमार ने कमिश्नर-डीएम के साथ गंगा एक्सप्रेसवे का निरीक्षण किया। तीसरे चरण में मामूली काम ही पूरा होना बाकी है। बताया जा रहा है कि दो माह में यह आम यात्रियों के लिए खोल दिया जाएगा। प्रयागराज-मेरठ के बीच 594 किमी लंबे गंगा एक्सप्रेसवे का निर्माण लगभग पूरा हो गया है। रविवार को स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के सीईओ मनोज कुमार ने मेरठ में निरीक्षण के बाद यह जानकारी दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि एक्सप्रेसवे को शीघ्र ही जनता के लिए खोल दिया जाएगा।

मेरठ पहुंचे सीईओ ने मंडलायुक्त भानुचंद्र गोस्वामी और डीएम डॉ. वीके सिंह के साथ गंगा एक्सप्रेस-वे के निर्माण की प्रगति के साथ ही औद्योगिक गलियारा विस्तार और टोल प्लाजा की तकनीक के बारे में जानकारी ली। उन्होंने खड़खड़ी टोल प्लाजा पर अशोक के पौधे भी लगाए। सीईओ ने बताया कि तीसरे चरण में केवल एक्सप्रेसवे की साइड की दीवार का मामूली काम अधूरा है। यह काम भी एक माह के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। मेरठ जिले में 22 किमी एक्सप्रेसवे अक्तूबर 2025 में ही पूरा हो गया था। बिजौली के निकट खड़खड़ी में टोल प्लाजा भी बनकर तैयार है और इसका परीक्षण भी हो चुका है। छह लेन वाले इस एक्सप्रेसवे का विस्तार कर आठ लेन का किया जा सकेगा। मेरठ से बदायूं तक के प्रथम सेक्टर में 130 किलोमीटर की लंबाई में 129 किलोमीटर का काम पूरा हो चुका है।

एक्सप्रेसवे पर चार जगह लड़ाकू विमानों के लिए हवाई पट्टियां : गंगा एक्सप्रेसवे पर केवल वाहन ही नहीं दौड़ेंगे, बल्कि आपातकाल की स्थिति में लड़ाकू विमानों को भी उतारा जा सकेगा। इस एक्सप्रेसवे पर चार स्थानों पर लड़ाकू विमानों के उतरने के लिए हवाई पट्टियां बनाई जा रही हैं। इनमें से शाहजहांपुर के जलालाबाद में 3.5 किलोमीटर लंबी पट्टी तैयार कर दी गई है। एक्सप्रेसवे पर वाहनों की रफ्तार की सीमा 120 किलोमीटर प्रति घंटे रखी जाएगी। तीसरे चरण के अधूरे काम को तेजी से पूरा किया जा रहा है। सीईओ ने यूपीडा की परियोजना क्रियान्वयन इकाई के परियोजना निदेशक राकेश मोघा और गंगा एक्सप्रेसवे की संचालन एजेंसी आईआरबी के मुख्य प्रबंधक अनूप सिंह से एक्सप्रेसवे की प्रगति की जानकारी जानी। उन्होंने टोल पर बिना बैरियर के वाहनों के प्रवेश को लेकर अपनाई जा रही तकनीक को भी जाना।

गंगा एक्सप्रेसवे पर बिजौली के निकट खड़खड़ी में बनाए गए टोल प्लाजा पर वाहनों का प्रवेश बिना बैरियर के ही होगा। यह एक अत्याधुनिक तकनीक है, जिसके तहत वाहनों को टोल प्रवेश के लिए रुकना नहीं पड़ेगा। यह जानकारी आईआरबी के मुख्य महाप्रबंधक अनूप सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में निकास के दौरान भी इसी प्रकार टोल कट जाएगा। इस नई व्यवस्था से गंगा एक्सप्रेसवे पर टोल प्लाजा पर वाहनों की लंबी लाइन नहीं लगेगी।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

धारचूला में रंग पुस्तकालय का नवीनीकरण शुरू, पंचशूल ब्रिगेड की पहल

पिथौरागढ़/धारचूला। पंचशूल ब्रिगेड के कमांडर द्वारा सीमान्त क्षेत्र धारचूला में ऐतिहासिक रंग पुस्तकालय के नवीनीकरण का शुभारंभ किया गया। इस पहल का उद्देश्य सीमांत क्षेत्रों धारचूला में ज्ञान, शिक्षा और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देना है। कुमाऊँ क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जुड़ा रंग पुस्तकालय लंबे समय से स्थानीय समुदाय, विद्यार्थियों और युवाओं के लिए अध्ययन एवं ज्ञान का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। इसके नवीनीकरण के माध्यम से पुस्तकालय को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाएगा, जिससे स्थानीय लोगों को बेहतर अध्ययन वातावरण और अधिक संसाधन उपलब्ध हो सकें। भारतीय सेना की यह पहल केवल अवसंरचना के विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्रों में शिक्षा के प्रसार और युवाओं को प्रेरित करना भी है। पंचशूल ब्रिगेड द्वारा उठाया गया यह कदम भारतीय सेना की "राष्ट्र निर्माण में सहभागिता" की भावना को सुदृढ़ करता है और समाज के साथ उसके मजबूत संबंधों को दर्शाता है।

समदड़ी-मुनाबाव रेलखंड पर अब 110 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड से दौड़ेंगी ट्रेनें

जोधपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल में ट्रैक सुधार के महत्वपूर्ण कार्य को गति देते हुए समदड़ी-मुनाबाव रेल सेक्शन के तिलवाड़ा-गोल खंड में लंबे समय से लागू स्थाई गति प्रतिबंध (पीएसआर) हटा दिया गया है। ट्रैक में तकनीकी सुधार के बाद अब इस कर्व से ट्रेनें 110 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से गुजर सकेंगी। मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि पहले इस कर्व पर ट्रेनों की अधिकतम गति 95 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित थी।

ट्रैक सुधार और कर्व के पुनर्संरेखण के बाद इसे बढ़ाकर 110 किलोमीटर प्रति घंटा कर दिया गया है। इससे इस सेक्शन में ट्रेनों का संचालन अधिक तेज, सुरक्षित और सुचारू होगा। इस कार्य के लिए रविवार को दोपहर 1.35 बजे से शाम 7.05 बजे तक ट्रैफिक ब्लॉक लिया गया। ब्लॉक के समय यहां लगे चार ओएचई मास्ट हटाए गए और उनके फाउंडेशन को जेसीबी ब्रेकर से तोड़ा गया। इसके बाद डुओमैटिक मशीन से ट्रैक की टैम्पिंग कर लाइन का अलाइनमेंट सुधारा गया, जिससे ट्रैक पहले से अधिक मजबूत और संतुलित हो गया। तकनीकी सुधार के तहत कर्व नंबर-17 को 12.51 मीटर तक खिसकाया गया, जिससे इसका घुमाव 3 डिग्री से घटकर 1.96 डिग्री रह गया। कर्व का घुमाव कम होने से ट्रेनों के लिए इस हिस्से से गुजरना अधिक सुरक्षित और आसान हो गया है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार ऐसे ट्रैक सुधार कार्यों से ट्रेनों की गति, सुरक्षा और समयपालन में सुधार होता है। यह कार्य बिजली शाखा (कर्षण) और परिचालन विभाग के समन्वय से ट्रैफिक ब्लॉक लेकर सफलतापूर्वक पूरा किया गया। डीआरएम ने कहा कि जोधपुर मंडल रेलवे प्रशासन यात्रियों की सुविधा और सुरक्षित रेल संचालन के लिए लगातार ट्रैक आधुनिकीकरण और तकनीकी सुधार के कार्य कर रहा है। इसके लिए उन्होंने इंजीनियरिंग व बिजली शाखा की टीम के समन्वित कार्य की सराहना की है।

नैनीताल में 20 घंटों से विद्युत आपूर्ति ध्वस्त

नैनीताल। जनपद एवं मंडल मुख्यालय नैनीताल में विद्युत व्यवस्था अब भी प्रकृति के कोप पर निर्भर है। हल्की बारिश भी यहां विद्युत आपूर्ति और उसके साथ पेयजल की आपूर्ति के साथ ही अन्य सेवाएं भी बाधित हो जाती है। नगर में रविवार की सुबह के बाद रात्रि में फिर हुई बारिश व ओलावृष्टि के साथ कई स्थानों पर पेड़ और उनकी शाखाओं के गिरने से यातायात व्यवस्था के साथ विद्युत आपूर्ति ध्वस्त हो गयी और लगभग 20 घंटों के बाद भी सोमवार शाम तक आपूर्ति बहाल नहीं हो पायी है। इस कारण नगर में पेयजल की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है, साथ ही बिजली पर निर्भर अन्य सुविधाएं भी प्रभावित हुई हैं। लोग जरूरी कागजातों के फोटो स्टेट करने के लिये भी इधर-उधर भटकने को मजबूर रहे। जबकि विद्युत कर्मी दिन भी बिजली की क्षतिग्रस्त पारेषण लाइनों में आई खराबी को ढूंढने में जुटे रहे। विद्युत वितरण खंड नैनीताल के उप खंड अधिकारी पर्यंक पांडे ने बताया कि कमी को तलाशने की भरसक कोशिश की जा रही है। फिलहाल पूरे नगर में विद्युत आपूर्ति बाधित है। अग्निशमन एवं आपात सेवा केंद्र मल्लीताल की टीम ने सोमवार को दो स्थानों पर सड़क पर गिरे पेड़ों को हटाकर यातायात सुचारु कराया। अग्निशमन विभाग के अनुसार सोमवार को भवाली मार्ग पर भूमियाधार और हल्द्वानी मार्ग पर बेलुवाखान और बल्दियाखान क्षेत्र के पास एक-एक विशाल पेड़ सड़क पर गिरने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही फायर यूनिट मौके पर पहुंची और वुड कटर की सहायता से पेड़ को काटकर मार्ग से हटाया, जिससे यातायात सुचारु किया गया। इसके अतिरिक्त पुलिस लाइन नैनीताल के पास भी एक बड़ा पेड़ सड़क पर गिरने की सूचना प्राप्त हुई। अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची लेकिन इससे पहले ही वन विभाग की टीम पेड़ को काटकर मार्ग से हटाकर यातायात पहले ही सुचारु कर चुकी थी।

पांच तहसीलों में आपदा पूर्वाभ्यास मॉक ड्रिल कल

नैनीताल। जनपद में मंगलवार 17 मार्च को आपदा पूर्वाभ्यास मॉक ड्रिल का आयोजन होने जा रहा है। इसकी तैयारियों को लेकर नैनीताल के अपर जिलाधिकारी शैलेन्द्र सिंह नेगी ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से परगना मजिस्ट्रेटों, तहसील अधिकारियों तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि मॉक ड्रिल के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल, रिस्पॉन्स टाइम की जांच, जन-जागरूकता तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय सुनिश्चित किया जाए, ताकि वास्तविक आपदा की स्थिति में प्रभावी प्रतिक्रिया दी जा सके। सभी विभाग अपने निर्धारित दायित्वों का निर्वहन करते हुए अभियान को सफल बनाएं और तहसीलों में स्थापित सैटेलाइट फोन को भी सक्रिय स्थिति में रखें। उन्होंने बताया कि 17 मार्च को प्रातः 10.30 बजे से जनपद की पांच तहसीलों में आपदा घटनाक्रम पर आधारित मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी। इसके तहत कैंचीधाम तहसील में मंदिर परिसर, खनस्यू में ओसाड़ बैंड ओखलकांडा और करायल के बीच, कालाढूंगी में रेंजर कार्यालय के समीप वन क्षेत्र, हल्द्वानी में कलसिया नाला क्षेत्र तथा नैनीताल में चार्टन लॉज मल्लीताल और नैनी झील के निकट बोट हाउस के पास मॉक ड्रिल की जाएगी। बताया कि मॉक ड्रिल के बाद कमियों की समीक्षा भी की जाएगी। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में राजस्व, अग्निशमन, चिकित्सा, परिवहन, आपूर्ति, लोक निर्माण विभाग, विद्युत, संचार, पशुपालन, वन, पंचायत, होमगार्ड सहित सेना, आईटीबीपी, आईआरबी और सीआरपीएफ के अधिकारी भी शामिल रहे।

एचपीवी टीकाकरण में ढिलाई बर्दाश्त नहीं: कलेक्टर सख्त, कम प्रगति वाले बीएमओ पर निलंबन की चेतावनी

सागर। महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाने के लिए मध्य प्रदेश के सागर जिले में चलाए जा रहे एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान को लेकर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपना लिया है। कलेक्टर संदीप जीआर ने स्पष्ट किया है कि इस राष्ट्रीय महत्व के अभियान में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सोमवार को आयोजित समय सीमा (टीएल) बैठक में ब्लॉकवार प्रगति की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने पाया कि कुछ क्षेत्रों में टीकाकरण की रफ्तार संतोषजनक नहीं है। इस पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि जिन ब्लॉक मेडिकल ऑफिसरों (बीएमओ) के क्षेत्र में लक्ष्य के अनुसार कार्य नहीं हो रहा है या जो अभियान में रुचि नहीं ले रहे हैं, उनके विरुद्ध तत्काल निलंबन की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाने के लिए कलेक्टर ने रणनीति में बदलाव के निर्देश भी दिए। इसके तहत जिले के स्कूलों और छात्रावासों को मुख्य टीकाकरण केंद्र बनाया जाएगा, ताकि पात्र किशोरियों तक सीधे पहुंच बनाई जा सके। इस संबंध में संयुक्त कार्ययोजना तैयार करने की जिम्मेदारी जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ), जिला परियोजना अधिकारी (डीपीसी) और अनुसूचित जाति-जनजाति कल्याण विभाग के उपायुक्त को सौंपी गई है।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में लैंडस्लाइड, एक की मौत

भारी बर्फबारी में फंसे 235 लोगों को सेना ने बचाया, ओडिशा में बवंडर से 2 की जान गई

एजेंसी, नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/लखनऊ

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में भारी बर्फबारी के बीच एक हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट के पास हुए लैंडस्लाइड हुई। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक घायल हो गया। इसी बीच, सेना ने भारी बर्फबारी के कारण किश्तवाड़ के सिंथन टॉप इलाके में फंसे महिलाएं और बच्चे सहित 235 लोगों को रेस्क्यू किया। खराब मौसम और भारी बर्फबारी के कारण कई वाहन रास्ते में फंस गए थे। इधर, हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति में बर्फ देखने गए टूरिस्ट पूरी रात अटल टनल रोहतांग में फंसे रहे। बर्फबारी के कारण सड़क पर फिसलन बढ़ने से ट्रैफिक रोक दिया गया था। टनल में करीब हजार गाड़ियां फंसी थीं।

इधर, सिक्किम के कई इलाकों में रविवार देर शाम तूफान के साथ मूसलाधार बारिश हुई। कई जगहों पर बड़े-बड़े पेड़ और बिजली पोल तक गिर गए। रकडोंग काफर इलाके में पेड़ गिरने से एक महिला की मौत हो गई। ओडिशा के मयूरभंज जिले में भी एक बवंडर ने भारी तबाही मचाई। इसमें दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 से ज्यादा लोग घायल हो गए। तेज तूफान के कारण 70 से ज्यादा घरों को नुकसान पहुंचा है।

यूपी, बिहार सहित 6 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट: मौसम विभाग ने देश के उत्तर, पूर्वोत्तर, दक्षिण के 25 राज्यों में सोमवार को आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। हालांकि उत्तराखंड, यूपी, बिहार, झारखंड, बंगाल और ओडिशा में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। इन राज्यों में 40–50kmph की रफ्तार से हवा चल सकती है। साथ ही ओले भी गिर सकते हैं। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर भारत के ऊपर एक्टिव पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी के कारण आंधी, बारिश, तूफान और ओले गिरने की घटनाएं हो रही हैं। मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, तमिलनाडु, पुडुचेरी में मौसम को लेकर कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। हालांकि यहां गर्मी का असर रहेगा। तापमान 35°C से 40°C के बीच रह सकता है। रविवार को महाराष्ट्र का अमरावती देश में सबसे ज्यादा गर्म रहा, यहां तापमान 40.6°C दर्ज किया गया।

जंग के बीच पहला भारतीय जहाज एलपीजी लेकर पहुंचा

एजेंसी, तेल अवीव/तेहरान

❐ शिवालिक शिप पर 32.4 लाख घरेलू सिलेंडर जितनी गैस, कल नंदा देवी और जग लाडकी शिप पहुंचेंगे

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी जंग के बीच LPG कैरियर जहाज शिवालिक कतर से गैस लेकर भारत पहुंच गया है। यह जहाज सोमवार शाम 5 बजे गुजरात के मुंद्रा पोर्ट पर पहुंचा। यह जहाज 14 मार्च को होर्मुज स्ट्रेट पार कर भारत की ओर रवाना हुआ था। मिडिल-ईस्ट में जारी संघर्ष के बीच यह भारत पहुंचने वाला पहला LPG जहाज है। शिवालिक जहाज पर करीब 46 हजार मीट्रिक टन LPG लदी है, जो लगभग 32.4 लाख घरेलू गैस सिलेंडरों के बराबर बताई जा रही है। शिपिंग मंत्रालय के मुताबिक दो और जहाज कल भारत पहुंच रहे हैं। पहला जहाज नंदा देवी करीब 46 हजार टन LPG लेकर आ रहा है, वहीं दूसरा जहाज जग लाडकी करीब 81 हजार टन कच्चा तेल लेकर आ रहा है।

ट्रम्प बोले- ईरान मामले में मदद नहीं मिली तो NATO का भविष्य खराब होगा: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अगर सहयोगी देश ईरान मामले में मदद नहीं करते तो NATO का भविष्य खराब हो सकता है। फाइनेंशियल टाइम्स को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि अगर सहयोगी देश होर्मुज स्ट्रेट को खुला रखने में मदद नहीं करते, तो गठबंधन की स्थिति कमजोर हो सकती है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने यूक्रेन की मदद की, जबकि वह उससे हजारों मील दूर है, अब यह देखना होगा कि सहयोगी देश अमेरिका की मदद करते हैं या नहीं। इस बीच जर्मनी ने साफ कर दिया है कि वह ईरान से जुड़े युद्ध में शामिल नहीं होगा और न ही सैन्य बल के जरिए होर्मुज स्ट्रेट को खुला रखने के किसी अभियान में हिस्सा लेगा। ग्रीस के सरकारी प्रवक्ता पावलोस मारिनाकिस ने भी कहा कि उनका देश होर्मुज स्ट्रेट में किसी सैन्य कार्रवाई में शामिल नहीं होगा।

बंगाल में चुनाव से पहले मुख्य सचिव-डीजीपी को हटाया

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के दूसरे ही दिन चुनाव आयोग ने 6 अफसरों का तबादला कर दिया। आयोग ने पीयूष पांडे की जगह सिद्धनाथ गुप्ता को DGP बनाया है। वहीं, आयोग ने राज्य की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती को पद से हटा दिया है। उनकी जगह 1993 बैच के IAS दुष्मंत नारियाला को नया मुख्य सचिव नियुक्त किया है। सुप्रतिम सरकार की जगह अजय कुमार नंद को कोलकाता पुलिस कमिश्नर बनाया गया है।

साथ ही राज्य के गृह सचिव जगदीश प्रसाद मीणा की जगह 1997 बैच की IAS अफसर संघमित्रा घोष को गृह सचिव बनाया गया है। चुनाव आयोग के आदेश के मुताबिक यह निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। नटराजन रमेश बाबू को सुधार सेवा महानिदेशक बनाया गया है। अजय मुकुंद रानाडे को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक और IGP (कानून-व्यवस्था) का पद दिया गया है।

आदेश में कहा गया है कि जिन अधिकारियों का ट्रांसफर किया गया है, उन्हें चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक किसी भी चुनाव से जुड़े पद पर तैनात नहीं किया जाएगा। चुनाव आयोग ने रविवार को बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान किया। बंगाल की 294 सीटों पर 2 फेज में 23 और 29 अप्रैल को वोटिंग होगी। 4 मई को रिजल्ट आएगा।

वांगचुक की रिहाई के दो दिन बाद लेह में रैली

एजेंसी, लेह (लद्दाख)

♦ कारगिल बंद रहा, सितंबर 2025 में हिंसक प्रदर्शन में 4 लोगों की मौत हुई थी

लद्दाख के लेह शहर में सोमवार को कड़ी सुरक्षा के बीच सैकड़ों लोगों ने रैली निकाली। वहीं कारगिल में बंद रखा गया। यह रैली पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की रिहाई के दो दिन बाद हुई। सितंबर 2025 में लेह में हिंसक प्रदर्शन हुआ था। इसमें पुलिस फायरिंग में 4 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद यह पहली रैली है। यह बंद और रैली लेह एपेक्स बॉडी (LAB) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (KDA) के आह्वान पर किया गया। इन संगठनों की मुख्य मांगें लद्दाख को राज्य का दर्जा देना और उसे संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करना हैं। वांगचुक को करीब छह महीने तक राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (NSA) के तहत हिरासत में रखा गया था। केंद्र सरकार ने शनिवार को घोषणा की कि सभी पक्षों के साथ रचनात्मक और सार्थक बातचीत को आसान बनाने के लिए वांगचुक की हिरासत समाप्त की जा रही है।

पुलिस फायरिंग में मारे गए लोगों की तस्वीरें लेकर रैली में पहुंचे: रैली का नेतृत्व LAB के सह-अध्यक्ष चेरिंग दोरजे ने किया। प्रदर्शनकारी सिंगे नामग्याल चौक से लेह के पोलो ग्राउंड तक मार्च करते हुए गए। रैली में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं और लोग राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची की मांग के समर्थन में नारे लगा रहे थे। कुछ लोग उन चार लोगों की तस्वीरें भी लेकर चल रहे थे, जिनकी पिछले साल सितंबर में पुलिस फायरिंग में मौत हो गई थी, जब LAB की रैली हिंसक हो गई थी।

LAB और KDA के संयुक्त आह्वान पर कारगिल और द्रास में पूरी तरह बंद रहा। ये दोनों संगठन पिछले पांच वर्षों से राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची की मांग को लेकर आंदोलन चला रहे हैं। लद्दाख के पुलिस महानिदेशक मुकेश सिंह ने लेह के सिंगे नामग्याल चौक में रैली स्थल का दौरा किया और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस और सुरक्षा बल तैनात किए गए थे।अधिकारियों के अनुसार कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की खबर नहीं मिली।

सड़कें बंद, प्रतिबंध के बाद भी लोग रैली में पहुंचे: लेह में पत्रकारों से बात करते हुए चेरिंग दोरजे ने कहा कि प्रशासन ने सड़कें बंद कर दी थीं, प्रतिबंध लगा दिए थे। फिर भी लोगों ने बड़ी संख्या में रैली में भाग लिया। उन्होंने लोगों को शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन करने के लिए बधाई दी और रैली को बड़ी सफलता बताया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि एपेक्स बॉडी को जनता का समर्थन नहीं है, लेकिन आज लद्दाख के लोगों ने दिखा दिया कि वे LAB और KDA के साथ हैं। सोनम वांगचुक, जो इस आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से एक हैं, को सितंबर में इस आरोप में NSA के तहत हिरासत में लिया गया था कि उन्होंने प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़काई।

मध्य प्रदेश में 19 मार्च से शुरू होगा जल गंगा संवर्धन अभियान, शिप्रा तट उज्जैन में होगा शुभारंभ

एजेंसी, भोपाल

❐ जल है तो कल है का नहीं है कोई विकल्प, बूंद-बूंद बचाने के करेंगे हर संभव प्रयास: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जल प्रकृति का अमूल्य उपहार है। इसे बचाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। हम हर गांव, हर शहर और हर नागरिक को जल संरक्षण के कार्यों से जोड़ना चाहते हैं। समाज और सरकार जब साथ मिलकर काम करेंगे, तो मध्यप्रदेश समृद्धि की दिशा में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को जारी संदेश में कहा कि प्रदेश के नागरिकों को पानी बचाने के लिए सक्रिय रूप से जुड़ना होगा, इससे मध्य प्रदेश जल संचयन और प्रबंधन में देश का एक मॉडल स्टेट बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल संबंधी जरूरतों की पूर्ति और भावी पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों की सुरक्षा की मंशा से प्रदेश सरकार एक बार फिर बड़े पैमाने पर जल गंगा संवर्धन अभियान शुरु करने जा रही है। भारतीय नववर्ष प्रतिपदा (गुढ़ी पड़वा) के शुभ अवसर पर 19 मार्च को उज्जैन की शिप्रा नदी तट से इस राज्य स्तरीय अभियान का शुभारंभ किया जा रहा है। यह अभियान 30 जून तक अनवरत् चलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल संरक्षण एक सामाजिक आंदोलन बनाना है। प्रदेश की जनता, पंचायतों, स्वयंसेवी संगठनों और विभिन्न शासकीय विभागों की साझेदारी से यह अभियान प्रदेश में जल संवर्धन की नई मिसाल स्थापित करेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में जल संरक्षण की परम्परा सदियों पुरानी है। प्राचीन काल से ही तालाब, कुएं और बावड़ियां सिर्फ़ जल के स्रोत न होकर सामाजिक जीवन का केंद्र हुआ करते थे। सरकार उसी परम्परा को आधुनिक तकनीक और जनभागीदारी के जरिए पुनर्जीवित करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान का उद्देश्य नई जल संरचनाएं बनाने के साथ ही प्रदेश में जल संरक्षण की संस्कृति को समृद्ध करना भी है। अभियान से गांव-गांव में लोगों को यह समझाया जाएगा कि वर्षा जल का संरक्षण, भूजल का पुनर्भरण और जल स्रोतों का संरक्षण जीवन और विकास दोनों के लिए अनिवार्य है।

जनभागीदारी है अभियान की सबसे बड़ी शक्ति: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान की सफलता का सबसे बड़ा आधार जनभागीदारी है। उन्होंने प्रदेश के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे जल संरक्षण के इस महाअभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी करे। उन्होंने कहा कि गांव-गांव में श्रमदान कर तालाब और कुओं की सफाई की जाए। वर्षा जल के संचयन की व्यवस्था घरों में भी करने के उपाय करे। जल स्रोतों के आस-पास स्वच्छता बनाए रखें। उन्होंने कहा कि यदि समाज और सरकार मिलकर काम करेंगे, तो प्रदेश जल समृद्ध राज्य बन सकता है।

छात्र की डेडबॉडी देने कनाडा सरकार मांग रही 35 लाख

एजेंसी, उज्जैन

♦ उज्जैन लाने के 10 लाख अलग लगेंगे, दो दिन पहले कार से कुचलकर हत्या हुई थी

कनाडा में कार से कुचले गए उज्जैन के छात्र गुरकीरत सिंह मनोचा की बॉडी भारत लाने में परिवार के सामने बड़ी आर्थिक परेशानी खड़ी हो गई है। परिजन का कहना है कि कनाडा सरकार बॉडी देने के लिए करीब 40 हजार डॉलर (लगभग 35 लाख रुपए) जमा कराने को कह रही है। इतना ही नहीं, जांच प्रक्रिया के कारण अस्पताल से बॉडी 15 दिन बाद ही दी जाएगी। परिवार ने बताया कि बॉडी को कनाडा से उज्जैन लाने में करीब 10 लाख रुपए का अतिरिक्त खर्च आएगा।

ऐसे में परिजन ने केंद्र और राज्य सरकार के साथ स्थानीय प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। बता दें, गुरकीरत सिंह मनोचा की दो दिन पहले कनाडा में कार से कुचलकर हत्या कर दी गई थी। सरकार से मदद की लगाई गुहार गुरकीरत सिंह के पिता गुरजीत सिंह का कहना है कि इतनी बड़ी रकम का इंतजाम करना उनके लिए संभव नहीं है। ऐसे में सरकार ही उनकी मदद करे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से आर्थिक सहायता देने की गुहार लगाई है।

पिता बोले- बेटा बेहद शांत स्वभाव का था: पिता गुरजीत सिंह ने बताया कि गुरकीरत लगभग सवा साल पहले पढ़ाई के लिए कनाडा गया था। वह बेहद शांत और नेक स्वभाव का था। वह किसी भी विवाद में नहीं पड़ता था। उन्होंने कहा कि यह घटना परिवार के लिए बेहद दुखद है। उन्होंने बताया कि इस मामले में कनाडा में जांच जारी है। स्थानीय पुलिस ने कुछ आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो-तीन अन्य संदिग्धों की तलाश की जा रही है।

शिमला में दिन में छाया अंधेरा ठियोग में भारी ओलावृष्टि

एजेंसी, शिमला

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में दिन में ही अंधेरा सा छा गया। दोपहर 3 बजे के बाद कुछ देर भारी बारिश और ओलावृष्टि हुई। ठियोग व आसपास में भी भारी ओलावृष्टि के बाद बर्फ जैसी सफेद चादर बिछ गई। इससे फूलगोभी, मटर और स्टोन फ्रूट को काफी नुकसान हुआ। उधर, लाहौल स्पीति के ऊंचे इलाकों में सुबह से ही बर्फबारी हो रही है। अटल टनल रोहतांग में 20 घंटे बाद भी कुछ पर्यटक और टूरिस्ट व्हीकल बर्फ में फंसे हुए है। हालांकि, अधिकांश टूरिस्ट को सुरक्षित होटलों को शिफ्ट कर दिया है।

सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भी डीसी कुल्लू और लाहौल स्पीति को अटल टनल व आसपास फंसे टूरिस्ट को जल्द सुरक्षित जगह भेजने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश और दिल्ली के काफी संख्या में टूरिस्ट बर्फ देखने बीते कल अटल टनल रोहतांग, कोकसर, सिस्सू और आसपास के पर्यटन स्थलों पर पहुंचे। दिनभर टूरिस्ट ने इन जगह पर बर्फ के बीच मस्ती और शाम को जब वापस लौटने लगे तो सड़क पर फिसलन बढ़ गई। इससे लगभग एक हजार टूरिस्ट व्हीकल पूरी रात अटल टनल में फंसे रहे। इससे हजारों टूरिस्टों ने पूरी रात गाड़ियों में काटी। सड़क पर बर्फ की मोटी परत के कारण फिसलन बढ़ गई। इससे वाहनों को निकालना मुश्किल हो गया। आज भी ऊंचे इलाकों में बर्फबारी हो रही है।

भारत में एक साल में 24 अरबपति बढ़े

एजेंसी, नई दिल्ली

❐ अब 229, लक्ष्मी मित्तल रोज 274 करोड़ कमाकर देश के चौथे सबसे अमीर बने

फोर्ब्स वल्ड्र्स बिलियनेयर्स 2026 लिस्ट के मुताबिक भारत में एक साल के अंदर 24 अरबपति बढ़े हैं। इनकी संख्या 2025 से बढ़कर 229 हो गई है। देश के चौथे सबसे अमीर लक्ष्मी मित्तल की संपत्ति में इस साल सबसे तेज उछाल देखा गया। उनकी कंपनी आर्सेलरमित्तल के शेयरों में 80% से ज्यादा की तेजी आने से उनकी कुल दौलत 31 अरब डॉलर, यानी 2.87 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई है। पिछले एक साल में उनकी संपत्ति में 20 अरब डॉलर, यानी 1.85 लाख करोड़ रुपए का इजाफा हुआ है। इस हिसाब से मित्तल ने सालभर हर दिन औसतन 274 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड कमाई की है। इस लिस्ट में फिजिक्सवाला के फाउंडर्स अलख पांडे और प्रतीक बूंब भी शामिल हो गए हैं।

टॉप-10 में उदय कोटक की नई एंट्री: तीसरे नंबर पर ओपी जिंदल ग्रुप की चेयरपर्सन सावित्री जिंदल हैं। वे भारत की सबसे अमीर महिला बनी हुई हैं। लिस्ट में 20 भारतीय महिला अरबपति शामिल हैं। कोटक महिंद्रा बैंक के फाउंडर उदय कोटक इस साल टॉप-10 में शामिल हुए हैं। हाल ही में उन्हें पद्म भूषण मिला था। उनकी एंट्री से डीएलएफ के पीछे रहे प्रॉपर्टी डेवलपर कुशल पाल सिंह 12वें नंबर पर खिसक गए।

पेटीएम फाउंडर 3 साल बाद लिस्ट में लौटे: एडटेक प्लेटफॉर्म फिजिक्सवाला के फाउंडर अलख पांडे और प्रतीक बूंब भी नए अरबपतियों में शामिल हैं। नवंबर में कंपनी के आईपीओ के बाद वे इस क्लब में आए। पेटीएम के फाउंडर विजय शेखर शर्मा तीन साल बाद फिर लिस्ट में लौटे हैं। पेटीएम के शेयर पिछले साल करीब 60% चढ़े, हालांकि यह अभी भी आईपीओ की करीब आधी प्राइस पर ट्रेड कर रहे हैं।

पहली बार 2009 में फोर्ब्स इंडिया की रिच लिस्ट आई थी: फोर्ब्स इंडिया ने अपनी पहली रिच लिस्ट 2009 में लॉन्च की थी। ये लिस्ट फैमिली और इंडिविजुअल्स से मिली शेयरहोल्डिंग व फाइनेंशियल जानकारी, स्टॉक एक्सचेंज, एनालिस्ट्स और मार्केट डेटा के आधार पर तैयार की जाती है। नेटवर्थ USD में कैलकुलेट होती है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स की नजरें ऋषभ और बदोनी पर रहेंगी

एजेंसी, नई दिल्ली

आईपीएल 2026 के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत ने तैयारियां शुरु कर दी हैं। ऋषभ के अलावा टीम में एक और बेहतरीन बल्लेबाज आयुष बदोनी हैं। ऐसे में इन दोनो का ही लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर अपनी टीम को जीत दिलाना रहेगा। वहीं टीम की नजरें भी इनके प्रदर्शन पर रहेंगी। अभ्यास सत्र में ऋषभ ने टीम के प्रमुख बल्लेबाज आयुष बदोनी को एक बल्ला देते हुए मजाकिया अंदाज में कहा कि इससे तोड़ना नहीं संभालकर रखना। इससे पता चलता है कि टीम में कितना दोस्ताना माहौल है। ऋषभ और बदोनी सहित सभी खिलाड़ी अभी एक प्री-सीजन कैंप में अभ्यास कर रहे हैं। ऋषभ का लक्ष्य इस बार आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन कर अपनी टीम को जीत दर्ज कराना रहेगा। वह आईपीएल 2026 के लिए टीम के कप्तान हैं। उन्हें पिछले सत्र में सबसे अधिक कीमत देकर खरीदा गया था। वह अपने खेल से किसी भी मैच का रुख बदल सकते हैं। वहीं आयुष टीम के मध्यक्रम के प्रमुख बल्लेबाज हैं। इन दोनों का लक्ष्य इस बार टीम को खिताब जिताना रहेगा। लखनऊ की टीम में कई अच्छे खिलाड़ी हैं। ऋषभ के आसपास टीम रहेगी पर बदोनी की भूमिका भी बल्लेबाज में काफी अहम रहेग। वह बड़े नामों के बीच भी अपनी विशेष जगह बनाने में सफल रहे हैं। सत्र की शुरुआत से पहले ऐसे पल टीम के माहौल के बारे में बहुत कुछ बताते हैं। आईपीएल को लेकर टीम उत्साहित है और काफी काफी खुशनुमा माहौल में अभ्यास कर रही है इसका अंदाज कप्तान और बदोनी के बीच की बातचीत से चलता है। लखनऊ आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी। इस दौरान इन दोनो खिलाड़ियों पर सबकी नजरें रहेंगी। इस दौरान बदोनी अपने को बेहतर साबित करना चाहेंगे। टीम चाहते कि जिस प्रकार अभ्यास के दौरान टीम प्रदर्शन कर रही है वैसा ही टूर्नामेंट में भी करे।

31 मार्च को इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ मुकाबले में उतरेगी इराकी टीम

» जीती तो मिलेगा फीफा विश्वकप में अवसर

एजेंसी, बगदाद

इराक की फुटबॉल टीम इस माह के अंत में मेक्सिको में 31 मार्च को फीफा विश्वकप फुटबॉल में प्रवेश के लिए इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ मुकाबले में उतरेगी। इस प्लेऑफ मुकाबले में इराक का सामना बोलीविया या सूरीनाम में से किसी एक टीम से होगा। इस मैच की विजेता टीम को विश्वकप में खेलने का अवसर मिलेगा। इराक की टीम ने आखिरी बार साल 1986 में फीफा विश्व कप खेला था। अब टीम के पास 39 साल बाद विश्व कप में वापसी करने का बड़ा मौका है और खिलाड़ी इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इराक ने क्वालिफायर में भी अच्छा प्रदर्शन किया। टीम ने पांचवें राउंड में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 3-2 से हराकर प्लेऑफ में जगह बनाई थी। खाड़ी में जारी संघर्ष को देखते हुए टीम को निज विमान से भेजा जाएगा। इराकी फुटबॉल संघ के अध्यक्ष अदनान दिरजल ने कहा है कि खाड़ी में जारी संघर्ष को देखते हुए हालात बेहद खराब हैं। ऐसे में टीम को सुरक्षित भेजने की तैयारियां चल रही हैं। यह मुकाबला 31 मार्च को मेक्सिको के मोंटेरे शहर में खेला जाएगा। अदनान ने कहा कि मध्य पूर्व क्षेत्र में 28 फरवरी से ही हवाई क्षेत्र बंद है। जिस प्रकार से मध्यपूर्व में ड्रोन और मिसाइल हमले हो रहे हैं जिसमें टीम को सुरक्षित भेजना सबसे चुनौतीपूर्ण काम है। इन हालातों में हवाई यात्रा कठिन हो गयी है पर इसके बाद भी टीम को निजी विमान से मेक्सिको भेजा जाएगा। मेक्सिको ने सभी खिलाड़ियों को पहले ही वीजा जारी कर दिए हैं, जिससे टीम की यात्रा में परेशानी आने की संभावना नहीं है। अदनान के अनुसार फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैन्टिनो ने भी इस मामले में सहायता का भरोसा दिया है। उन्होंने कहा कि फीफा महासचिव मथियास ग्राफस्ट्रॉम को टीम की यात्रा में आने वाली सभी बाधाओं को दूर करने की जिम्मेदारी दी गयी है। दिरजल ने बताया कि टीम इस सप्ताह के अंत तक निजी विमान से मेक्सिको के लिए रवाना होगी।उन्होंने खिलाड़ियों और स्टाफ से अपील की कि वे सभी कठिन हालातों के बदा भी केवल एक लक्ष्य पर ध्यान दें। उन्होंने कहा, हमारे पास सिर्फ 17 दिन बचे हैं और हमें पूरी तरह मैच की तैयारी पर ध्यान देना है। हमारा लक्ष्य क्वालिफाई करना। उन्होंने यह भी कहा कि इराक फुटबॉल संघ और कोचिंग स्टाफ खिलाड़ियों को बेहतर माहौल देने का पूरा प्रयास कर रहा है जिससे वह तनाव से मुक्त रहें।

सैमसन ने माना एक बार उनके दिमाग में भी शतक लगाने का विचार आया था

एजेंसी, मुम्बई

टी20 विश्वकप में शानदार प्रदर्शन कर भारतीय क्रिकेट टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले बल्लेबाज संजू सैमसन टूर्नामेंट में तीन बार शतक के करीब आकर भी उसे पूरा नहीं कर पाये क्योंकि टीम की जरुरतों के हिसाब से उन्होंने तेजी से खेला। इसी को लेकर एक कार्यक्रम में संजू ने माना है कि एक बार उसके मन में शतक बनाने का विचार आया पर अगले ही पल उसे लगा कि शतक से अधिक टीम की जीत जरुरी है। इसलिए उसने शतक का विचार छोड़कर टीम की जरुरतों के हिसाब से खेलना तय किया। सैमसन ने पांच मैचों में कुल 321 रन बनाये। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 199.37 का रहा। वह टूर्नामेंट में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उनके पास तीन बार शतक लगाने का अवसर था पर उन्होंने निजी उपलब्धि की चिंता नहीं की। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ करो या मरो सुपर-8 मैच में नाबाद 97 रन बनाये जबकि इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 89 रन बनाए। इसके अलावा न्यूजीलैंड के विरुद्ध फाइनल में 89 रन बनाये। सैमसन ने कहा, लोग कहते हैं कि मैं तीन बार शतक नहीं लगा पाया पर मुझे लगता है उससे बहुत बड़ा काम हुआ है। मैंने शतक न बनाकर अधिक बेहतर योगदान दिया। मुझे ऐसा ही लगता है हालांकि मैं ये नहीं कहूंगा कि मैंने 100 के बारे में सोचा ही नहीं। हर किसी की तरह ही मेरे मन में भी आया था कि एक बार 100 बन जायें तो और अधिक मजा आयेगा पर बाद में सोचा कि जिस प्रकार खेलते हुए मैं यहां तक पहुंचा हूं, वैसे ही खेलूंगा। सैमसन ने गौतम गंभीर की बात को बल दिया कि टीम में निजी उपब्धियों की जगह टीम गेम जरुरी है। सैमसन ने कहा कि मेरा भी मानना है कि टीम सबसे पहले है। । शुरुआत से ही तय हो गया था कि सभी टीम हित को सबसे पहले रखेंगे। सैमसन ने माना कि शुरुआत में अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिलने से वह हताश थे।

बैसाखी के सहारे पर हैं हर्षित राणा, आईपीएल से भी बाहर हुए

एजेंसी, नई दिल्ली

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को आईपीएल 2026 शुरु होने से पहले ही करारा झटका लगा है। सर्जरी के बाद अबतक पूरी तरह से नहीं उबरने के कारण उसके तेज गेंदबाज हर्षित राणा आईपीएल से बाहर हो गये हैं। वह इससे पहले हुए आईसीसी टी20 विश्व कप से भी बाहर रहे थे। हर्षित चोटिल होने के कारण ही जनवरी से ही खेल के मैदान से बाहर हैं। मुंबई में हुए बीसीसीआई नमन अवॉर्ड्स के दौरान भी वह बैसाखी के सहारे चल रहे थे। यहां तक कि वह मंच पर भी अवार्ड लेने नहीं गये। इससे अंदाजा होता है कि अभी उनकी खेल के मैदान में वापसी में समय लगेगा। आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने स्वयं मंच से नीचे आकर राणा को यह सम्मान दिया। राणा का बैसाखी के सहारे इवेंट में पहुंचने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। हर्षित को इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए एक टी20 विश्व कप के अभ्यास मुकाबले में घुटने में गेंद लग गई थी। इसी कारण वह टी20 विश्व कप टीम से भी बाहर हो गये थे। पिछले माह 9 फरवरी को उनके घुटने की सर्जरी हुई थी। इसकी मेडिकल रिपोर्ट्स में कहा गया है कि उन्हें ठीक होने में करीब दो से तीन महीने का समय लगेगा। केकेआर ने आईपीएल के लिए पहले ही जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुजरबानी को मुस्तफिजुर रहमान की जगह टीम में शामिल कर लिया है पर एक अन्य तेज गेंदबाज श्रीलंका के मथीशा पथिराना के भी फिट नहीं होने से केकेआर की मुश्किलें बढ़ गयी हैं।

बीसीसीआई ने जारी किये सभी दस आईपीएल टीमों के कप्तानों के नाम

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस माह के अंत में शुरु हो रहे आईपीएल 2026 के लिए कप्तानों के नाम घोषित कर दिये हैं। आईपीएल में इस बार भी 10 टीमें उतरेंगी। इन सभी टीमों के कप्तानों की घोषणा हो गयी है। कप्तानों की सूची में अधिक बदलाव नहीं हुए हैं। मौजूदा चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की कप्तानी इस बार भी रजत पाटीदार के पास रहेगी। वहीं, पिछले साल की उपविजेता पंजाब किंग्स की कप्तानी एक बार फिर श्रेयस अय्यर करेंगे। दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी अक्षर पटेल के पास रहेगी। वहीं, लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी ऋषभ पंत करेंगे। मुंबई इंडियंस की कप्तानी हार्दिक पांड्या करेंगे। पिछले सत्र में भी वहीं कप्तान थे। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की कप्तानी रुतुराज गायकवाड़ करेंगी। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने भी पिछले बार के कप्तान अजिंक्य रहाणे को बरकरार रखा है। राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी में बदलाव हुआ है और इस बार रियान पराग कप्तान बनाये ये थे। रियान ने हालांकि पिछली बार नियमित कप्तान संजू सैमसन के साथ कुछ मैचों में कप्तानी की थी। सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी इस बार भी पैट कमिंस करेंगे। पिछले बार भी वही कप्तान रहे थे। गुजरात टाइटन्स की कप्तानी शुभमन गिल ही करेंगे।

आईपीएल टीमों के कप्तान

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु - रजत पाटीदार
पंजाब किंग्स - श्रेयस अय्यर
लखनऊ सुपर जायंट्स - ऋषभ पंत
मुंबई इंडियंस - हार्दिक पांड्या
चेन्नई सुपर किंग्स - रुतुराज गायकवाड़
कोलकाता नाइट राइडर्स - अजिंक्य रहाणे
राजस्थान रॉयल्स - रियान पराग
सनराइजर्स हैदराबाद - पैट कमिंस
गुजरात टाइटन्स - शुभमन गिल
दिल्ली कैपिटल्स - अक्षर पटेल

संक्षिप्त

कड़ी मेहनत से मिलती है सफलता : रोहित

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने उम्मीद जतायी है कि जिस प्रकार भारतीय क्रिकेट आगे बढ़ रहा है वह सिलसिला बना रहेगा। रोहित ने कहा कि सफलता कड़ी मेहनत और अभ्यास से मिलती है और उसका कोई भी शॉर्टकट या आसान रास्ता नहीं होता। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारतीय पुरुष और महिला टीमों द्वारा हाल में जीते गए आईसीसी खिताब भविष्य में और बड़ी सफलताओं का आधार बनेंगे। रोहित ने कहा कि टीम की सफलता के पीछे मैदान पर खेलने वाले खिलाड़ियों के साथ-ही सहयोगी स्टाफ सहित वे लोग भी रहते हैं जो सामने नजर नहीं आते पर वे भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं1 रोहित शर्मा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल करना आसान नहीं होता और इसके लिए खिलाड़ियों को लगातार समर्पण के साथ कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। उन्होंने बताया कि केवल खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि टीम प्रबंधन, कोचिंग स्टाफ और अन्य सहयोगी स्टाफ को भी सफलता के लिए लगाता मेहनत करनी होती है। इसलिए टीम की उपलब्धियों का श्रेय सभी लोगों को मिलना चाहिए। रोहित ने भारतीय क्रिकेट की हाल की सफलताओं पर खुशी जताते हुए कहा कि पिछले कुछ साल में देश का झंडा लगातार ऊंचा लहराया है। उन्होंने कहा कि केवल पुरुष क्रिकेट ही नहीं बल्कि महिला क्रिकेट ने भी शानदार प्रदर्शन किया है और विश्व स्तर पर भारत का नाम रोशन किया है। रोहित के मुताबिक भारतीय महिला टीम की विश्वकप जीत की उपलब्धियां भी उतनी ही प्रेरणादायक हैं ।

सीएसके की ओर से तीसरे नंबर पर उतरें सैमसन : रैना

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने कहा है कि इस माह के अंत में शुरु हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बल्लेबाज संजू सैमसन को तीसरे नंबर पर उतरना चाहिये। सैमसन इस बार आईपीएल में पहली बार चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेलेंगे। इससे पहले के सत्र तक संजू राजस्थान रॉयल्स में थे और हमेश ही उसमें सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरते रहे हैं। वहीं रैना का मानना है कि सीएसके की ओर से खेलते हुए संजू अगर नंबर तीन पर उतरते हैं तो टीम संतुलन बेहतर होगा। रैना ने कहा कि संजू के आने के बाद भी सीएसके को पारी की शुरुआत के लिए रुतुराज गायकवाड़ और आयुष म्हात्रे की जोड़ी को ही उतारना चाहिये। वहीं संजू का का काम नंबर 3 पर उतरने हुए मध्क्रम को संभालने का रहना चाहिये। रैना ने कहा, 'वह लंबे समय तक राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रहे हैं। मुझे लगता है कि यहां उनकी भूमिका टीम ने तय कर रखी होगी। मेरा मानना है कि रुतुराज और आयुष पारी की शुरुआत करें और संजू नंबर तीन पर खेलें तो अच्छा रहेगा। ऐसे में तब डेवाल्ड ब्रेविस नंबर चार पर आएंगे, शिवम दुबे नंबर पांच पर आएंगे, और उसके बाद महेन्द्र सिंह धोनी आएंगे। मुझे लगता है कि वह केवल अंतिम दो या तीन ओवर ही खेलेंगे.' रैना के अनुसार विकेटकीपर की जिम्मेदारी संजू के पास रहनी चाहिये। उन्होंने कहा, 'संजू एक विकेकीपर के तौर पर उतरेंगे। हमने देखा कि हार में विश्वकप मे उनका प्रदर्शन काफी अच्छ रहा है। रैना अपने करियर के दौरान सीएसके के लिए तीन नंबर पर ही बल्लेबाजी करते थे। अब टीम उनका विकल्प संजू में देख रही है।'सैमसन को आईपीएल 2026 की नीलामी से पहले सीएसके ने ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और सैम करन की जगह राजस्थान रॉयल्स से ट्रेड के जरिये हासिल किया था। सैमसन के पास आईपीएल का काफी अच्छा अनुभव है। उन्होंने 177 आईपीएल मैचों में 30.95 की औसत से 4704 रन बनाये हैं। इस दौरान उन्होंने 3 शतक और 26 अर्धशतक लगाये हैं।

यानिक सिनर ने जीता इंडियन वेल्स 2026 का खिताब, जोकोविच-फेडरर के खास क्लब में शामिल

एजेंसी, नई दिल्ली

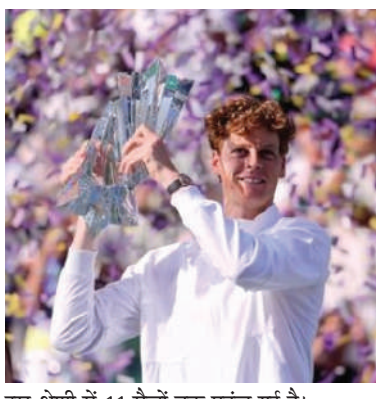

कैलिफोर्निया में रविवार को खेले गए प्रतिष्ठित इंडियन वेल्स 2026 टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में इटली के स्टार खिलाड़ी यानिक सिनर ने रूस के दानिल मेदवेदेव को 7-6(6), 7-6(4) से हराकर अपना पहला इंडियन वेल्स खिताब जीत लिया। कैलिफोर्निया के रेगिस्तानी मौसम में खेले गए इस मुकाबले में सिनर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा। उन्होंने मैच के दौरान 28 विनर्स और 10 ऐस लगाए तथा नेट पर खेले गए सभी आठ अंकों में सफलता हासिल की। इस जीत के साथ सिनर इतिहास में ऐसे तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने सभी छह एटीपी मास्टर्स 1000 हार्ड-कोर्ट खिताब जीते हैं। इस उपलब्धि के साथ वह टेनिस के दिग्गज नोवाक जोकोविच और रोजर फेडरर के विशेष क्लब में शामिल हो गए। साल का यह उनका पहला खिताब है। इसके साथ ही वह 1990 के बाद पहले खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने लगातार दो मास्टर्स 1000 खिताब बिना एक भी सेट गंवाए जीते हैं। पेरिस में पिछले वर्ष जीते खिताब से शुरू हुई उनकी जीत की लय इस श्रेणी में 11 मैचों तक पहुंच गई है।

मुकाबले का हाल- पहला सेट काफी रोमांचक रहा। मेदवेदेव ने आक्रामक शुरुआत करते हुए सिनर पर लगातार दबाव बनाया और स्कोर 6-5 तक पहुंचाया, लेकिन सिनर ने वापसी करते हुए मुकाबले को टाईब्रेक तक पहुंचा दिया। टाईब्रेक में इतालवी खिलाड़ी ज्यादा सटीक साबित हुए और 7-6(6) से पहला सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। सिनर ने पांचवें गेम में बिना कोई अंक गंवाए ब्रेक लेकर 3-2 की बढ़त बनाई, लेकिन मेदवेदेव ने हार नहीं मानी और स्कोर 6-6 कर दिया, जिससे मैच एक और टाईब्रेक में पहुंच गया। टाईब्रेक में मेदवेदेव ने 4-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन सिनर ने शानदार वापसी करते हुए लगातार अंक हासिल किए और 7-4 से टाईब्रेक जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। मैच के बाद सिनर ने कहा, "मैं लगातार विश्वास बनाए रखता रहा और अपने शॉट्स खेलने की कोशिश करता रहा। अगर तीसरा सेट होता तो मुकाबला बराबरी से शुरू होता, इसलिए मैंने मैच खत्म करने की पूरी कोशिश की और इस जीत से बेहद खुश हूं।"

मेदवेदेव का शानदार सफर- मेदवेदेव ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया था। सेमीफाइनल में उन्होंने विश्व नंबर-1 कार्लोस अल्काराज़ को हराकर बड़ा उलटफेर किया था और ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन की सीजन की 16 मैचों की जीत की लय को भी तोड़ दिया था। हालांकि, इंडियन वेल्स में यह उनका तीसरा फाइनल था और उन्हें एक बार फिर उपविजेता से संतोष करना पड़ा।

बांग्लादेश के रिव्यू को लेकर पाकिस्तान ने दर्ज कराई आधिकारिक शिकायत

एजेंसी, मीरपुर

पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश क्रिकेट टीम के खिलाफ रविवार को खेले गए तीसरे वनडे मैच के दौरान लिए गए विवादित रिव्यू को लेकर मैच रेफरी नेयामुर राशिद से आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है। यह मामला मीरपुर में खेले गए मुकाबले के आखिरी ओवर से जुड़ा है, जिसमें ऑन-फील्ड अंपायर कुमार धर्मसेना के फैसले पर सवाल उठाए गए हैं। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान टीम प्रबंधन का आरोप है कि बांग्लादेश ने आखिरी से दूसरी गेंद पर एलबीडब्ल्यू का रिव्यू उस समय लिया जब उस गेंद का रिप्ले पहले ही स्टेडियम की बड़ी स्क्रीन पर दिखाया जा चुका था। मुकाबले के उस समय पाकिस्तान को जीत के लिए दो गेंदों पर 12 रन की जरूरत थी। बांग्लादेश के गेंदबाज रिशाद हुसैन ने लेग स्टंप पर फ्लाइटेड गेंद डाली, जो लेग साइड की ओर घूमती हुई बल्लेबाज शाहीन शाह अफरीदी से दूर निकल गई। अंपायर ने इसे वाइड करार दिया। इसके बाद बांग्लादेशी खिलाड़ियों ने आपस में चर्चा की और एलबीडब्ल्यू के लिए रिव्यू ले लिया, जबकि पहली नजर में गेंद अफरीदी के शरीर या पैरों के पास भी नहीं दिख रही थी। सामान्य नियमों के अनुसार रिव्यू लेने का फैसला खिलाड़ियों को रिप्ले दिखने से पहले करना होता है, ताकि स्क्रीन पर दिखाई देने वाली जानकारी से निर्णय प्रभावित न हो। पाकिस्तान का आरोप है कि इस मामले में यह प्रोटोकॉल सही तरीके से नहीं अपनाया गया। उनका यह भी कहना है कि संभव है कि बांग्लादेश ने 15 सेकंड की तय समय-सीमा के बाद रिव्यू लिया हो, हालांकि प्रसारण में कोई टाइमर नहीं दिखाया गया, जिससे इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी। डीआरएस में जब मामला हॉक-आई तक पहुंचा तो पता चला कि गेंद बल्ले के निचले हिस्से से हल्का सा संपर्क कर गई थी। इस कारण वाइड का फैसला पलट दिया गया। हालांकि बांग्लादेश का रिव्यू असफल रहा, लेकिन वाइड हटने से समीकरण बदलकर पाकिस्तान के लिए आखिरी गेंद पर 12 रन रह गया। आखिरी गेंद पर अफरीदी स्टंप आउट हो गए और निराशा में उन्होंने बल्ला स्टंप्स पर मार दिया। इसके साथ ही बांग्लादेश ने यह मुकाबला 11 रन से जीत लिया और सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड मैच रेफरी से क्या कार्रवाई चाहता है, लेकिन माना जा रहा है कि बोर्ड कम से कम इस मामले में गलती की सार्वजनिक स्वीकारोक्ति की मांग कर सकता है। गौरतलब है कि इससे पहले दूसरे वनडे में भी पाकिस्तान को एक विवादित फैसले का सामना करना पड़ा था। उस मैच में सलमान आगा गेंद लौटाने के दौरान क्रीज से बाहर पाए गए और मेहदी हसन मिराज ने उन्हें रन आउट कर दिया।

दक्षिण अफ्रीका सीरीज़ से बाहर हुए ईश सोढ़ी

एजेंसी, माउंट माउंगानुई

न्यूज़ीलैंड के लेग स्पिनर ईश सोढ़ी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज़ के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं। प्रशिक्षण सत्र के दौरान गेंदबाजी करते समय उनके अंगूठे में चोट लग गई थी और स्कैन में अंगूठा टूटने की पुष्टि हुई है। डॉक्टरों के अनुसार उन्हें पूरी तरह ठीक होने में करीब चार सप्ताह का समय लगेगा। टीम प्रबंधन के अनुसार, चोट के कारण सोढ़ी सीरीज़ के शेष मुकाबलों में उपलब्ध नहीं रहेंगे। इस बीच तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन दूसरे और तीसरे मैच के लिए टीम से जुड़ चुके हैं, जो क्रमशः हैमिल्टन और ऑकलैंड में खेले जाएंगे। चयनकर्ताओं ने सोढ़ी की जगह किसी नए खिलाड़ी को टीम में शामिल नहीं किया है। स्पिन विभाग की जिम्मेदारी अब मिचेल सैंटनर और कोल मैककॉन्ची संभालेंगे। न्यूज़ीलैंड टीम के मुख्य कोच रॉब वॉल्टर ने कहा, "ईश न्यूज़ीलैंड के लिए खेलने को लेकर बेहद उत्साहित रहते हैं और विश्व कप अभियान के बाद घरेलू दर्शकों के सामने खेलने के लिए भी वे काफी उत्सुक थे। टी20 प्रारूप में उनका अनुभव टीम के लिए बहुत अहम है, इसलिए उनका बाहर होना निश्चित रूप से बड़ा नुकसान है।" उन्होंने आगे कहा कि टीम को भरोसा है कि फर्ग्यूसन के जुड़ने के साथ-साथ सैंटनर और मैककॉन्ची अगले मुकाबलों में टीम की जरूरतों को पूरा करेंगे। सीरीज़ के आखिरी दो मैचों के लिए काटेने क्लार्क, डेन क्लीवर, जेडन लेनॉक्स और टॉम लैथम टीम से जुड़ेंगे। इन मैचों में कप्तानी की जिम्मेदारी भी लैथम संभालेंगे, जो सैंटनर की जगह टीम की अगुवाई करेंगे। गौरतलब है कि सीरीज़ के पहले मुकाबले में न्यूज़ीलैंड की टीम मात्र 91 रन पर सिमट गई थी और दक्षिण अफ्रीका ने यह मैच आसानी से अपने नाम कर लिया।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

फैशनेबल ड्रेसेज और एसेसरीज से भरा रहे आपका वॉर्डरोब

फैशन ट्रेंड की भविष्यवाणी थोड़ा मुश्किल काम है। आज जो ट्रेंड है, वह कल होगा या नहीं, इसके बारे में पूरी तरह से कुछ भी नहीं कहा जा सकता। लेकिन यह भी पूरी तरह से सच नहीं है कि आप लिटेस्ट फैशन को जज न कर सकें। वैसे भी कुछ बेसिक आइटम्स की जरूरत हमेशा बनी रहती है। इन्हें अपने वॉर्डरोब में शामिल करके अपने वॉर्डरोब को फैशनेबल बना सकती हैं। आप अपने वॉर्डरोब में कुछ टाइमलेस ड्रेसेज, ज्वैलरी और फुटवियर्स शामिल करें, ये आपके काम आएंगे।

हर किसी की चाहत होती है कि उसका वॉर्डरोब फैशनेबल ड्रेसेज और एसेसरीज से भरा रहे। अपने वॉर्डरोब को फूल करने के चक्कर में लोग अक्सर भूल जाते हैं कि फैशन का ट्रेंड बदलता रहता है। ऐसे में सबसे बेस्ट ऑप्शन यह है कि एक टाइमलेस वॉर्डरोब के बारे में सोचा जाए।

वाइट शर्ट

फैशन डिजाइनर सौमित्र कुमार की मानें, तो वॉर्डरोब के लिए वाइट टेलर्ड शर्ट सबसे जरूरी है। दरअसल, वाइट शर्ट या टॉप के साथ कुछ भी मैच करके पहना जा सकता है। वाइट शर्ट के साथ कोई भी एसेसरीज आसानी से मैच हो जाती हैं। आप चाहें तो वाइट शर्ट में डिफरेंट कट्स, स्टाइलिश स्लीव्स या फंकी कॉलर्स डिजाइन करवा सकती हैं। वहीं, फैब्रिक में सिल्क, शिफॉन व जॉर्जेट टेक्सचर ट्राई करें। इन फैब्रिक्स में फिटिंग भी बहुत अच्छी आती है और इन्हें हर सीजन में पहना जा सकता है।

शिफ्ट ड्रेसेज

अक्सर लड़कियां किसी ओकेजन को ध्यान में रखकर ड्रेसेज परचेज करती हैं। यही वजह है कि अगर उन्होंने फॉरमल ओकेजन के लिए ड्रेस ली है, तो वह उसे नाइट पार्टी में पहनना बिल्कुल पसंद नहीं करती हैं। ऐसे में शिफ्ट ड्रेसेज बेस्ट ऑप्शन हैं। इन्हें आप डे व नाइट दोनों मौकों पर पहन सकती हैं। दरअसल, एक सिंपल ड्रेस से भी मैजिक क्रिएट किया जा सकता है। जरूरी यह है कि उसे स्मार्टनेस के साथ कैरी किया जाए। शिफ्ट ड्रेसेज पहनने से फेमिनिन लुक तो आता ही है तथा इन्हें कैरी करके आप और भी ज्यादा स्टाइलिश लग सकती हैं।

जैकेट

यदि आप एक ही ड्रेस पहनकर बोर हो गई हैं तो जैकेट के साथ एक्सपेरिमेंट कर सकती हैं। इन दिनों मिलिट्री जैकेट ट्रेंड में है। इन्हें आप सॉलिड कलर्स में ले सकती हैं। इससे आपको क्लासिक लुक मिलेगा। यदि आप नाइट आउट पर जा रही हैं तो शाइनी जैकेट बेस्ट ऑप्शन है। इसे आप लेगिंग्स के साथ मैच करके पहन सकती हैं। इससे आपको पूरा पार्टी लुक मिलेगा और आप काफी ग्लैमरस लगेंगी।

ब्लैक ड्रेसेज

कोई भी वॉर्डरोब ब्लैक ड्रेसेज के बिना कम्प्लीट नहीं होता है। इसे किसी भी ओकेजन पर पहना जा सकता है। चाहे आप स्लिम दिखना चाहती हों या अपने लुक में क्विक चेंज चाहती हों, ब्लैक ड्रेस के साथ हल्की-फुल्की ज्वैलरी कैरी करें। इसका मिक्स एंड मैच स्टाइल से खुद को डिफरेंट लुक दिया जा सकता है। ब्लैक ड्रेस के साथ सिल्वर जूलरी बहुत फबती है। आप इनके साथ अपने वॉर्डरोब में ट्रेंडी शूज भी शामिल कर सकती हैं। इनके कलर सीजन के मुताबिक चुनें। इन्हें आप सिल्वर, गोल्ड और प्लेन ब्लैक में चुन सकती हैं। यह आपकी पर्सनैलिटी पर खूब फबेगा।

जींस

हर किसी के पास एक पेयर जींस होना लाजिमी है, लेकिन उसका फिट होना भी बहुत जरूरी है। फैशन डिजाइनर सौम्या अरोड़ा कहती हैं, जींस हर ऐज में और हर ओकेजन में पहन सकती हैं। यह जरूरी नहीं है कि जींस ब्रांडेड ही हो। आप जींस के साथ खूब एक्सपेरिमेंट भी कर सकती हैं। अगर आप कैजुअल आउटिंग पर जा रही हैं, तो इसके साथ बैगी टी-शर्ट व स्नीकर्स पहन सकती हैं। यदि आप को पार्टी में जाना है तो जींस के साथ स्टाइलिश टॉप और हाई हील्स ट्राई कर सकती हैं। यह ध्यान रखें कि जींस की क्वॉलिटी अच्छा हो।

पर्ल

जिस तरह डायमंड हर एज ग्रुप के लिए परफेक्ट हैं। वैसे ही पर्ल भी कभी फैशन से आउटडेटेड नहीं होते हैं। आप एसेसरीज में पर्ल नेकलेस या बैंगल्स जरूर रखें। इन्हें आप हर तरह के आउटफिट्स के साथ कैरी कर सकती हैं। अगर आप रियल पर्ल नेकलेस पसंद नहीं करती हैं तो फेक नेकलेस खरीद सकती हैं।

बच्चे को सारी सुविधाएं देने के साथ-साथ उन पर निगरानी

प्रतिस्पर्धा और दिखावे के मौजूदा दौर में अभिभावकों की इच्छा होती है कि उनका बच्चा किसी भी मामले में कम न रहे। इसके चलते वे अपनी संतानों को सहूलियत, पढ़ाई और 'ज़माने के साथ चलने' के नाम पर विभिन्न चीज़ें प्रदान करते हैं, कई बार तो सामर्थ्य से भी बढ़कर। वैसे तो कोई भी वस्तु या सुविधा अपने आप में बुरी नहीं होती, लेकिन दो सिद्धांत यह निर्धारित कर सकते हैं कि वह लाभदायक होगी या हानिकारक। बच्चों पर मोबाइल फोन, गाड़ी, इंटरनेट कनेक्शन, ओटीटी सब्सक्रिप्शन, क्रेडिट कार्ड आदि सुविधाओं के असर का आकलन इन पैमानों पर किया जा सकता है कि उसे फ़ायदे की जगह नुक़सान तो नहीं हो जाएगा और माता-पिता के लिए अप्रिय स्थिति तो पैदा नहीं हो जाएगी।

कई बार काम में व्यस्त माता-पिता छोटे बच्चों को बहलाए रखने या मनोरंजन के लिए मोबाइल फोन थमा देते हैं। इस उम्र में मोबाइल का चमकता स्क्रीन बच्चे की आंखों पर स्थायी रूप से बुरा असर छोड़ सकता है। इसके अलावा, उसके सामाजिक समायोजन और भाषा के विकास पर भी दुष्प्रभाव पड़ता है। स्क्रीन की हलचल और किरदारों की नाटकीयता के चलते भावनाओं का प्रदर्शन और एकाग्रता भी प्रभावित होती है। इस दौरान भले ही बच्चा शांत बैठा रहे, पर यह उसके शारीरिक विकास को अवरुद्ध करता है। हर बार मोबाइल थमा दिए जाने से उसमें ज़िद करने और अपनी बात मनवाने की प्रवृत्ति बढ़ जाती है।

6-12 वर्ष

इस उम्र के पढ़ाई के नाम पर मोबाइल फोन और इंटरनेट की सुविधा दी जाने लगी है। वैसे तो कोरोना के ऑनलाइन दौर में यह मजबूरी थी, परंतु अब इसकी कोई आवश्यकता नहीं लगती। विशेषज्ञ कहते हैं कि बढ़ते बच्चों को इंटरनेट पर फटाफट सर्च करके पके-पकाए नतीजे हासिल करने के बजाय मेहनत करके किताबों में खोजने की आदत डालनी चाहिए। इससे उनकी बुनियाद मज़बूत होगी। यही वजह है कि तमाम कैलकुलेटर उपलब्ध होने के बावजूद बच्चों से गणित का अभ्यास कराया जाता है और तथ्य याद कराए जाते हैं। इस उम्र में इंटरनेट की अधिक मदद लेने से परिश्रम करने, दिमाग़ लगाने, चीज़ों को समझने की प्रवृत्ति कम हो जाती है, आंखों को नुक़सान पहुंचता है सो अलग। दूसरी तरफ़, मोबाइल गेम, सोशल मीडिया और विभिन्न तरह के वीडियो देखने की लत भी लग सकती है। समझ के अभाव में कई बार बच्चे ऑनलाइन ग़लत लोगों से दोस्ती कर लेते हैं और साइबर बुलिंग या धोखाधड़ी का शिकार हो जाते हैं। स्क्रीन टाइम की अधिकता उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालती है। इससे बच्चों में नींद और एकाग्रता की कमी भी देखी जाती है।

13-18 वर्ष

किशोरवय के इस दौर में अभिभावकों को बच्चे की ज़रूरत के साथ-साथ उसके शौक़, फ़ैशन और पीयर प्रेशर का ध्यान भी रखना होता है। इस उम्र में मोबाइल फोन और इंटरनेट के अलावा दुपहिया वाहन, स्मार्टवॉच जैसी चीज़ें भी दिलाई जाने लगी हैं। इस समय इंटरनेट की सीमित ज़रूरत हो सकती है, लेकिन बड़ों की निगरानी में और सिर्फ़ पढ़ाई के उद्देश्य से। ऐसा न हो तो इंटरनेट के असीमित उपयोग से बच्चा वास्तविक और काल्पनिक दुनिया में अंतर नहीं रख पाएगा और संभव है कि वास्तविक दुनिया से उसका संपर्क कट जाए। अभिभावकों की निगरानी न होने पर ऑनलाइन गेम, अनजान लोगों से दोस्ती, पोर्न की लत जैसे बड़े ख़तरे भी हो सकते हैं। जहां तक स्मार्टवॉच जैसी सुविधा का सवाल है, तो वह स्कूल में भी ध्यान भटकाएगी और स्मार्टफोन से लगातार जोड़े रखेगी, जिसका कोई लाभ नहीं है। उन्हें वाहन देना भी जोखिम भरा हो सकता है, क्योंकि इस उम्र में रोमांच की चाह तो होती है, पर निर्णय क्षमता गतिविधियों के नतीजों की समझ पूर्ण विकसित नहीं होती। एक अध्ययन का निष्कर्ष है कि वयस्कों की तुलना में किशोरवय वाहन चालकों से दुर्घटना की आशंका चार गुना अधिक होती है।

18 वर्ष से अधिक

इस उम्र में बच्चे पढ़ाई के लिए कई बार अपने घर से दूर भी जाकर रहते हैं, इसलिए मोबाइल फोन, इंटरनेट, गाड़ी के साथ-साथ क्रेडिट कार्ड जैसी सुविधा भी ज़रूरी लगने लगती है। हालांकि इनसे पूरी तरह वंचित नहीं किया जा सकता, लेकिन उपयोग को सीमित अवश्य किया जाना चाहिए। जैसे, क्रेडिट की एक लिमिट होनी चाहिए और उसे अभिभावक के फोन नंबर से लिंक्ड होना चाहिए, ताकि हर ख़र्च की जानकारी उन तक पहुंचे। वाहन भी दिखावे के बजाय आवागमन में सुविधा के लिए ख़रीदा जाना चाहिए।

बदलाव ऐसे लाएं

अक्सर देखा गया है कि जब बच्चे सुविधाओं का दुरुपयोग करने लगते हैं तो अभिभावक उनसे वह सब वापस ले लेते हैं। इससे बच्चे विद्रोही भी हो जाते हैं। ऐसे मामलों में माता-पिता इन बातों का ध्यान रखें-

- माता-पिता पहले बच्चों के साथ बातचीत करें और उन्हें समझाएं कि इस सुविधा को कम करने या वापस लिए जाने की आवश्यकता क्यों है।
- नियम बनाएं कि छोटे बच्चे मोबाइल फोन का इस्तेमाल अभिभावक की निगरानी में ही करेंगे और जिस काम से मोबाइल लिया गया है, उसी तक सीमित रहेंगे।
- ओटीटी प्लेटफॉर्म पर नकारात्मक और हिंसक कार्यक्रमों के लिए हतोत्साहित करें। ओटीटी प्लेटफॉर्म, सर्च इंजन, वीडियो आधारित सोशल मीडिया पर रिस्ट्रिक्टेड मॉड का उपयोग करके अनुचित वेबसाइट/की-वर्ड्स को अवरुद्ध किया जा सकता है।
- कोई भी चीज़ या सुविधा कभी भी सज़ा के तौर पर वापस ना लें।
- बच्चों से यह स्पष्ट कर दें कि प्राइवेसी के नाम पर असीमित छूट नहीं दी जाएगी। ख़ासतौर पर सोशल मीडिया पर माता-पिता फ्रेंडलिस्ट में रहेंगे और आवश्यक होने पर फ्रेंड्स के बारे में जानकारी भी लेंगे।
- सही तरीक़े से सुविधाओं का उपयोग करने पर माता-पिता बच्चों की प्रशंसा भी करें।
- हर सुविधा के उपयोग के लिए एक उपयुक्त समय सीमा निर्धारित करें। बच्चों के साथ-साथ माता-पिता भी अपने लिए सभी सुविधाओं के उपयोग का समय निश्चित रखें।
- बच्चों को सही और ग़लत में अंतर करना सिखाएं तथा उन्हें समय-समय पर नैतिक मूल्यों से अवगत कराएं।

पर्यावरण की रक्षा में महिलाएं हमेशा से अग्रणी

लगातार बढ़ता तापमान, सूखते जलस्रोत और प्रदूषित होता वायुमंडल यह सब संकेत हैं कि आने वाला समय और भी कठिन संकट ला सकता है।

लगातार बढ़ता तापमान, सूखते जलस्रोत और प्रदूषित होता वायुमंडल यह सब संकेत हैं कि आने वाला समय और भी कठिन संकट ला सकता है। तो क्यों ना संभलते हुए इन सब समस्याओं से निकलने के प्रयास किए जाएं क्योंकि छोटे-छोटे प्रयास ही सार्थक होकर किसी बड़े कार्य को पूर्ण करेंगे। शायद पर्यावरण बचाव के यज्ञ में हर एक का योगदान एक-एक आहुति से कम न हो।

एक वृक्ष पहल

हमारे देश में प्रकृति व पृथ्वी को मां का ही दर्जा दिया है। सिर्फ इसलिए कि वे अपने पुत्रों व परिवार के संरक्षण के लिए समर्पित हैं इसलिए क्यों न हम अपने परिवार में एक ऐसी संस्कृति को पनपाएं जो प्रकृति के संवर्धन में भी जुटे और अपने पारिवारिक उत्सव को पर्यावरण संरक्षण से भी जोड़ सके। इसमें एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में परिवारजनों का जन्मदिन हो सकता है परिवार के प्रत्येक व्यक्ति के जन्मदिन के शुभ अवसर पर वृक्षारोपण कर पृथ्वी के उस कर्ज की मुक्ति का रास्ता भी खोला जा सकता है। जिसमें हमने जो कुछ प्रकृति से लिया है या लेंगे उसकी वापसी का रास्ता भी बन सके। इससे प्रकृति प्रेम भी पनपेगा और आने वाली पीढ़ी के लिए संस्कार भी तैयार होंगे। इसी तरह परिवार के अन्य कार्यों जैसे शादी, ब्याह, मुंडन इन सभी को पर्यावरण के किसी कार्य से जोड़ लेना चाहिए। ऐसा ही करके शायद हम अपनी प्रकृति को बचा पाएंगे और आने वाली पीढ़ी को अपनी परंपराओं का हिस्सा बना पाएंगे।

महिलाओं का योगदान

इतिहास को खंगाले तो ज्यादा दूर नहीं जाना पड़ेगा, पर्यावरण की रक्षा में हमेशा से महिलाओं को ही अग्रणीय पाया गया है। विश्व प्रसिद्ध चिपको आंदोलन की प्रणेता गौरा देवी गांव की सरल महिला थीं, जिसकी वन वृक्ष की लड़ाई विश्व प्रसिद्ध हुई।

आखिर पूरे हिमालय में वनों के प्रति यह संवेदनशीलता उस महिला को ही क्यों भायी? वनों के पतन की पीड़ा ने उन्हें ही क्यों झकझोरा था? बात गौरा देवी की ही नहीं बल्कि राजस्थान के विश्नोई समुदाय की भी है, जहां महिलाओं ने पेड़ों पर चिपककर उनके काटने का विरोध किया था। आखिर नोबेल पुरस्कार विजेता अफ्रीका की मथाई को ही करोड़ों वृक्षों को लगाने की सुध क्यों आई। ऐसे ही अपने देश व विदेशों की बहुत-सी कहानियां हैं, जिनमें महिलाएं वृक्षों के प्रति गंभीर संवेदनशीलता दर्ज कर चुकी हैं। इतिहास गवाह है कि वन लगाने की बात हो या फिर इसको बचाने की मुहिम हो उस पर महिलाएं ही अग्रणी रही हैं। इसलिए पर्यावरण की सुरक्षा में सबसे पहले महिलाओं को ही याद किया जाता है ताकि उनके और प्रयास से हम आने वाले समय में भी कुछ बेहतर प्रयास कर सकें। असल में इसका कारण वृक्ष और महिलाओं की समान प्रवृत्तियां है। दोनों ही समाज के लिए समर्पित हैं। दोनों के ही समान व्यवहार हैं। महिला और वृक्ष समाज के सृजन व बेहतरी के लिए बिना किसी शर्त के सदियों से सेवा में जुटे हैं। निस्वार्थता दोनों का मूल चरित्र है। इसलिए यह कहना कदापि अतिश्योक्ति नहीं होगी कि दोनों के बिना प्रकृति पृथ्वी और समाज अर्थविहिन व पंगु कहलाएगा। सच यह है कि मूल भाव से दोनों ही एक-दूसरे को समझते ही नहीं है बल्कि पूरक भी हैं और अगर ऐसा नहीं होता तो क्यों महिलाएं वनों व वृक्षों से ज्यादा बेहतर तालमेल रखतीं।

बिन पानी सब सून

बूंद-बूंद पानी की तरस को इस वर्ष तकरीबन 11 राज्यों के 33 करोड़ लोगों ने देखा है। सबसे बुरे हालात महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश एवं कर्नाटक के गांवों में रहे, जहां गांव के गांव पलायन करने को मजबूर हो गए। यहां तक की गले तर करने तक के लिए रेल के जरिए पानी को भेजा गया। यदि इसी तरह के हालात रहे तो यह सभी के लिए दुखदायी होंगे। इसलिए हम सभी को यह सोचना होगा कि जब पानी के बिना सब सूना है तो क्यों न बूंद-बूंद से ही घट भरा जाए। जब तक हम सचेत नहीं होंगे तब तक और किसी को नहीं सिखाया जा सकता है। तो क्यों न इस पानी बचाव की शुरुआत घर से ही प्रारंभ की जाए। घर के हर सदस्य को पानी की बचत के साथ पानी को सुरक्षित रखने के उपाय अपनाने होंगे तभी तो हम इसका संरक्षण कर पाएंगे।

आपके पूरे घर को रीप्रेज़ेंट करता है लिविंग रूम

घर का लिविंग रूम वह कमरा होता है जो आपके पूरे घर को रीप्रेज़ेंट करता है। इसे सजाने के लिए आप अपनी पसंद की चीजें लगाते हैं, उसे अलग-अलग कलर स्कीम और पैटर्न्स से सजाते हैं।

जब आपके किसी के घर मेहमान बन कर जाते हैं तो उनका लिविंग रूम देखकर ही आप पूरे घर का अंदाजा लगा लेते हैं। वैसे ही जब कोई आपके घर आता है तो भी यही बात मायने रखती है। कहने का तात्पर्य यह है कि घर का लिविंग रूम वह कमरा होता है जो आपके पूरे घर को रीप्रेज़ेंट करता है। इसे सजाने के लिए आप अपनी पसंद की चीजें लगाते हैं, उसे अलग-अलग कलर स्कीम और पैटर्न्स से सजाते हैं। आपकी सजावट पर हमें कोई शक नहीं है बस हम आपके ज्ञान में थोड़ी वृद्धि कर रहे हैं कि कैसे आप अपने लिविंग रूम को और बेहतर बना सकतीं हैं।

- कंट्रॉस- लिविंग रूम में दीवारों पर कंट्रॉस कलर ट्राई करें या दो रंगों से दीवारों को रंगें। यह रूम को थोड़ा हटके लुक देगा। रंगों में लाइट-डार्क, ब्लैक-व्हाइट, रेड-व्हाइट का कॉम्बिनेशन ले सकते हैं। इन्हीं में से किसी कलर कॉम्बिनेशन को चुन कर आप पूरे कमरे के लुक को डिसाइड कर सकतीं हैं।
- फूलदान - लिविंग रूम की सेंटर टेबल पर फूलों का गुलदस्ता रखें। इसके लिए नकली फूलों के साथ विशेष अवसर पर प्राकृतिक फूलों का इस्तेमाल करें। यह लिविंग रूम को सजाने का सबसे आसान और सीमित बजट में निपटने वाला तरीका है।
- फोटो फ्रेम्स- अपने लिविंग रूम को क्लासी और इमोशनल टच देने के लिए दीवार पर अपनी फैमेली की फोटो लगा सकते हैं। चाहे तो पूर्वजों की तस्वीरों को भी लिविंग रूम में जगह दे सकते हैं। इससे निश्चित रूप से आपके लिविंग रूम में शांति और सौम्यता का वातावरण आ जाएगा।
- पर्दे- लिविंग रूम में पर्दे लगाएं लेकिन ध्यान रखें कि वे कमरे में आनेवाले प्राकृतिक उजाले को ना रोकें। आजकल पारदर्शी पर्दे चलन में हैं आप उन्हें इस्तेमाल कर सकतीं हैं या फिर अगर कुछ अलग करना चाहतीं हैं तो क्रोशिए से बने पर्दे लगाएं। ये मनचाहे रंग में मिल जाएंगे और कमरे में अंधेरा भी नहीं करेंगे और आपका कमरा शानदार दिखेगा।
- सेटअप- अपने फर्नीचर और एसेसरीज का सेटअप बुद्धिमत्तापूर्ण तरीके से करें। कमर खचाखच भरा हुआ ना लगे इसका खास ध्यान रखें। अच्छी लाइटिंग स्कीम चुनें। इस बात का ध्यान रखें कि कमरा व्यवस्थित लगे। साफ-सुथरा हो।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

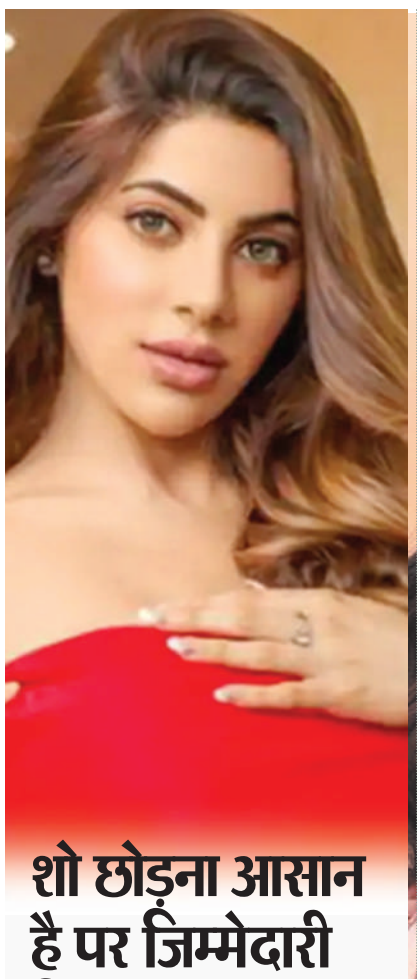

शो छोड़ना आसान है पर जिम्मेदारी निभाना चुनौती

अभिनेत्री निक्की तंबोली रियलिटी शो 'द 50' से बाहर हो गई हैं। उन्हें डबल एविक्शन में शो से बाहर कर दिया गया। शो से निकलने के बाद निक्की ने बुधवार को इंस्टाग्राम के जरिए शो में चल रहे संघर्ष और अपनी हालत के बारे में बात की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक नोट लिखा और अपनी भावनाएं व संघर्ष साझा किए। निक्की ने लिखा, 'कई लोग कह रहे हैं कि जब अरबाज को शो से निकाला गया, तो मुझे भी शो छोड़ देना चाहिए था, लेकिन शो में आने का मतलब जिम्मेदारी और वादा निभाना होता है। भावनाओं में आकर शो छोड़ना आसान लग सकता है पर कमिटमेंट निभाना असली हिम्मत है।' निक्की ने लिखा कि जब मेरे भाई का देहांत हुआ था, तब भी मैं अगले दिन 'खतरों के खिलाड़ी' की शूटिंग के लिए गई थी। उन्होंने लिखा, 'मेरे लिए कमिटमेंट का मतलब यही होता है। भावनाएं सच्ची होती हैं, लेकिन जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। शो ने मुझे हमेशा सम्मान, महत्व और प्राथमिकता दी। कमिटमेंट सिर्फ भावनाओं का नाम नहीं, बल्कि उस हिम्मत का नाम भी है, जब पता होता है कि बाहर लोग आलोचना करेंगे, कहानियां बनाएंगे, फिर भी आप मजबूत रहते हैं।' निक्की ने बताया कि शो में जाने से पहले वे डेंगू से ठीक होकर आई थीं। इसलिए ठीक से परफॉर्म नहीं कर पा रही थीं। उन्होंने लिखा, 'कई लोगों ने मेरी परफॉर्मेंस को जज किया, बिना जाने कि मैं डेंगू से ठीक होकर आई थी। शरीर में थकान, कमजोरी और बहुत ज्यादा थकावट थी। छोटी-छोटी चीजें भी भारी लगती थीं, फिर भी मैं हर दिन हिम्मत से शो में गई।'

उन्होंने कहा कि शो में उनका मुकाबला किसी दूसरे से नहीं बल्कि खुद से था। उन्होंने कहा, 'मेरा असली मुकाबला किसी से नहीं बल्कि खुद से था।अपनी ताकत, सीमाओं और शरीर की लड़ाई से। सबसे कठिन लड़ाइयां अक्सर दिखाई नहीं देतीं। हर दिन वहां पहुंचना, थकान के बावजूद खड़े रहना और हार न मानना यही मेरी असली चुनौती थी। निक्की ने अपनी बात को खत्म करते हुए लिखा, 'अगर किसी को मेरी परफॉर्मेंस अच्छी नहीं लगी तो कोई बात नहीं क्योंकि हर दिन मैं वहां जाकर खुद से लड़ रही थी। मेरी असली जीत यही थी कि शरीर हार मानना चाहता था, लेकिन मैं खड़ी रही और आगे बढ़ती रही।'

'मेड इन कोरिया' एक्ट्रेस प्रिया मोहन ने साझा किया कोरिया शूट का दुख

प्रिया मोहन की तामिल फिल्म 'मेड इन कोरिया' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। हाल ही में एक्ट्रेस ने कोरिया में शूटिंग करते हुए आई परेशानी के बारे में एक इंटरव्यू में चर्चा की। साथ ही वहां हुए अपने अनुभव के बारे में भी बताया।

खाना सबसे बड़ा चैलेंज

अभिनेत्री प्रिया मोहन ने बातचीत में अपनी तामिल फिल्म 'मेड इन कोरिया' के काफी कुछ बताया। उन्होंने कहा कि कोरिया में सबसे मुश्किल है खाना मिलना। क्योंकि कोरिया में हर खाने में रेड मीट डाला जाता है वो नहीं खा सकती थीं। आगे एक्ट्रेस ने कहा कि वो मूल रूप से शाकाहारी हैं। मगर उन्होंने कुछ दिनों पहले ही चिकन खाना शुरू किया है। अपने डाइटिंग के वजह से भी वह सब कुछ नहीं खा सकती हैं।

मौसम का बदलना भी एक मुश्किल

प्रिया ने बताया कि वो और शूटिंग यूनिट 40 दिनों तक कोरिया में थीं। इस दौरान खाने के साथ-साथ उन्होंने मौसम के बदलाव को भी एक समस्या है। उन्होंने कहा कि कोरिया का मौसम लगातार बदलता रहता है। अगर सुबह गर्मी होती है तो दोपहर में बारिश हो जाती है। वहीं रात में बर्फ गिरने लगती है। इस मौसम की वजह से काफी शूटिंग में काफी मुश्किलें होती हैं।

काफी एंजॉय की फिल्म की शूटिंग

मेड इन कोरिया एक इंटरनेशनल प्रोजेक्ट है। इसमें कई कोरियन एक्टर्स भी काम कर रहे हैं। प्रिया मोहन ने अपनी बातचीत में कहा कि मुश्किलों के बावजूद उन्हें फिल्म करने में काफी मजा आया। खास तौर पर कोरियन एक्टर्स के साथ एक्टिंग का अनुभव काफी खास रहा। प्रिया ने कहा कि कोरियन एक्टर्स स्क्रिप्ट पढ़ने से ज्यादा स्वाभाविक एक्टिंग पर ध्यान देतें हैं। साथ ही एक्ट्रेस ने बताया कि वह अपने पहले इंटरनैशनल प्रोजेक्ट के लिए काफी खुश हैं।

पलाश मुछाल की फिल्म में अहम किरदार निभाएंगे टीवी एक्टर अभिनव शुक्ला

पलाश मुछाल ने अपनी एक अनाम फिल्म की घोषणा कुछ दिनों पहले की है। इस फिल्म को वही निर्देशित करेंगे। इसकी कहानी एक आम आदमी की जिंदगी पर आधारित होगी। फिल्म में लीड रोल एक्टर श्रेयस तलपदे निभाएंगे। अब इस फिल्म में एक टीवी एक्टर भी शामिल हो गया है। इस बारे में सोशल मीडिया के जरिए पलाश मुछाल ने ही जानकारी साझा की है। टीवी एक्टर के साथ एक फोटो भी पोस्ट की है। पलाश मुछाल की फिल्म में टीवी एक्टर अभिनव शुक्ला एक अहम किरदार निभाएंगे। देर रात पलाश मुछाल ने अभिनव के साथ तस्वीर साझा की और फिल्म में उनका स्वागत किया। इस फिल्म में डेजी शाह भी नजर आएंगी।

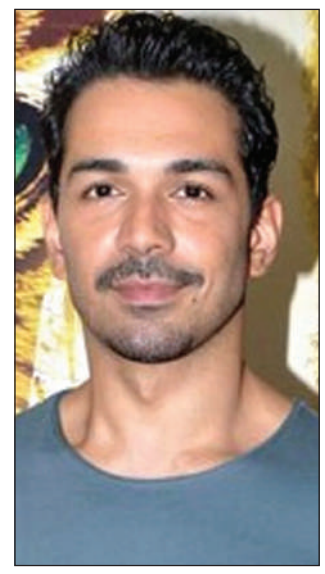

कई फिल्में निर्देशित कर चुके हैं पलाश

पलाश मुछाल डायरेक्शन में आने से पहले बतौर म्यूजिक कंपोजर बॉलीवुड में सक्रिय थे। फिर वह निर्देशक की भूमिका में आए। अब तक कई फिल्में बना चुके हैं। पलाश ने 'अर्ध' और 'काम चालू है' जैसी फिल्में बनाई हैं। इन दोनों फिल्मों में राजपाल यादव ने मुख्य भूमिका निभाई थी।

शादी टूटने का मामला भी चर्चा में रहा

पिछले साल के आखिर में क्रिकेटर स्मृति मंधाना और कंपोजर पलाश मुछाल के शादी का मामला खूब सुर्खियों में रहा। इस साल की शुरुआत में स्मृति के दोस्त ने पलाश पर पैसों की धोखाधड़ी का आरोप लगाया। पलाश ने भी मानहानि का मुकदमा ठोका है। इन सभी बातों के बीच वह अपनी अपकमिंग फिल्म से जुड़े अपडेट लगातार साझा कर रहे हैं।

नेगेटिव रोल में दिखेंगे सुधांशु पांडे, अपने 'जटिल' किरदार को लेकर किया खुलासा

टेलीविजन इंडस्ट्री के मशहूर अभिनेता सुधांशु पांडे इन दिनों लोकप्रिय शो 'दो दुनिया एक दिल' में नजर आ रहे हैं। इस सीरियल में वे एक निगेटिव किरदार में नजर आएंगे। हाल ही में उन्होंने खास बातचीत में अपने रोल को लेकर बात की। अभिनेता ने बताया कि उनका किरदार काफी जटिल और लेयर्ड है। इसमें कई ऐसे पहलू दिए गए हैं, जो दर्शकों को चौंका सकते हैं। उन्होंने बताया, 'मैं हर रोल में कुछ नया करने की कोशिश करता हूं ताकि दर्शकों को अनएक्सपेक्टेड मोमेंट्स देखने को मिले और ये सब करना मुझे काफी अच्छा लगता है।' सुधांशु पांडे ने बताया कि शो में उनका किरदार भले ही बाहर से निगेटिव है, लेकिन इसमें कई तरह के डायमेंशन हैं, जो कहानी को धीरे-धीरे सामने लाने का काम करेंगे। सुधांशु पांडे ने कहा, 'मेरी हमेशा से ऐसी किरदार बनाने की होती है जो दर्शकों के दिल में बस जाएं और लंबे समय तक याद रहें। अगर कोई कैरेक्टर दर्शकों से गहरा कनेक्शन बना ले, तो एक अभिनेता के तौर पर मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है।' जब उनसे सवाल किया, 'शो में आप एक पिता की भूमिका भी निभा रहे हैं, लेकिन लोगों को लगता है कि आप अभी पिता के रोल के लिए काफी युवा हैं तो उन्होंने कहा, 'पिता बनने का मतलब यह नहीं कि बाल या दाढ़ी सफेद हो जाए। मैं असल जिंदगी में भी पिता हूं। मेरे बच्चे हैं, लेकिन मैं फिट और एक्टिव हूं। समाज में पिता के लुक को लेकर एक स्टीरियोटाइप है, जो गलत है।' उन्होंने आगे कहा कि फिटनेस और एनर्जी हर उम्र के लोगों में होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर कोई शादीशुदा और बच्चों वाला व्यक्ति भी एनर्जेटिक हो सकता है, जबकि बिना परिवार वाला भी अनफिट दिख सकता है। इसलिए हमें ऐसे पुराने विचारों से दूर रहना चाहिए।' शो में डिजिटल क्राइम और सोफिस्टिकेटेड स्कैम जैसे विषय दिखाए जा रहे हैं, जिसको लेकर सुधांशु ने कहा, एजुकेशन और अवेयरनेस दो अलग-अलग चीजें हैं। बहुत पढ़े-लिखे लोग भी स्कैम कर सकते हैं और वही पढ़े-लिखे लोग उनके शिकार भी बन सकते हैं।

शरवरी बनीं इम्तियाज की फिल्म का हिस्सा

शरवरी वाघ इम्तियाज अली की अपकमिंग फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में नजर आने वाली हैं। इसमें लीड एक्टर के तौर पर दिलजीत दोसांझ नजर आने वाले हैं। आज फिल्म का टीजर रिलीज हो गया है। जिसे देखकर फैंस उत्साहित हैं। टीजर में रोमांस से भरी कहानी की झलक दिखी है। इस बीच शरवरी वाघ ने इंस्टाग्राम पर निर्देशक इम्तियाज अली के साथ तस्वीर शेयर की है और एक पोस्ट लिखी है। शरवरी वाघ ने एक पोस्ट में लिखा 'इम्तियाज सर यह कहना कि मैं आपके सिनेमा की बहुत बड़ी फैन रही हूं, कम होगा। आज जब हमारा टीजर आया, तो मैं उस दिन को याद कर रही थी, जब मैंने 3 साल पहले एक क्लास अटेंड की थी। इसे आपने मणि सर के लिए कंडक्ट की थी। मैं वहां ऑडियंस में बैठकर आपके क्राफ्ट, आपके विजन और आप बड़े पर्दे पर जो खूबसूरत दुनिया बनाते हैं, उसके बारे में सुन रही थी।' शरवरी ने आगे लिखा 'मुझे याद है कि मैंने उस दिन इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी डाली थी और सोचा था कि मैं किसी दिन आपकी फिल्म का हिस्सा बनूंगी। मुझे क्या पता था कि मैं एक ऐसा टीजर देखूंगी जिसके आखिर में 'ए फिल्म बाय इम्तियाज अली' लिखा होगा और मैं इसका हिस्सा बनूंगी।' शरवरी ने आगे लिखा 'एक यंग एक्टर के तौर पर, जो स्क्रीन पर अलग-अलग तरह के किरदार में ढलने के लिए बेताब है, मेरे लिए 'मैं वापस आऊंगा' का सफर सबसे अच्छा रहा। यह सिर्फ आपकी वजह से हो पाया। रेकी से लेकर शूटिंग खत्म होने तक और कई लंच और डिनर पर हुई बातें मेरी यादों में रहेंगी। थैंक्यू सर! आप सिर्फ एक अच्छे फिल्ममेकर ही नहीं, एक अच्छे इंसान भी हैं!'

10 जुलाई को रिलीज होगी आलिया-शखरी स्टारर 'अल्फा'

यशराज फिल्म्स ने अपनी पहली वुमन सेंट्रिक रुपाई फिल्म 'अल्फा' की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। आलिया भट्ट और शरवरी वाघ स्टारर यह फिल्म 10 जुलाई को सिनेमाघरों में आएगी। शिव रवैल के निर्देशन में बनी इस फिल्म में दोनों एक्ट्रेस का मुकाबला विलेन बने बॉबी देओल से होगा। यह फिल्म वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पहली ऐसी कहानी है, जिसमें फीमेल स्पाई को केंद्र में रखा गया है। करीब डेढ़ साल तक चली शूटिंग में कश्मीर का एक लंबा शेड्यूल भी शामिल रहा। फिल्म के क्लाइमैक्स में हाई-ऑक्टेन फाइट सीक्वेंस को वीएफएक्स आधारित बनाया गया है, जिसके लिए विशेष रूप से हाई स्पीड वाले बोल्ट कैमरा का इस्तेमाल किया गया।

शूटिंग में सीक्रेसी का स्केल भी काफी हाई रहा

शूटिंग के दौरान बॉबी के डेडिकेशन की भी काफी चर्चा रही। बताया जाता है कि उन्होंने लगातार आठ-आठ घंटे की शिफ्ट में काम किया। फिल्म में उनका लुक फिल्म 'एनिमल' से बिल्कुल अलग रखा गया है, जिसमें वे साल्ट-एंड-पेपर दाढ़ी और वेस्टर्न स्टाइल ब्लेजर में नजर आएंगे। शूटिंग के दौरान सीक्रेसी का स्केल काफी ऊंचा रखा गया। क्रू मेंबर्स के मोबाइल फोन तक सेट पर बैन थे। कुछ एक्शन सीन्स को पहले बॉडी डबल्स के साथ शूट किया गया और बाद में फेस रिप्लेसमेंट तकनीक से एक्टर्स के चेहरे जोड़े गए, जिसमें करीब 15 से 20 दिन लगे। 'अल्फा' के सेट पर नई पीढ़ी की झलक भी देखने को मिली। जिमी शेरगिल के बेटे वीर शेरगिल ने भी इस फिल्म में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम किया है। 'अल्फा' के अलावा शरवरी की अली-अहान वाली फिल्म यूके में 60 दिनों के लंबे शूटिंग शेड्यूल में हो रही शूट निर्देशक अली ने इस फिल्म को स्टूडियो सेट के बजाय रियल लोकेशंस पर शूट करने का फैसला लिया है। इसी वजह से करीब 60 दिनों का लंबा शेड्यूल यूनाइटेड किंगडम में रखा गया है। शूटिंग मुख्य रूप से लंदन, मैनचेस्टर, बर्मिंघम और लीड्स में होगी। इस फिल्म के भी लुक और सीन लीक न हों, इसके लिए सेट पर कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। बताया जा रहा है कि यह यशराज फिल्म्स के इतिहास के सबसे बड़े सुरक्षा प्रबंधों में से एक है।

विदेशी एक्शन डायरेक्टर्स को भी टीम में शामिल किया गया है...

अहान-शरवरी स्टारर इस फिल्म की कहानी आधुनिक भारत और अंतरराष्ट्रीय पृष्ठभूमि पर आधारित एक एक्शन-रोमांस है। अहान के किरदार में एक्शन के साथ हल्का-फुल्का हास्य भी होगा। यूके शेड्यूल के बाद फिल्म की टीम भारत लौटकर जयपुर में कुछ अहम हिस्सों की शूटिंग करेगी। फिल्म के हाई-ऑक्टेन एक्शन को विश्वस्तरीय बनाने के लिए विदेशी एक्शन डायरेक्टर्स को भी टीम में शामिल किया गया है। अहान और ऐश्वर्य ठाकरे के लिए एक लिमिटलेस एक्शन वर्कशॉप आयोजित की गई। फिल्म में अंतरराष्ट्रीय स्तर का हैंड-टू-हैंड कॉम्बैट और हाई स्पीड चेज सीक्वेंस भी हैं। अहान पिछले तीन महीनों से एमएमए ट्रेनिंग ले रहे हैं।

शरवरी, अहान पांडे के साथ भी एक एक्शन फिल्म में दिखेंगी

शरवरी वाघ जल्द ही निर्देशक अली अब्बास जफर की नई एक्शन-रोमांटिक फिल्म में अहान पांडे के साथ भी नजर आएंगी। अहान इस नए प्रोजेक्ट की तैयारी में जुटे हैं। इसे भी यशराज फिल्म्स ही बना रही है। फिल्म का पहला शेड्यूल 20 मार्च से मुंबई में शुरू होगा।